@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शुक्रवार, 16 जनवरी 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 73 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया सीएसपीओसी का उद्घाटन

● लोकतंत्र को बताया जनकल्याण का माध्यम

● भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है।

● भारत में विकसित एकीकृत भुगतान प्रणाली दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल भुगतान व्यवस्था बन चुकी है।

एजेंसी
नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में राष्ट्रमंडल के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन (सीएसपीओसी) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, राष्ट्रमंडल देशों की संसदों के अध्यक्ष और पीठासीन अधिकारी, सांसद और तमाम लोग

मौजूद रहे। सम्मेलन को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भारत में लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ अंतिम व्यक्ति तक विकास और कल्याण का लाभ पहुंचाना है। सरकार बिना किसी भेदभाव के लोककल्याण की भावना से कार्य कर रही है और इसी दृष्टिकोण के कारण बीते कुछ वर्षों में लगभग 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। लोकतंत्र केवल शासन की एक प्रणाली नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह चौथा अवसर है जब भारत सीएसपीओसी की मेजबानी कर रहा है और इस बार सम्मेलन का मुख्य विषय संसदीय लोकतंत्र की प्रभावी कार्यप्रणाली और जनकल्याण तक उसकी पहुंच है। उन्होंने संसदीय लोकतंत्र में अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों की भूमिका को बताते हुए कहा कि अध्यक्ष का दायित्व स्वयं अधिक बोलने का नहीं, बल्कि सभी सदस्यों को समान अवसर देने और उनकी बात सुनने का होता है। उनका धैर्य, निष्पक्षता और संतुलन ही लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखता है।

गडकरी 17 जनवरी को आएंगे मध्य प्रदेश

● विदिशा में विभिन्न कार्यक्रमों में होंगे शामिल

एजेंसी
विदिशा। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी शनिवार, 17 जनवरी को मध्य प्रदेश के एक दिवसीय प्रवास पर आएंगे। वे यहां विदिशा जिले में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी उनके साथ इन कार्यक्रमों में मौजूद रहेंगे।

जिला प्रशासन ने गुरुवार को जारी दौरा कार्यक्रम के अनुसार केन्द्रीय मंत्री गड़करी 17 जनवरी को दोपहर 12 बजे विमान से भोपाल एयरपोर्ट आएंगे और यहां दोपहर 12.05 बजे हेलीकाप्टर से प्रस्थान कर दोपहर 12.30 बजे विदिशा के खेल स्टेडियम हेलीपैड पर आगमन के पश्चात रोड शो कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। केन्द्रीय मंत्री गड़करी रोड शो के उपरांत पुरानी कृषि उपज मंडी विदिशा में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम के अनुसार 1.50 बजे फोटो प्रदर्शनी का निरीक्षण, दोपहर दो बजे राष्ट्र को समर्पित निर्माण कार्यों के लोकार्पण और आधारशिला कार्यक्रम में

शामिल होंगे।

कृषि उपज मंडी कार्यक्रम के उपरांत केन्द्रीय मंत्री गड़करी दोपहर 3.30 बजे विदिशा खेल स्टेडियम से हेलीकाप्टर द्वारा भोपाल एयरपोर्ट के लिए प्रस्थान करेंगे।

आईजीआई एयरपोर्ट पर इंजन में कंटेनर फंसने से एयर इंडिया का विमान क्षतिग्रस्त

एजेंसी
विदिशा। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट पर उस समय हड़कंप मच गया, जब एयर इंडिया के अत्याधुनिक एयरबस ए350 विमान का इंजन एक कार्गो कंटेनर से टकरा गया। हालांकि, इस घटना में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ और बड़ा हादसा टल गया। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) आगे की जांच कर रहा है। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि दिल्ली एयरपोर्ट पर सुबह घने कोहरे के बीच कार्गो कंटेनर के टकराने से एयर इंडिया के ए350 विमान का दाहिना इंजन क्षतिग्रस्त हो गया। एयरलाइन ने विमान को विस्तृत जांच के लिए उड़ान सेवा से अस्थायी रूप से हटा दिया गया है। इस घटना का एक वीडियो सामने आया है, जो शायद विमान में सवार किसी यात्री ने बनाया है। एयरलाइन ने जारी एक बयान में कहा कि एयर इंडिया का दिल्ली से न्यूयॉर्क (जेएफके) जाने वाली उड़ान संख?या एआई101 को ईरान के हवाई क्षेत्र के अप्रत्याशित रूप से बंद होने के कारण उड़ान भरने के तुरंत बाद वापस दिल्ली लौटना पड़ा, जिससे उसका निर्धारित मार्ग प्रभावित हुआ। दिल्ली एयरपोर्ट के रनवे पर उतरने के समय घने कोहरे के बीच विमान को टर्मिनल तक ले जाने के दौरान यह एक कंटेनर से टकरा गया।

ममता सरकार जंगलराज और अराजकता का प्रतीक: भाजपा

● लोकतंत्र में कोई भी व्यक्ति या सरकार कानून से ऊपर नहीं हो सकती।

एजेंसी
नई दिल्ली। आई-पीएसी छापेमारी मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों के खिलाफ पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी पर उच्चतम न्यायालय के रोक लगाने के फैसले के बाद भारतीय जनता पार्टी ने ममता सरकार को जंगलराज और अराजकता का प्रतीक बताया। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा, आज ममता बनर्जी को उच्चतम न्यायालय से बड़ा झटका लगा है। इससे यह साबित हो गया है कि जंगल राज कैसा होता है। राज्य सरकार का दायित्व होता है कि वह जांच एजेंसी की मदद करे, लेकिन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने फाइलें अपने पास ले लीं। यह मुख्यमंत्री बनर्जी के चेहरे पर करारा तमाचा है, जो खुद को संविधान से ऊपर समझती हैं।भाटिया ने कहा कि ईडी अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर पर रोक लगाना यह साबित करता है कि जांच एजेंसियों को डराने या उनके काम में रुकावट डालने की कोशिश स्वीकार्य नहीं है। यह मुख्यमंत्री बनर्जी के लिए 'संवैधानिक चेतावनी' है। लोकतंत्र में कोई भी व्यक्ति या सरकार कानून

से ऊपर नहीं हो सकती।उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में लंबे समय से केंद्रीय एजेंसियों के खिलाफ टकराव की राजनीति की जा रही है। जब भी भ्रष्टाचार या वित्तीय अनियमितताओं की जांच आगे बढ़ती है, राज्य सरकार जांच एजेंसियों पर राजनीतिक दबाव बनाने की कोशिश करती है। उच्चतम न्यायालय का फैसला ऐसे प्रयासों पर रोक लगाने वाला कदम है। यदि राज्य सरकार पारदर्शिता और ईमानदारी से काम कर रही है तो उसे जांच से डरने की कोई जरूरत नहीं होनी चाहिए।उल्लेखनीय है कि ईडी द्वारा आई-पीएसी कार्यालय पर की गई छापेमारी में बनर्जी की कथित दखलअंदाजी के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान उच्चतम न्यायालय ने आज कलकत्ता उच्च न्यायालय में 9 जनवरी को हुई अव्यवस्था पर गहरी चिंता जताई। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की खंडपीठ के समक्ष ईडी ने बताया कि 9 जनवरी को जब उसका मामला उच्च न्यायालय में सूचीबद्ध था, उससे पहले तृणमूल कांग्रेस की लीगल सेल द्वारा व्हाट्सऐप पर संदेश भेजकर लोगों को कोर्ट में जुटने के लिए कहा गया था।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में 1.41 करोड़ के इनामी 52 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

● तय समय सीमा के लक्ष्य 2026 से पहले नक्सली संगठन पूरी तरह से सिमटने लगा है।

एजेंसी
बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में आज गुरूवार को बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव और सीआरपीएफ के अधिकारियों के समक्ष 1.41 करोड़ के इनामी कुल 52 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। तय समय सीमा के लक्ष्य 2026 से पहले नक्सली संगठन पूरी तरह से सिमटने लगा है। इन आत्मसमर्पित नक्सलियों के 52 कैडरों में डीवीसीएम-1, कंपनी न.7 के -2 सदस्य, पीपीसीएम-3, एसीएम -10, डिवीजन एवं ब्यूरो पार्टी सदस्य -8, प्लाटून एवं एरिया कमेटी पार्टी सदस्य- 9, मिलिशिया प्लाटून कमाण्डर- 3, मिलिशिया प्लाटून डिप्टी कमाण्डर -1, मिलिशिया प्लाटून सदस्य-3, पीएलजीए सदस्य-1 एवं अलग अलग आरपीसी के सीएनएम/डीएकेएमएस जनताना सरकार अध्यक्ष -11 नक्सली कैडर शामिल हैं। जिन्होंने हिंसा का मार्ग छोड़कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होने का निर्णय लिया है। बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव ने आज बताया कि सीआरपीएफ और सुरक्षाबलों के प्रयासों से 52 नक्सली मुख्यधारा में वापस लौटे हैं। जिसमें

● बीजापुर एसपी ने नक्सलियों से अपील करते हुए कहा कि नक्सली भ्रामक और हिंसक विचारधाराओं को त्यागकर निर्भय होकर समाज की मुख्यधारा में लौटें।

1.41 करोड़ इनाम के 21 महिला कैडर और 31 पुरुष कैडर शामिल हैं, जिन्होंने सशस्त्र और हिंसक विचारधारा से स्वयं को अलग कर शांति और प्रगति के मार्ग को अपनाया है। इनमें बड़े कैडर के नक्सली भी शामिल हैं। सरकार की योजनाओं और सुरक्षाबलों द्वारा लगातार चलाये जा रहे नक्सल विरोधी से यह सफलता प्राप्त हुई है। उन्होंने बताया कि बीजापुर जिले में 01 जनवरी 2024 से अब तक कुल 824 नक्सली मुख्यधारा में लौट चुके हैं, 1126 नक्सली गिरफ्तार किए गए हैं और 223 नक्सली विभिन्न मुठभेड़ों में मारे गए हैं। पुनर्वास प्रक्रिया के तहत प्रत्येक नक्सली कैडर को प्रोत्साहन स्वरूप 50 हजार रुपये की तात्कालिक आर्थिक सहायता प्रदान की गई। आत्मसमर्पित 52 नक्सली कैडरों के समाज में पुनर्वास और पुनर्समावेशन के लिए आवश्यक विधिक प्रक्रिया जारी है । बीजापुर एसपी ने नक्सलियों से अपील करते हुए कहा कि नक्सली भ्रामक और हिंसक विचारधाराओं को त्यागकर निर्भय होकर समाज की मुख्यधारा में लौटें। शासन की 'पूना मारगेम' नीति उनके भविष्य को सुरक्षित, सम्मानजनक और स्वावलंबी बनाने के लिए हर संभव सुविधा प्रदान कर रही है।

बीजद प्रमुख ने दो विधायकों को किया निलंबित, पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप

भुवनेश्वर। ओडिशा में मुख्य विपक्ष दल बीजू जनता दल (बीजद) ने दो विधायकों को निलंबित कर दिया है। निलंबित विधायकों में अरविंद मोहपात्रा और विधायक सनातन महाकुड के नाम शामिल हैं। दोनों विधायकों पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप हैं। यह कार्रवाई बीजद अध्यक्ष नवीन पटनायक की तरफ से की गई है। पूर्व मुख्यमंत्री और बीजद अध्यक्ष ने कार्यालयी आदेश में कहा कि पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते विधायकों अरविंद मोहपात्रा और सनातन महाकुंड को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। जानकारी के अनुसार, दोनों विधायकों पर पार्टी लाइन का उल्लंघन करने और अनुशासनहीनता के आरोप लग रहे थे। बीजद ने इस आदेश की एक कॉपी ओडिशा विधानसभा के अध्यक्ष को भी भेजी है, ताकि विधायी प्रक्रिया के तहत इस निलंबन की औपचारिक जानकारी दर्ज की जा सके। वहीं, दोनों विधायकों को भी निलंबन के आदेश की कॉपी भेज दी गई है।

आज के एनसीसी कैडेट्स ही कल के राष्ट्रनायक हैं: मुख्यमंत्री रेखा

कौमी पत्रिका
संजय कुमार

नई दिल्ली, 15 जनवरी। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने गुरुवार को भारतीय सेना दिवस के मौके पर दिल्ली कैंट के करिअप्पा परेड ग्राउंड में आयोजित एनसीसी रिपब्लिक डे कैंप 2026 का दौरा किया। इस दौरान उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने एनसीसी कैडेट्स की मार्च-पास्ट, ब्रास बैंड और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देखीं। इसके बाद उन्होंने फ्लैग एरिया का भी दौरा किया, जहां देश के 17 एनसीसी डायरेक्टोरेट्स से आए कैडेट्स ने राष्ट्रीय मूल्यों, नागरिक जिम्मेदारी और राष्ट्र निर्माण पर आधारित प्रदर्शनी लगाई थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि एनसीसी लंबे समय से युवाओं में अनुशासन, एकता, कर्तव्यबोध और देशभक्ति की भावना का संचार कर रही है। अलग-अलग राज्यों से आए कैडेट्स, अलग भाषा और संस्कृति के बावजूद एक साथ मिलकर भारत की एकता को दिखाते हैं। यही 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की सच्ची झलक है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर हॉल ऑफ फेम का दौरा कर एनसीसी के इतिहास, प्रशिक्षण प्रणाली एवं उपलब्धियों की जानकारी ली। साथ ही, युवा आपदा मित्र योजना और ड्रोन प्रशिक्षण प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने देशभर से आए एनसीसी कैडेट्स से संवाद किया और उनका उत्साहवर्धन

किया। इस अवसर पर एनसीसी के डायरेक्टर जनरल (डीजी) लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स, वरिष्ठ एनसीसी अधिकारी सहित देशभर से आए एनसीसी कैडेट्स उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने एनसीसी कैडेट्स की एकजुटता, जोश, अनुशासन और देशभक्ति की भावना की सराहना करते हुए कहा कि आज का दिन उनके जीवन के सबसे सुखद अनुभवों में से एक है। कैडेट्स की प्रस्तुतियां, लहराता तिरंगा और कदम से कदम मिलाकर चलता मार्च-पास्ट ऐसा प्रतीत कराते हैं जैसे देश की धड़कन प्रत्यक्ष सुनाई दे रही हो। मुख्यमंत्री ने एनसीसी की प्रशिक्षण प्रणाली की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह युवाओं को आपदा प्रबंधन, नेतृत्व, राष्ट्रसेवा और जिम्मेदार नागरिकता के लिए तैयार करती है। मुख्यमंत्री ने एनसीसी के मूल मंत्र 'एकता और अनुशासन' को युवाओं में राष्ट्रभक्ति, विविधता में एकता और संवैधानिक मूल्यों का आधार बताया। उन्होंने कैडेट्स को राष्ट्र के भविष्य का नेतृत्वकर्ता बताते हुए विश्वास जताया कि वे जीवनभर देशसेवा के संकल्प के साथ आगे बढ़ेंगे।

शेष पृष्ठ 3 पर

वर्तमान चुनौतियों पर ही नहीं, भविष्य के युद्धों की भी है तैयारी : सेना प्रमुख द्विवेदी

● तय समय सीमा के लक्ष्य 2026 से पहले नक्सली संगठन पूरी तरह से सिमटने लगा है।

एजेंसी
जयपुर। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने गुरुवार को जयपुर में कहा कि भारतीय सेना को भविष्य के लिए ऐसी हथियार प्रणालियां और उपकरण चाहिए, जो भारत में ही डिजाइन और विकसित किये गए हों। सेना भविष्य के लिए तैयार बल के रुप में आगे बढ़ रही है।

सेना दिवस परेड में आए सेना प्रमुख गुरुवार को मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे। सेना प्रमुख ने कहा कि किसी भी आक्रमण का जवाब देने के लिए भारतीय सेना हर समय तैयार है। इसके लिए सेना आधुनिकतम तकनीक का उपयोग कर रही है। जैसे-जैसे तकनीक में बदलाव आता रहेगा, सेना स्वयं को तकनीकी रुप से अपडेट करती रहेगी। उन्होंने भारतीय सेना के वीर सैनिकों को नमन करते हुए कहा कि सैनिकों ने देश सेवा में सर्वोच्च बलिदान दिया है। सेना प्रमुख ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर ने भारतीय सेना की तेज प्रतिक्रिया, बेहतर समन्वय और

सटीक कार्रवाई की क्षमता को दर्शाया है। यह एक परिपक्व, आत्मविश्वासी और जिम्मेदार बल की तस्वीर प्रस्तुत करता है। जो राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह सक्षम है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय सेना की सोच में स्पष्ट बदलाव आया है। हम केवल वर्तमान चुनौतियों पर ही नहीं, भविष्य के युद्धों की तैयारी में भी गंभीरता से काम कर रहे हैं। इसी दिशा में भविष्य की आवश्यकतानुसार ट्रेंड किया जा रहा है। इस परिवर्तन प्रक्रिया के अंतर्गत नई इकाईयां खड़ी की गयी है। जिसे आज परेड के दौरान देखा गया है।सेना प्रमुख ने कहा कि आज हम किसी युद्ध की लंबाई के बारे में नहीं बता सकते हैं। आपरेशन सिंदूर चार दिन चला तो यूक्रेन रुस युद्ध चार साल से चल रहा है। ऐसे में अगर देश को लंबी लड़ाई लड़नी है तो सेना का साजो-सामान देश में ही बनना चाहिए और जरूरत पड़ने पर उसकी रिपेयरिंग भी भारत में ही होनी चाहिए। यूक्रेन और रूस युद्ध से हमें कुछ सीखना चाहिए। उन्होंने बताया कि आज की लड़ाइयों में छोटी टुकड़ियां बड़ी टुकडियों के मुकाबले ज्यादा प्रभावी साबित हो रही हैं। पहले से बनी यूनिट्स में बदलाव की रफ्तार अपेक्षाकृत धीमी होती है, जबकि नई बनाई गई यूनिट्स तेजी से बदलाव अपना लेती हैं। इसी सोच के तहत भैरव बटालियन को खड़ा किया गया है, जो सामान्य इन्फेंट्री और स्पेशल फोर्स के बीच के गैप को कवर करती है। परेड में भैरव बटालियन ने जिस तरह अपनी क्षमता दिखाई है, उसे देखते हुए अगर ऐसी 25 बटालियन खड़ी कर दी जाएं, तो पारंपरिक इन्फेंट्री की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। जनरल द्विवेदी ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में भारतीय सेना की सोच में साफ बदलाव आया है। सेना अब सिर्फ मौजूदा चुनौतियों तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य के युद्धों की तैयारी पर भी गंभीरता से काम कर रही है। इसी दिशा में नए स्ट्रक्चर्स तैयार किए जा रहे हैं और उन्हें भविष्य की जरूरतों के अनुसार ट्रेन्ड किया जा रहा है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर टला बड़ा हादसा, एयर इंडिया के ए350 विमान के इंजन से टकराया कंटेनर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) पर गुरुवार को बड़ा हादसा टल गया। एयर इंडिया का विमान एयरबस ए350 विमान के इंजन से बड़ा लोहे का कंटेनर टकरा गया। बताया जा रहा है कि कंटेनर टकरा कर अंदर घुस गया। कंटेनर के अंदर घुसने की वजह से विमान का इंजन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। इंजन को ठीक करने का काम हो रहा है। अच्छी बात ये है कि इंजन के अलावा किसी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ है। इस बीच, दिल्ली से सिंगापुर जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 2380 को उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद तकनीकी खराबी के संदेह के कारण वापस दिल्ली लौटना पड़ा। चालक दल (क्रू) ने सावधानी बरताकर विमान को वापस मोड़ने का फैसला किया, जिसके बाद विमान सुरक्षित रूप से दिल्ली हवाई अड्डे पर उतर गया। एयर इंडिया के प्रवक्ता के अनुसार, दिल्ली में मौजूद ग्राउंड टीम ने यात्रियों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई। बाद में सभी यात्रियों को दूसरे वैकल्पिक विमान से सिंगापुर के लिए रवाना किया गया।

अपनी ही बेटी से कुकर्म करने वाले वायुसेना कर्मचारी को 20 साल की सजा

देहरादून (एजेंसी)। देहरादून की जिला अदालत ने एक एयरफोर्स कर्मी को अपनी बेटी के साथ लगातार यौन शोषण के मामले में 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। आरोपी पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। अदालत ने इसे विकृत कामुकता का गंभीर मामला बताते हुए कहा कि ऐसे कृत्य बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास के लिए अत्यंत हानिकारक हैं तथा समाज के लिए कलंक हैं। मामला तब सामने आया जब पीड़िता ने 17 वर्ष की उम्र में अपनी मां को सब कुछ बता दिया। पीड़िता ने अदालत में गवाही दी कि आरोपी ने उसे मात्र 5 वर्ष की उम्र से शिकार बनाना शुरू किया था और यह सिलसिला 17 वर्ष की उम्र तक जारी रहा। आरोपी ने मथुरा, गुजरात और देहरादून में विभिन्न पोस्टिंग के दौरान कई बार दुष्कर्म किया। जब वह ड्यूटी पर बाहर होता, तो वीडियो कॉल करके पीड़िता को कपड़े उतारने के लिए मजबूर करता और न मानने पर पीटने की धमकी देता। 17 नवंबर 2023 को रायपुर थाने में मां की शिकायत पर मामला दर्ज हुआ। विशेष लोक अभियोजक अल्पना थापा ने बताया कि जांच में पीड़िता के बयान, अन्य साक्ष्य और गवाही के आधार पर आरोपी को दोषी पाया गया। विशेष न्यायाधीश अर्चना सागर की अदालत ने बुधवार को सजा सुनाई। अदालत ने राज्य सरकार को पीड़िता को तीन लाख रुपये का मुआवजा देने का भी आदेश दिया। अदालत की तीखी टिप्पणी में कहा गया कि यह विकृत कामुकता का मामला है। बचाव पक्ष ने दलील दी कि मेडिकल रिपोर्ट में चोट के निशान नहीं थे और हाइमन इन्टैक्ट था, इसलिए दुष्कर्म साबित नहीं होता। अदालत ने इस दलील को पूरी तरह खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि पीड़िता की गवाही विश्वसनीय है। कोई भी बेटी अपने सगे पिता पर ऐसे गंभीर झूठे आरोप नहीं लगाएगी। जैसे-जैसे वह बड़ी हुई, उसे अपने साथ हो रहे गलत काम की समझ आई।

लुधियाना कोर्ट को मानव बम से उड़ाने की धमकी, अजमल नाम से आया ईमेल

लुधियाना (एजेंसी)। राजस्थान के लुधियाना में एक सिरफिरे ने ज्यूडिशियल कॉम्प्लेक्स को दहलाने की धमकी दी थी यह ई-मेल अजमल अब्दुल राज के नाम से आई थी, जिसने मानव बम के जरिए धमाका करने की बात कही गई थी। पुलिस का कहना हैं कि ये नाम फर्जी है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह ई-मेल भेजने वाले व्यक्ति ने अपनी पहचान अजमल अब्दुल राज के रूप में बताई है। ई-मेल में स्पष्ट रूप से लिखा है कि ज्यूडिशियल कॉम्प्लेक्स लुधियाना में मानव बम का इस्तेमाल कर बड़ा धमाका किया जाएगा। इस गंभीर मामले को देखते हुए सेशन जज साहब के कार्यालय की ओर से आदेश जारी किया गया है। कोर्ट ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए रिपोर्ट दर्ज करने और जांच के आदेश दिए हैं, जिसके बाद पुलिस ने ई-मेल के तकनीकी पहलुओं की जांच शुरू कर दी है ताकि आरोपी की लोकेशन का पता लगाया जा सके। साइबर सेल की टीमें इस ई-मेल के स्रोत को खंगालने में जुट गई हैं। कोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और आने-जाने वाले संदिग्धों पर पैनी नजर रखी जा रही है।

जुबीन गर्ग की मौत पर कांग्रेस नेता गोगोई का बयान, किस पर करें भरोसा, सरमा पर या फिर सिंगापुर पुलिस पर?

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद गौरव गोगोई ने हिमंता बिस्वा सरमा सरकार पर सवाल उठाकर कहा कि गायक जुबीन गर्ग की मौत को लेकर विरोधाभासी दावे सामने आ रहे हैं। कांग्रेस नेता गोगोई ने कहा कि जहां असम के मुख्यमंत्री ने इस हत्या बताया है, वहीं सिंगापुर के अधिकारियों ने जांच के बाद कहा है कि मौत स्वाभाविक थी और इसमें किसी तरह की साजिश नहीं थी। उन्होंने सवाल उठाया कि किस बात पर भरोसा किया जाए। कांग्रेस नेता गोगोई ने कहा कि हमें किस पर भरोसा करना चाहिए? सीएम सरमा ने कहा कि जुबीन गर्ग की हत्या हुई थी और उनकी एसआईटी टीम के जरिए पांच लोगों को गिरफ्तार किया। चार्जशीट में पांच से छह लोगों के खिलाफ साजिश के आरोप लगाए गए हैं, जिसमें कहा गया है कि उन्होंने जुबीन की हत्या की साजिश रची और अंजाम दिया। उन्होंने बताया कि सिंगापुर सरकार ने विस्तृत जांच के बाद निष्कर्ष निकाला है कि मौत स्वाभाविक थी और इसमें किसी तरह की साजिश नहीं थी। उन्होंने कहा कि सिंगापुर सरकार का कहना है कि यह एक सामान्य मौत थी और इसमें कोई साजिश नहीं थी। गहन जांच के बाद उनका यही निष्कर्ष है। अब हमें किस पर भरोसा करना चाहिए, सिंगापुर पक्ष पर या मुख्यमंत्री शर्मा पर, जिन्होंने खुद विधानसभा में कहा था कि जुबीन गर्ग की हत्या की गई थी? इस सप्ताह की शुरुआत में, असम सरकार ने जुबीन गर्ग हत्याकांड में विशेष लोक अभियोजकों की एक टीम की नियुक्ति को मंजूरी दी।

उद्धव ठाकरे का चुनाव आयोग पर आरोप, अमिट स्याही नेल रिमूवर और सैनिटाइजर से हट रही

महाराष्ट्र में चुनाव आयोग और महायुति के बीच मिलीभगत

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और पूर्व सीएम उद्धव बालासाहेब ठाकरे ने महाराष्ट्र की 29 नगर निगमों में जारी मतदान में धांधली के आरोप लगा दिए है। पूर्व सीएम ठाकरे ने आरोप लगाया कि मतदान के बाद मतदाताओं की उंगलियों पर लगाने वाली अमिट स्याही को नेल पॉलिश रिमूवर और सैनिटाइजर से आसानी से हटाया जा रहा है, जिससे कुछ लोग एक से अधिक बार वोट डाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति सत्ताधारी महायुति और राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) के बीच मिलीभगत का बड़ा सबूत है। प्रेसवार्ता में पूर्व सीएम ठाकरे ने आरोप लगाया कि शायद यह पहला चुनाव है जिसमें इतनी शिकायतें आ रही हैं कि लगाई गई स्याही तुरंत हट रही है। महाराष्ट्र में चुनाव आयोग और महायुति के बीच मिलीभगत है। कई

अनियमितताएं हो रही हैं। चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर उन्होंने चुनाव आयोग पर कटाक्ष कर पूछा कि क्या उन्होंने स्याही को इतनी आसानी से हटाने के लिए किसी सैनिटाइजर एजेंसी को काम पर रखा था? मुझे लगता है कि चुनाव आयुक्त के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने बीते नौ वर्षों में क्या किया है? चुनाव आयोग एक सेवक है, राजा नहीं। मैं आप सभी से बड़ी संख्या में मतदान करने का आग्रह करता हूं। उन्होंने कहा कि कई लोग यह नहीं जानते कि उनका मतदान केंद्र कौन सा है...इसी वजह से कई समस्याएं आ रही हैं।

उन्होंने अपने मोबाइल पर सैनिटाइजर या नेल पॉलिश रिमूवर से स्याही हटाने का कथित सबूत दिखाकर कहा कि यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि यहां लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। उन्होंने कहा, चुनाव आयुक्त वेतन क्यों ले रहे हैं? बीएमसी चुनाव नौ साल बाद हो रहे हैं। इन नौ सालों में उन्होंने क्या किया? यह जनता का पैसा है।

महादेव सट्टेबाजी ऐप मामले में ईडी ने 21.45 करोड़ रुपए की संपत्ति की जब्त, यह गिरोह छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान समेत देश के कई हिस्सों में सक्रिय था

नई दिल्ली (एजेंसी)। महादेव सट्टेबाजी ऐप मामले में ईडी ने बड़ा एक्शन लेते हुए छत्तीसगढ़ में 21.45 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की है। अवैध सट्टेबाजी और मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क के खिलाफ एजेंसी ने ये कार्रवाई की। ईडी का कहना है कि यह कार्रवाई अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी गिरोह से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच पर आधारित है। यह गिरोह छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान और देश के अन्य हिस्सों में सक्रिय था। जब्त की गई संपत्तियों में अवैध सट्टेबाजी गतिविधियों से अर्जित अपराध की आय से प्राप्त संपत्तियां और निवेश शामिल हैं। ईडी की जांच में पता चला है कि महादेव सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म प्रमोटरों, पैनल संचालकों और एजेंटों के सुनियोजित नेटवर्क के जरिए संचालित हो रहा था। काली कमाई को फर्जी खातों, बेनामी खातों और कई स्तरों के वित्तीय लेनदेन के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग किया जाता था। जांचकर्ताओं ने बताया कि मुनाफे का बड़ा हिस्सा 70 से 75 फीसदी मुख्य प्रमोटरों को मिलता था, जबकि शेष हिस्सा एजेंटों और उप-एजेंटों में बांटा जाता था। ये लोग सट्टेबाजी के संचालन, अकाउंट्स के प्रबंधन और डिजिटल और सोशल मीडिया चैनलों के जरिए प्लेटफॉर्म को बढ़ावा देने में शामिल रहे हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि अवैध रकम को ट्रांसफर करने और छिपाने के लिए कई बैंक खातों और जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया था। अब तक ईडी ने कई स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया और हजारों करोड़ के वित्तीय लेन-देन की जांच की। अधिकारियों ने बताया कि महादेव सट्टेबाजी ऐप मामले में 2600 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति जब्त की जा चुकी है। इस मामले में कई आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

ईरान में फंसे भारतीय छात्रों को लेकर चिंतित ओवैसी और उमर... जयशंकर से की अपील

हैदराबाद (एजेंसी)। एआईएमआईएम नेता और सांसद असदुद्दीन ओवैसी और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने केंद्र से ईरान में जारी अशांति के बीच फंसे भारतीय छात्रों की तत्काल मदद करने की अपील की है। ओवैसी ने कहा कि इन छात्रों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। ओवैसी ने कहा कि विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर का ईरान के विदेश मंत्री से बात करना एक अच्छा कदम है। हालांकि, उन्होंने कहा कि केवल बातचीत पर्याप्त नहीं है और छात्रों को सुरक्षित वापस लाने के लिए जमीनी स्तर पर काम होना चाहिए है। उन्होंने बताया कि कई चिंतित अभिभावकों ने मुझसे संपर्क किया है। ओवैसी के अनुसार, ईरान के शाहिद बेहेश्टी विश्वविद्यालय में करीब 70 से 80 भारतीय छात्र पढ़ते हैं, जिसमें हैदराबाद के पांच से आठ छात्र शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि समस्या यह है कि ईरान में इंटरनेट ठप है। दूसरी बात, अभिभावक टिकट खरीदकर अपने बच्चों को भेज भी नहीं सकते। तीसरी बात, कई छात्र गरीब परिवारों से हैं और उनके पास टिकट खरीदने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि विश्वविद्यालय छात्रों के पासपोर्ट वापस नहीं कर रहा है, जिसके कारण वे ईरान छोड़कर भारत वापस नहीं आ पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे स्थिति और भी तनावपूर्ण हो गई है।

वहीं जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उन्होंने विदेश मंत्री डॉ.जयशंकर से ईरान में तेजी से बदलती स्थिति के बारे में बात की है, जहां भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं हैं। अब्दुल्ला ने बताया कि मंत्री ने उन्हें मौजूदा स्थिति से अवगत कराया और मंत्रालय द्वारा घटनाक्रम से निपटने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में जानकारी दी।

मकर संक्रांति स्नान-एक करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई

प्रयागराज (एजेंसी)। संगम नगरी प्रयागराज में चल रहे माघ मेले में बृहस्पतिवार को मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर पतित पावनी मां गंगा और त्रिवेणी के संगम स्थल पर एक करोड़ श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगायी। देर शाम तक स्नान करने वालों का तांता लगा रहा है। दोपहर दो बजे तक ही 72 लाख लोगों ने गंगा और संगम में डुबकी लगा चुके थे। हालांकि बीती रात 12 बजे से ही स्नान प्रारंभ हो गया था।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक आस्था और जगत पिता भगवान सूर्य की उपासना के पावन पर्व मकर संक्रांति के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पवित्र संगम में स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित करने वाले सभी श्रद्धालु भगवान भास्कर की कृपा से अभिभूत हों और माँ गंगा, यमुना व सरस्वती का आशीर्वाद सभी पर सदैव बना रहे। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि मकर संक्रांति लोक आस्था, आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक परंपराओं का महापर्व है, जो सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक उन्नयन का संदेश देता है।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कृषि-संस्कृति, प्रकृति संरक्षण और अन्नदाता किसानों के पुरुषार्थ को समर्पित पावन पोंगल पर्व की भी सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि समृद्धि और सद्भाव का संदेश देने वाला यह

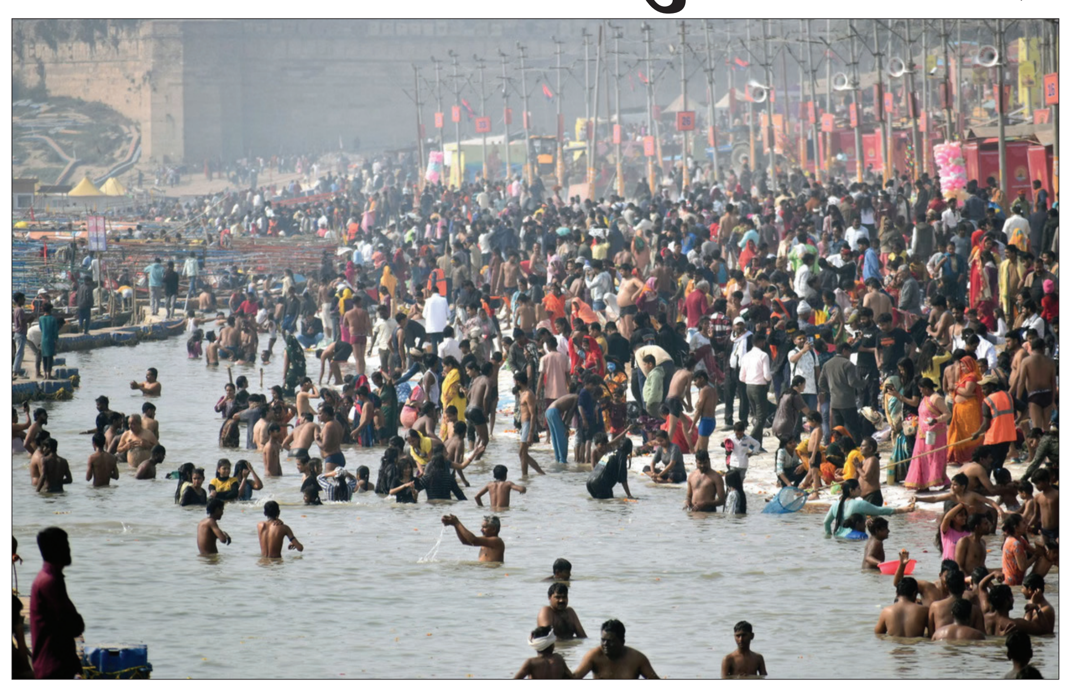

पर्व सभी के जीवन को सुख, शांति, आनंद और आरोग्यता से परिपूर्ण करे, यही उनकी प्रार्थना है। मुख्यमंत्री ने कामना की कि ये पर्व प्रदेश और देश में खुशहाली, समृद्धि और सामाजिक सौहार्द को और सुदृढ़ करें।

मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने बताया कि माघ मेला 800 हेक्टेयर क्षेत्र में सात सेक्टरों में बसाया गया है। मेला क्षेत्र में 25,000 से अधिक शौचालय स्थापित किए गए हैं और 3500 से अधिक सफाईकर्मी तैनात हैं। अग्रवाल ने बताया कि छोटी अवधि का कल्पवास करने के इच्छुक पर्यटकों के लिए माघ मेला में टेंट सिटी बसाई गई है जहां ध्यान और योग आदि की सुविधाएं मौजूद हैं। श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए बाइक टैक्सी और गोल्फ कार्ट की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। पुलिस अधीक्षक (माघ मेला) नीरज पांडेय ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम आवागमन के लिए पूरे मेला क्षेत्र में 10,000 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात हैं। भीड़ प्रबंधन एवं सुगम यातायात के दृष्टिगत इस बार 42 अस्थायी पार्किंग हैं जिनमें लगभग एक लाख से अधिक वाहन पार्क हो सकेंगे। उन्होंने बताया कि माघ मेला 2025-26 में कुल 12,100 फुट लंबे घाटों का निर्माण किया गया है जिनमें सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं।

एयर इंडिया और इंडिगो ने जारी की एडवाइजरी, ईरान का हवाई क्षेत्र बंद, रद्द हो सकती हैं उड़ानें

नई दिल्ली(एजेंसी)। ईरान के हवाई क्षेत्र के अचानक बंद होने से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर असर पड़ रहा है। एयर इंडिया और इंडिगो सहित कई भारतीय एयरलाइंस ने यात्रियों को ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है, जिसमें संभावित देरी, रूट परिवर्तन और कुछ उड़ानों के रद्द होने की चेतावनी दी गई है। यह स्थिति पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और ईरान में जारी सरकार-विरोधी प्रदर्शनों के बीच सामने आई है।

एयर इंडिया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में बताया कि ईरान में उभरती स्थिति और उसके हवाई क्षेत्र के बंद होने के कारण यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र से गुजरने वाली उड़ानों को वैकल्पिक मार्गों से संचालित किया जा रहा है। इससे उड़ानों में देरी हो सकती है। एयरलाइन ने स्पष्ट किया कि जहां रूट परिवर्तन संभव नहीं है, वहां उड़ानें रद्द की जा रही हैं। यात्रियों से अपील की गई है कि वे एयरपोर्ट जाने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति जरूर जांच लें। एयर इंडिया ने कहा, इस अप्रत्याशित व्यवधान से हुई असुविधा के लिए हमें खेद है। यात्रियों और क्रू की सुरक्षा हमारी

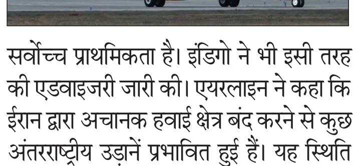

सर्वोच्च प्राथमिकता है। इंडिगो ने भी इसी तरह की एडवाइजरी जारी की। एयरलाइन ने कहा कि ईरान द्वारा अचानक हवाई क्षेत्र बंद करने से कुछ अंतरराष्ट्रीय उड़ानें प्रभावित हुई हैं। यह स्थिति उसके नियंत्रण से बाहर है और यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया गया है। प्रभावित यात्रियों को इंडिगो की वेबसाइट पर जाकर फ्लेक्सिबल रीबुकिंग या रिफंड के विकल्पों की जानकारी लेने की सलाह दी गई है। एयरलाइन ने कहा कि टीम स्थिति का आकलन कर रही है और प्रभावित यात्रियों को बेहतर विकल्प उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही है। ईरान ने अपने हवाई क्षेत्र को अधिकांश उड़ानों के लिए अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। यह बंदिश शाम को शुरू हुई और कुछ घंटों तक चली, हालांकि इसे आगे बढ़ाया जा सकता है। केवल आधिकारिक अनुमति वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को छूट दी गई है। यह कदम ईरान में जारी व्यापक विरोध प्रदर्शनों, इंटरनेट ब्लैकआउट और अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के बीच उठाया गया है। क्षेत्रीय सुरक्षा जोखिमों के कारण कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस ईरानी हवाई क्षेत्र से बच रही हैं।

अमेरिका ने भी मध्य पूर्व में अपने कुछ सैन्य अड्डों से कर्मियों को हटाने की प्रक्रिया शुरू की है। कतर के अल उदैद एयर बेस से कुछ कर्मियों को वापस बुलाया जा रहा है। ईरानी अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि अमेरिका हमला करता है तो पड़ोसी देशों में अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया जा सकता है। दोनों एयरलाइंस ने यात्रियों से सलाह दी है कि वे यात्रा से पहले उड़ान की ताजा जानकारी जांचें और एयरलाइन की आधिकारिक वेबसाइट या सोशल मीडिया पर अपडेट देखते रहें। मौजूदा हालात को देखते हुए आने वाले दिनों में भी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर असर जारी रह सकता है। यात्रियों को सतर्क रहने और वैकल्पिक योजनाएं बनाने की सलाह दी जा रही है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर शिकंजा, दिल्ली और पंजाब में मुठभेड़ों के बाद कई शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए दिल्ली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पश्चिमी दिल्ली में हुई मुठभेड़ के बाद पुलिस ने गिरोह से जुड़े दो शार्पशूटरों को गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक आरोपी के पैर में गोली लगी, जबकि दूसरा आरोपी नाबालिग बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए दोनों शूटर हाल ही में पश्चिम विहार और विनोद नगर इलाकों में हुई फायरिंग की घटनाओं में शामिल थे। दोनों से पूछताछ के बाद गैंग की गतिविधियों और स्थानीय नेटवर्क को लेकर अहम सुराग मिलने की उम्मीद है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर इलाके में घेराबंदी की गई थी। खुद को घिरता देख आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। घायल आरोपी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया

गया है, जबकि नाबालिग आरोपी को किशोर न्याय प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई के लिए भेजा गया है। इसी क्रम में पंजाब में भी लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। संयुक्त अभियान के दौरान गिरोह के चार गुर्गों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया। ये आरोपी विदेश में बैठे गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों के निर्देश पर चंडीगढ़ ट्राइसिटी और पटियाला क्षेत्र में टारगेट किलिंग की साजिश रच रहे थे। पुलिस का कहना है कि इनका मकसद इलाके में दहशत फैलाना और संगठित अपराध को बढ़ावा देना था।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। इनमें सात .32 बोर की पिस्तौल और 70 जिंदा कारतूस शामिल हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हरविंदर सिंह उर्फ भोला, लखविंदर सिंह, मोहम्मद समीर और रोहित शर्मा के रूप में हुई है, जो सभी अलग-अलग आपराधिक मामलों में पहले से वांछित बताए जा रहे हैं। छापेमारी के दौरान अपराधियों ने पुलिस टीम पर गोलीबारी की, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट की वजह से दो पुलिसकर्मियों की जान बच गई। जवाबी फायरिंग में दो आरोपी घायल हो गए, जिसके बाद चारों को काबू कर लिया गया। पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और पूछताछ जारी है। अधिकारियों का कहना है कि इन गिरफ्तारियों से बिश्नोई गैंग के नेटवर्क और आने वाली आपराधिक साजिशों पर बड़ा असर पड़ेगा।

कई राज्यों में रेत माफिया का दबदबा, पुलिस-वन विभाग अवैध खनन रोकने में नाकाम

-एक सप्ताह में दो लोगों की जा चुकी है जान, जिनमें एक वनकर्मी भी शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में अवैध रेत का खनन विकराल रूप ले चुका है। राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में रेत माफिया का दबदबा इतना है कि वहां के आम नागरिक ही नहीं, बल्कि पुलिस और वन विभाग के अफसर भी खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। जांच में सामने आया है कि दोनों राज्यों में अवैध खनन और परिवहन खुलेआम और बेखौफ तरीके से किया जा रहा है। हालात इतने गंभीर हैं कि बीते एक सप्ताह में दो लोगों की जान जा चुकी है, जिनमें एक वनकर्मी भी ड्यूटी के दौरान मारा गया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राजस्थान के धौलपुर जिले में चंबल नदी क्षेत्र से सामने आई घटना ने पूरे सिस्टम पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अवैध रेत खनन रोकने गई वन विभाग की टीम पर माफिया ने जानलेवा हमला कर दिया। वन रक्षक जितेंद्र सिंह शेखावत को रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल जितेंद्र को जयपुर रेफर किया, जहां इलाज के दौरान उनका पैर काटना पड़ा, लेकिन अंततः उन्होंने दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद प्रशासन ने कुछ अवैध रास्ते बंद किए और एक आरोपी की गिरफ्तारी की, लेकिन स्थानीय लोगों का मानना है कि यह कार्रवाई सिर्फ दिखावटी है और माफिया का नेटवर्क जस का तस है।

धौलपुर की घटना के बाद अजमेर प्रशासन अलर्ट मोड में दिखा। अवैध खनन के खिलाफ विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए और संयुक्त टीमें गठित की गई हैं। कई इलाकों में नाकेबंदी कर ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त की गईं और जुर्माना भी लगाया गया है। हालांकि, जमीनी हकीकत यह है कि थोड़े समय की सख्ती के बाद हालात फिर पहले जैसे हो जाते हैं और माफिया सक्रिय हो जाता है।

अलवर जिले में अरावली की पहाड़ियां अवैध खनन की भेंट चढ़ रही हैं। राजगढ़ क्षेत्र के मूनपुर गांव में मंदिर के पास खुलेआम पत्थर खनन किया जा रहा है। भारी वाहन सड़कों से गुजरते हैं, लेकिन न पुलिस रोकती है और न ही वन विभाग। एक मामले में माफिया के वाहनों ने एक घर की नींव तक तोड़ दी, जिससे पशुओं की मौत हो गई। लोगों का कहना है कि शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं होती और पर्यावरण को अपूरणीय नुकसान पहुंच रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि खनन बस्तियों के बेहद पास हो रहा है, ब्लास्टिंग से घरों में दरारें आ गई हैं और प्रशासन आंख मूंद कर बैठा है।

मध्य प्रदेश में भी हालात अलग नहीं हैं। श्योपुर जिले में अवैध रेत से भरे डंपर को जब्त करने गई वन विभाग की टीम पर

पथराव किया गया। तेज रफ्तार ट्रैक्टर से कुचलकर एक युवक की मौत हो गई और उसकी मां गंभीर रूप से घायल हो गई। आरोपी अब भी फरार है। इन घटनाओं ने साफ कर दिया है कि अवैध रेत खनन सिर्फ पर्यावरण का संकट नहीं, बल्कि कानून व्यवस्था और मानव जीवन के लिए भी खतरा बन चुका है। सवाल यह है कि क्या प्रशासन की कार्रवाई वास्तव में माफिया पर नकेल कसेगी या यह माफिया यूं ही बेलगाम घूमते रहेंगे।

स्कॉर्पियो कार डिवाइडर से टकरा कर तीन बार पलटी, एक की मौत; तीन की हालत गंभीर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार व सोमवार की रात दर्दनाक सड़क दुर्घटना सामने आई है। बारापूला फ्लाईओवर से सराय कालेखां की तरफ उतरते हुए तेज रफ्तार स्कॉर्पियो डिवाइडर से टकरा कर पलटी गई। कार सड़क पर तीन बार पलटी थी। पलटने के साथ कार काफी दूर तक घिसटती हुई चली गई। एक सड़क दुर्घटना में कार चला रहे युवक हर्ष की मौत हो गई, जबकि कार में बैठे छह युवक घायल हो गए। सभी को एम्स के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। इनमें से तीन मान मालिक, निखिल औरी गगन की हालत गंभीर बताई जा रही है। सनलाइट कॉलोनी थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार रात करीब 2:30 बजे पुलिस को पीसीआर कॉल मिली थी कि बारापूला से सराय कालेखां की तरफ रिंग रोड पर उतरते हुए डिवाइडर से टकराकर पलट गई है। कार तीन बार पलटी है। उससें सवारियां हैं, जो घायल हो गई है। सूचना के बाद सनलाइट कॉलोनी थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायल को एम्स के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। यहां पर डाक्टरों ने गांव उपेड़ा, बाबूगढ़ छावनी, हापुड़ यूपी निवासी हर्ष (26) को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल में भर्ती मान मलिक, गगन और निखिल की हालत गंभीर बनी हुई है। कार में बैठे युवराज, भीष्म और ललित को भी चोटें आई हैं। घायल युवराज गाजियाबाद के सुंदरदीप से बीबीए कर रहा है। हर्ष प्राइवेट नौकरी करता था। सभी युवक आपस में रिश्तेदार है। ये भीष्म के दोस्त कार्तिक की सगाई में शामिल होने से लक्ष्मी नगर, सरोजनी नगर स्थिति उल्हास भवन आए थे। रात को ये वापस लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि समारोह में शराब को सेवन किया गया था। घायल युवराज ने अमर उजाला को बताया कि कार को हर्ष चला रहा था। गगन उसकी बगल वाली सीट पर बैठा था। बारापूला फ्लाईओवर से सरायकालेखां की तरफ रिंग रोड़ पर उतरते हुए टर्न लेते समय हर्ष कार पर नियंत्रण नहीं रख पाया। कार की रफ्तार काफी ज्यादा थी। स्कोर्पियो कार डिवाइडर से टकरा कर पलट गई। कार सड़क पर तीन बार पलटी।

ठंड की मार के बीच प्रदूषण का वार, फिर से बेहद खराब श्रेणी में पहुंची फिजा

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में इन दिनों कड़ाके की ठंड के साथ ही प्रदूषण का डबल अटैक जारी है। आज दिल्ली की हवा फिर से बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गई है। एयर क्वालिटी अर्ली वार्निंग सिस्टम फॉर दिल्ली द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, मंगलवार सुबह दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 328 दर्ज किया गया है, जो %बेहद खराब% श्रेणी में आता है। वहीं, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों से पता चलता है कि दिल्ली के विभिन्न इलाकों में एक्यूआई का स्तर काफी अधिक है। सीपीसीबी के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली के अलीपुर में 322, आनंद विहार में 411, अशोक विहार में 366, आया नगर में 293, बवाना में 378, बुराड़ी में 310, और चांदनी चौक इलाके में 380 एक्यूआई दर्ज किया गया है। वहीं, डीटीयू इलाके में 341, द्वारका सेक्टर-8 में 384, आईजीआई एयरपोर्ट टी3 में 303, आईटीओ में 340, जहांगीरपुरी में 375, लोधी रोड में 269, मुंडका में 370, नजफगढ़ में 295, नरेला में 367, पंजाबी बाग में 360, आरकेपुरम में 365, रोहिणी में 397, सोनिया विहार में 334, विवेक विहार में 366, और वजीरपुर में 375 एक्यूआई दर्ज किया गया है। प्रदूषण के इस बढ़ते स्तर का सीधा असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है, खासकर बुजुर्गों और बच्चों के लिए यह स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। सांस संबंधी बीमारियों में वृद्धि और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। पहाड़ों से आ रही बर्फीली हवाओं के बीच गिरते पारे ने कमरे के भीतर बैठे लोगों के शरीर में सिहरन दौड़ा दी है। सोमवार को बीते दो साल का सर्दी का रिकॉर्ड टूट गया। इस दौरान न्यूनतम पारा 3.2 डिग्री रहा। सीजन की आधिकारिक तौर पर पहली शीतलहर भी दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, जहां साल 2024 में 15 जनवरी को 3.3 न्यूनतम तापमान और साल 2025 में 9 जनवरी को 4.8 डिग्री पारा दर्ज किया गया था। सोमवार सुबह 3 डिग्री सेल्सियस से भी नीचे लुढ़के पारे ने लोगों की कंपकंपी छुड़ा दी। हालांकि, दोपहर आते-आते सूर्यदेव ने दर्शन दिए, इससे लोगों को कुछ राहत मिली। लेकिन, शाम को फिर तेज ठंडी हवाओं ने गलन बढ़ा दी। मौसम विभाग के अनुसार, रिज में 4.2 और आया नगर में 3.2, लोधी रोड में 3 व पालम में 3.3 न्यूनतम पारा दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार को दिल्ली के विभिन्न इलाकों में शीतलहर और कोहरे की स्थिति महसूस की गई। इसमें सफदरजंग, पालम, लोधी रोड सीएचओ और आयानगर में ठंडक बढ़ी हुई रही। पालम में सुबह 8:30 बजे हल्के कोहरे के कारण दृष्टि क्षमता केवल 200 मीटर रही। मौसम विभाग ने लोगों को सुबह-सुबह और देर रात के समय ठंड और कोहरे के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी है। वाहन चालकों को भी कोहरे के कारण सड़क पर सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं। मौसम विभाग के अनुसार, 13 जनवरी को दिन का तापमान 19 से 21 डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान तीन से पांच डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। मंगलवार के लिए शीतलहर का ऑरेंज अलर्ट जबकि बुधवार के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने बताया कि 18 जनवरी तक ठंड सताएगी। सीजन का दूसरा कोल्ड डे नए साल से ठीक पहले यानी 31 दिसंबर 2025 को रिकॉर्ड किया गया था। उस दिन दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में अधिकतम तापमान 6.2 डिग्री गिरकर 14.2 डिग्री रिकार्ड किया गया था। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, मैदानी इलाकों में जब न्यूनतम तापमान दस डिग्री से कम रहे और अधिकतम तापमान में भी सामान्य से 4.5 से 6.5 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आ जाए तो उस दिन को कोल्ड डे यानी शीत दिवस के रूप में दर्ज किया जाता है। कड़ाके की ठंड के पिछले आंकड़ों पर गौर करें तो दिसंबर 2014 में अधिकतम तापमान 14.0 डिग्री सेल्सियस का रिकॉर्ड दर्ज किया गया था। इसके बाद साल 2019 में 29 दिसंबर को अधिकतम तापमान 13.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया था।

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that my client namely PARVATI W/O NAGENDER RAI R/O E-125, RESETTLEMENT COLONY, VIKASH NAGAR, UTTAM NAGAR, P.O. D.K. MOHAN GARDEN, WEST DELHI, DELHI-110059, has disowned, debarred her sons namely (1) KARAN S/O SH. NAGENDER RAI and (2) ARJUN GUPTA S/O SH. NAGENDER RAI both resident of E-125, RESETTLEMENT COLONY, VIKASH NAGAR, UTTAM NAGAR, P.O. D.K. MOHAN GARDEN, WEST DELHI, DELHI-110059 from all her moveable and immoveable properties because both above named sons are out of control of my client. My client has severed all relations with them. Henceforth, my client shall not be responsible for any acts, deeds and things of her above named sons and anybody dealing with them in any manner shall be doing so at his/her own risk and responsibility.

D. K. PANDEY, Advocate
Chamber No.408A, Dwarka Courts Complex, Sector 10, Dwarka, New Delhi 110075

सिविल डिफेंस वार्डन्स के लिए विशेष आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण, एनडीआरएफ और डीडीएमए की संयुक्त पहल

नई दिल्ली। दिल्ली के उत्तर पूर्वी जिले में आपदाओं से निपटने की तैयारियों को और मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए, उत्तर पूर्व) ने राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के सहयोग से सिविल डिफेंस वार्डन्स के लिए एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया है। यह कार्यक्रम जमीनी स्तर पर आपदा प्रतिक्रिया क्षमता बढ़ाने और लोगों को सुरक्षित बनाने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है। डीडीएमए के जिला परियोजना अधिकारी (डीपीओ) मनजय कुमार ने बताया कि वार्डनो का प्रशिक्षण 14 जनवरी 2026 को सुबह 11 बजे शुरू होगा। प्रतिभागियों को जे-ब्लॉक, डीसी ऑफिस कॉम्प्लेक्स, नंद नगरी में 10:30 बजे तक उपस्थित होना होगा। इस एक दिवसीय कार्यक्रम

में उत्तर पूर्वी जिले के कुल 100 सिविल डिफेंस वार्डन्स हिस्सा लेंगे। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य आपदा प्रतिक्रिया तंत्र, खोज एवं बचाव (सर्च एंड रेस्क्यू) तकनीकों, प्राथमिक चिकित्सा, इंसिडेंट रिस्पांस सिस्टम (आईआरएस), आपातकालीन स्थिति में समन्वय तथा आपदा प्रबंधन के अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं पर जोर देना है। एनडीआरएफ के प्रशिक्षक व्यावहारिक और सैद्धांतिक दोनों तरह से प्रशिक्षण देंगे, ताकि वार्डन्स आपदा के समय तुरंत प्रभावी भूमिका निभा सकें। मनजय ने बताया कि उत्तर पूर्वी दिल्ली यमुना नदी के किनारे बसा हुआ क्षेत्र है, जहां आगजनी, बाढ़, भूकंप जैसी आपदाओं का खतरा बना रहता है। घनी आबादी इलाकों में आपदा के दौरान जमीनी स्तर पर सक्रिय वार्डनों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होती है। डीडीएमए का मानना है कि यह प्रशिक्षण वार्डन्स की क्षमता, कौशल और संचालन तैयारियों को बढ़ाएगा, जिससे जिले की समग्र आपदा प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी। यह कार्यक्रम जिला और उप-मंडल स्तर पर आपदा प्रबंधन योजनाओं के बेहतर कार्यान्वयन में भी सहायक साबित होगा। डीपीओ ने यह भी बताया कि यह पहल दिल्ली सरकार की आपदा प्रबंधन नीति के अनुरूप है, जो नागरिक भागीदारी और जमीनी स्तर की तैयारियों पर जोर देती है। एनडीआरएफ और डीडीएमए की ऐसी साझेदारी से आम लोगों में आपदा जागरूकता बढ़ेगी और जान-माल की रक्षा करना आसान हो जाएगा।

जिम के बाहर बदमाशों ने की गोलीबारी

नई दिल्ली। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने घटना की पुष्टि की है। सोमवार रात पुलिस को करीब 11 बजे एक जिम में फायरिंग की सूचना मिली। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि पश्चिम विहार में आउटर रिंग रोड पर आरके फिटनेस में 2 बाइक सवार बदमाशों ने गोलीबारी की है। मौके से पुलिस को खोखा मिला है। पुलिस जिम मालिक से पूछताछ कर जांच में जुटी है।

आज के एनसीसी कैडेट्स ही कल के राष्ट्रनायक हैं: मुख्यमंत्री रेखा

प्रथम पृष्ठ का शेष

उन्होंने कहा कि आज के एनसीसी कैडेट्स ही कल के राष्ट्रनायक हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों में देश का नेतृत्व करेंगे और हमेशा मातृभूमि की सेवा में समर्पित रहेंगे। मुख्यमंत्री ने दिल्ली सरकार द्वारा एनसीसी कैडेट्स को बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं, इन्फ्रास्ट्रक्चर और केंद्रों के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने आश्वासन दिया कि दिल्ली में एनसीसी से जुड़ी प्रशिक्षण और भूमि से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए सरकार आवश्यक कदम उठाएगी। उन्होंने कहा कि मजबूत कंधे, अनुशासित मन और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण ही विकसित भारत की नींव है। उन्होंने गणतंत्र दिवस पर कैडेट्स को कर्तव्य पथ पर गर्व, अनुशासन और समर्पण के साथ कदमताल करने की अपील भी की।

अंडे की सब्जी बनाने को लेकर पत्नी से हुआ विवाद, युवक ने फंदा लगाकर दी जान

बांदा। घर में अंडे की सब्जी बनाने को लेकर पति-पत्नी में आपस में कहासुनी हो गई। इससे क्षुब्ध होकर युवक ने फंदा लगाकर जान दे दी। मां ने देखा तो परिजनों ने उसे फंदे से उतारकर जिला अस्पताल पहुंचाया। यहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। शहर कोतवाली क्षेत्र के शांतिनगर निवासी सुनीता सोनी ने बताया कि उसके देवर शुभम सोनी (28) ने शुक्रवार की रात घर के कमरे में बने रोशन दान से दुपट्टे से फंदा लगा लिया। घटना के समय उसकी मां मुन्नीदेवी सोनी ने देखा तो परिजनों ने फंदे से उतारकर उसे जिला अस्पताल ले गए। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। भाभी सुनीता के मुताबिक, शुभम रात में अंडे लाया था। उसने अपनी पत्नी आरती सोनी से अंडे की सब्जी बनाने के लिए कहा, इस पर पत्नी आरती ने मना कर दिया। इस पर शुभम खुद घर में अंडे की सब्जी बनाने लगा। इस पर उसकी पत्नी से कहासुनी हो गई। इसी के चलते उसने आत्मघाती कदम उठा लिया। बताया कि शुभम की शादी 18 अप्रैल 2025 में हुई थी। उसके बच्चे नहीं हैं। वह पेटिंग का ठेका लेता था। पिता छोटेलाल सोनी की आठ साल पहले मौत हो चुकी है। चार भाइयों में सबसे छोटा था। शहर कोतवाल बलराम सिंह ने बताया कि पति-पत्नी के आपसी विवाद के चलते खुदकुशी की है। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

आग सेंकने के दौरान बातों-बातों में निकली गाली, कबाड़ बीनने वाले को तड़के चाकू से गोदा

नई दिल्ली। जहांगीरपुरी इलाके में आग सेंकने के दौरान किसी बात पर विवाद होने पर पड़ोसी ने एक युवक को चाकू गोद दिया। पीड़ित की पहचान समीर के रूप में हुई है। समीर ने किसी तरह से मौके से भागकर अपनी जान बचाई। पुलिस ने घायल युवक का इलाज करवाने के बाद उसके बयान पर मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। जानकारी के मुताबिक 22 साल का समीर सपरिवार सीडी पार्क जहांगीरपुरी में रहता है। वह कबाड़ बीनने का काम करता है। जहांगीरपुरी थाने में दर्ज प्राथमिकी में समीर ने बताया कि 6 जनवरी तड़के चार बजे वह कूड़ा बीनने के लिए झुग्गी से निकला। करीब दो घंटे कूड़ा बीनने के बाद वह सब्जी मंडी रोड स्थित मजार के पास पहुंचा। वहां पर उसके दो जानकार सलमान और उसके जीजा करीमुल्लाह आग जलाकर बैठे हुए थे। समीर भी वहां बैठकर आग सेंकने लगा। आपस में तीनों बातचीत करने लगे। बातों बातों में उनके बीच बहस होने लगी। दोनों आरोपी समीर के साथ गाली गलौज करने लगे। जिसका विरोध करने पर दोनों उसके साथ हाथापाई करने लगे। पीड़ित वहां से भागने की कोशिश की, लेकिन दोनों आरोपियों ने पीछा कर उसे गली में पकड़ लिया और उसपर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। किसी तरह से जान बचाकर पीड़ित अपनी झुग्गी के पास पहुंचा। लहूलुहान हालत में देखकर उसकी मां उसे बाबू जगजीवन राम अस्पताल लेकर गई। जहां से घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस अस्पताल पहुंची। दर्द की वजह से समीर उस समय बयान देने की हालत में नहीं था। बाद में पुलिस ने समीर के बयान पर मामला दर्ज कर लिया। पुलिस घटना के बाद से भागे हुए बदमाशों की तलाश कर रही है।

NAME CHANGE

I, ASIFA KHAN W/o MOHAMMAD RAFI KHAN, R/o B-24 / C-2, Shalimar Garden Extn-2, Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201005, have changed the name of my minor daughter AFSHEEN KHAN aged 08 years and she shall hereafter be known as FAIZA, for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, Mujassam Khan S/o Noor Alam Khan R/o House No-415, Pocket-8, Sector-A5, Narela, North West Delhi, Delhi-110040 declare that name of mine, my father and my mother has been wrongly written as Mujjasam, Noor Aalam and Jasimun Khatoon in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of mine, my father and my mother are Mujassam Khan, Noor Alam Khan and Jasimun Khatun.

सार्वजनिक सूचना

मैं, विनय बेसोया, पिता गिरी चंद, निवासी 25A, शेरा मोहल्ला गढ़ी, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली, यह घोषणा करता हूँ कि मेरे पासपोर्ट संख्या श्र763202 में मेरा नाम और मेरी माँ का नाम गलती से क्रमशः विनय बसोया और चेतो देवी लिखा गया है। मेरा सही विवरण इस प्रकार है:
नामः विनय बेसोया
पिता का नामः गिरी चंद
माँ का नामः तेजो
पताः 25, शेरा मोहल्ला गढ़ी, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली अब से, मुझे विनय बेसोया, पिता गिरी चंद, निवासी 25A, शेरा मोहल्ला गढ़ी, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली और मेरी माँ का नाम तेजो है और मुझे भविष्य में भी इसी नाम से जाना और पहचाना जाएगा। मुझसे संबंधित किसी भी व्यक्ति, अधिकारी या संगठन से अनुरोध है कि वे इस सुधार पर ध्यान दें।

विनय बेसोया

NAME CHANGE

I hitherto known as Shabbo S/O Idrish R/o- A-222 Gali No-3 Shri Ram Colony Rajeev Nagar Karawal Nagar North East Delhi-110094, have changed my name and shall hereafter be known as IMARAN.

NAME CHANGE

I hitherto known as Banti Rani D/O Paras Ram W/O Parkash Singh, present address HNo- B-207, Ramprastha, Colony Ghaziabad, Uttar Pradesh- 201011, Permanent Address-Ward no 1, near kali Mata Mandir rehan, Basohli, DIST: Kathua, Jammu and Kashmir - 184201, have change my name and shall hereafter be known as BANDANA RANI.

Public Notice

It is for general information that I Jeetendra Saharan S/O Devkaran R/O Plot No 57A-58A, KH. No 33 KILLA NO 15, H-BLOCK DHARAMPURA, Najafgarh, PO: Najafgarh, DIST: South West Delhi, Delhi-110043, declare that name of my father and my Mother have been wrongly written as Deva Karan Saharan and Bimala Devi in my 10th Class educational documents .The actual name of my father and my Mother are Devkaran and Bimla, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Sonal Jain D/O. Ravi Jain R/O. RZ-G1/15, Flat No-301, Mahavir Enclave, Palam Village Delhi-110045 have changed my name to Sonal Aggarwal for all future purposes.

NAME CHANGE

I, hitherto known as RAM KUMARI D/O MADAN LAL R/O House No-12, Near Allahabad Bank, Rajokari Village, A F Rajokari, South West Delhi, Delhi-110038 have changed my name and shall hereafter be known as KOMAL.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Kundan Kumar** is purchasing the Property No. RZ-B-128 (Old No 128), in Block-B, having land area of village 40 sq. yds., pertaining to the Khasra No. 358, situated in the colony known as Vishwas Park, Uttam Nagar, in the revenue estate of village Bindapur, Delhi from Mr. Abhinay Kumar Tripathi, Mr. Kishan Gaba, Mr. Rajiv Verma & Dheeraj Satija who are the owners of the abovementioned property from GPA, Agreement to Sale & WILL dated 07.09.2025 and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Ltd.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot no. 100, First Floor
Okhla Phase III,
Okhla Industrial Estate,
New Delhi – 110 020
Contact #011-49774545

NAME CHANGE

I, No-16012980F Rank-HAV Name-ROHTAS Presently residing at VILL-BHAINSI MAJRA, TEH-PEHOWNA, DIST-KURUKSHETRA, HARYANA-136128, have changed my mother's name from DHARMO DEVI to DHRMO DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 15/01/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, PARVESH KUMAR S/o HARPAL SINGH, R/o HOUSE NO-R-13, 3RD FLOOR, NAVEEN SHAHDARA, DELHI-110032 have changed my name to PRAVESH KUMAR RATHI for all future purposes.

NAME CHANGE

I BHAGIRATH S/O BHOLA NATH HALDAR R/O H NO-138 POCKET-5, SEC-A-6, PUNRVAS COLONY, NARELA, DELHI-110040. have changed my name to BHAGIRATH HALDAR for all future purpose.

NAME CHANGE

I,AKRITI MADAAN D/O SANJEEV MADAAN R/O H.NO-2627,SEC-16 KHERI KALAN FARIDABAD HARYANA-121002,HAVE CHANGED MY NAME TO AKRITI MADAN

Name Correction

I NAFIS AHMED S/O Shri JAFFER HUSAIN Resident of House No B-14/78 A GALI NO 13 SUBHASH VILLAGE NORTH GHONDA Delhi 110053 do hereby solemnly affirm and declare as under.That my Passport No F 8374907 under mention my incorrect name is NAFEES AHMAD My Correct name NAFIS AHMED.

NAME CHANGE

I Hitherto Known as Farid Ahmed S/O Mohd Sahid R/ O,H.no-1002, Street- 17,E-2, Block Nehru Vihar ,Mustafa Bad, North East, Delhi, -110094, have changed my name and shall hereafter be known as Amir Ahmed.

NAME CHANGE

I,JAHNAVI JHA D/O AJAY KUMAR JHA R/O 61, F/F JAGRITI ENCLAVE PHASE-3, ANAND VIHAR, DELHI - 110092 , have changed my name to ADITI JHA Permanently for all future purposes.

NAME CHANGE

I hitherto known as RAM BABU MAURYA S/o RAKSHA RAM MAURYA, R/o H. No. 74-B, Bharat Nagar, New Friends Colony, South Delhi-110025 , have changed my name and shall hereafter be known as RAM MAURYA.

NAME CHANGE

I hitherto known as Shubhangi Gaikwad alias Shubhangi Maruti Gaikwad D/O Lakshman Patil, W/O: Shyam Kumar, R/O 2/51, GEETA COLONY, PO: Gandhi Nagar,Gandhi Nagar,East Delhi, Delhi, 110031,have change my name and shall hereafter be known as SHUBHANGI GAIKWAD.

NAME CHANGE

I hitherto known as Shubhangi Gaikwad alias Shubhangi Maruti Gaikwad D/O Lakshman Patil, W/O: Shyam Kumar, R/O 2/51, GEETA COLONY, PO: Gandhi Nagar,Gandhi Nagar,East Delhi, Delhi, 110031,have change my name and shall hereafter be known as SHUBHANGI GAIKWAD.

NAME CHANGE

I, Shilpi Devi W/O Sunil Kumar Tiwari R/O L-2/110 Block L-2, Geeta Mandir, Mohan Garden, Uttam Nagar, West Delhi, Delhi -110059, have changed my name and shall hereafter be known as Shilpi Kumari

NAME CHANGE

I, MD SHAMIM ANSARI S/o Mohammad Hashim Ansari R/o Peer waish lane, Near Urdu Middle School, Narkat Ghat, Aalamganj, Gulzarbagh, Patna, Bihar-800007 have changed my name to MOHAMMAD SHAMIM ANSARI permanently.

NAME CHANGE

I, SHAHNAZ W/o MOHAMMAD SHAMIM ANSARI R/o H.No. 36, , Alamganj,Peerwise lane, Near Razia Public School, , Alamganj, Sampatchak, Patna, Bihar-800007 have changed my name to SHAHNAJ BANO permanently

NAME CHANGE

I, VIPAN KUMAR S/o Uttam Chand R/o H.NO.203, 3rd Floor, R- Block, Vani Vihar, Near Shreya Nursing Home, Binda Pur, Mohan Garden, Delhi-110059, have changed my name to VIPAN KUMAR SHARMA permanently.

NAME CHANGE

I, ZAHIDA W/o MOHD SHAHJAD R/o T-570, Gali No.16, Gautam Puri, Shastri Park, Seelampur, Delhi-110053, have changed my name to ZAHIDA BEGUM permanently.

NAME CHANGE

I, SHEHZAD S/o Mohd Saddeek R/o T-570, Gali No.16, Gautam Puri, Shastri Park, Seelampur, Delhi-110053, have changed my name to MOHD SHAHJAD permanently

NAME CHANGE

I Sanjeev Tyagi S/0 Satyprkash Tyagi Add.1449/108 st.No 4 Durgapuri Shahdra Delhi 110093 Changed my name to Sanjeev Kumar

NAME CHANGE

I Suraj Prakash S/0 Narayan Das Arora Add.11/163 Geeta Colony Delhi 110031 Changed my name to Suraj Prakash Arora

NAME CHANGE

I, MAYANK SARWARA S/o Rajender Kumar, R/o RZ-1119B, Gali No-14/6, Sadh Nagar, Palam Colony, New Delhi-110045 declare as My father's correct name is Rajender Kumar which is there in my Aadhar/Pan & all educational certificates but in my father's class 10th certificate it is wrongly written as Rajinder Kumar. Rajender Kumar and Rajinder Kumar is the name of same & one person

NAME CHANGE

I, praveen Kumar S/O: Shivcharan, R/O MANPUR, Manipur, Aligarh, Gidauli, Uttar Pradesh, 202124, have changed the name of my minor daughter Lavniya aged 8 years and she shall hereafter be known as Lavi Sharma.

NAME CHANGE

I, RAMESH S/O Charan Singh R/O House No. C-8/374, Street No. 8, Brijpuri, P.O. Dayalpur, Distt. North East, Delhi-110094 changed my name to RAMESH CHAND

NAME CHANGE

I, HEMLATA W/O Ramesh Chand R/O House No. C-8/374, Street No. 8, Brijpuri, P.O. Dayalpur, Distt. North East, Delhi-110094 changed my name to HEMVATI

NAME CHANGE

I, MAYURI SURESH BOKADE D/O Suresh Bokade R/O P-61 Nivedita Kunj sec-10 RK Puram New delhi 110022 changed my name to MAYURI BOKADE

NAME CHANGE

I Itendra Singh Chauhan S/o Pan Singh Chauhan R/o Khujeti, Nartola, Khujathi, Nainital, Nartola, Uttarakhand - 263132, have changed my name to Satendra Singh Chauhan.

NAME CHANGE

I, Alok Yadav S/o Ravendra Singh Yadav R/o E1/97, K D A Colony, Daheli Sujanpur, COD, Kanpur Nagar, Uttar Pradesh - 208013, have changed my minor daughter's name from Yashi Yadav aged 08 years to Tanishka Yadav forever.

NAME CHANGE

I, Ranjeet Kumar Yadav S/o Sher Singh Yadav R/o Prathmik Vidyalay Ke Pass, Ambari, Lalgarhi, Dist-Etah, Uttar Pradesh - 207001, have changed my minor daughter's name from Siddhi Yadav aged 15 years to Janvi forever

NAME CHANGE

I Pankaj Singh Thapa S/o H.S Thapa R/o 9, Golcha Compound Tanakpur Road, Haldwani, Nainital, Uttarakhand - 263139, have changed my minor son's name from Kiyaan Singh Aged 08 Years to Rudransh Singh forever.

NAME CHANGE

I Diya D/o Sadanand Pandey and W/o Mohan Chandra Palariya R/o 334, HIG, Block-B, Chak Babura Alimabad, Naini, Allahabad, Uttar Pradesh - 211008, have changed my name to Deepa Palariya.

सार्वजनिक सूचना

मैं पुरुषोत्तम भारद्वाज पुत्र स्व. घनश्याम शर्मा निवासी 64, विजय ब्लाक लक्ष्मी नगर, दिल्ली–110092 ने सुधा पुत्री श्री स्व. सुरेन्द्र पाल निवासी तहसील कंपाउंड जिला मुज्जफरनगर उत्तर प्रदेश को एक किता प्लाट स्थितः प्लाट न. 33 रकबा 50 वर्गगज यानी – 41.805 वर्ग मीटर खसरा न 186 ग्राम हकीकतपुर उर्फ खुदाबास एफ ब्लाक रामपार्क एक्स परगना व तहसील लोनी जिला गाजियाबाद उत्तर प्रदेश, मेरे द्वारा सुधा पुत्री स्व. श्री सुरेन्द्र पाल के नाम पर एक मुख्तारनामा आम किया था जिसका नोटरी पंजीकरण संख्या ई–931 दिनांक 28.06.2012 इकरारनामा कम गिफ्ट, कब्जा पत्र, वसीयतनामा जोकि प्रार्थी ने सुधा को अनुकम्पा के तौर पर रहने के लिए दिया था जिसको अभी तक अमल में नहीं लाया गया। भूतकाल से वर्तमान तक उक्त प्लाट पर प्रार्थी द्वारा कब्जा और देख रेख होती रही है। प्रार्थी द्वारा सुधा को मुख्तारनामा आम द्वारा दिए गये अधिकार को खण्डितनामा के द्वारा निरस्त कर दिया गया है जिसका नोटरी पंजीकरण संख्या 04 दिनांक 31.12.2025 है। प्रार्थी द्वारा सुधा को दिए गये अधिकारों को निरस्त समझा जाये। भविष्य में पूर्व मुख्तारनामा के आधार हुई कार्यवाही कानूनी रूप से मान्य नहीं होगी।

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, HARSHA GROVER D/O SHRI JYOTI GROVER R/O Flat No-103, Tower-09, Near Leela Palace, Sarojini Nagar, PO- Sarojini Nagar, DIST- South West Delhi, Delhi-110023, declare that name of my mother has been wrongly written as ANITA GROVER in my 10th and 12th. Class educational documents. And name of my father and my mother has been wrongly written as JYOTI SUDAN GROVER and TANVI GROVER in my birth certificate-220664. The actual name of my father and my mother are JYOTI GROVER and ANITA , which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I,hitherto Known as JAVENDRA BARWAR S/O HARI PRASAD R/O B-601, French Apartment, GH-07B, Sector -16B, Near Ek Murti Chawk, Greater Noida West, Greater Noida, PO: Greater Noida, DIST: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201308 have changed my name and shall hereafter be known as JAVENDRA.

NAME CHANGE

I, Sarita Kumari D/O Santosh Jha R/O 381,Naipura , Loni , PO: Loni , S.O, Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh -201102, have changed my name and shall hereafter be known as KM. Sarita

NAME CHANGE

I, Dr. Mumtaz Khan alias Mumtaz Khan D/o Shahnawaz Ali Khan W/o Shadab Tabrez Siddiqui R/o H.No.533, Khan Clinic, Near Ambedkar Park, Jhandapur, I.E. Sahibabad, District Ghaziabad, UP-201010 have changed my name to Mumtaz Khan

NAME CHANGE

I, RAJ KUMAR PANDEY S/O VIKRAMA PANDEY R/O PLOT NO.28B, BALAJI COLONY DEVLA PO L.A SURAJPUR DIST GAUTAM BUDDHA NAGAR (UP)-201306 have changed the name of my minor son ABHIGYAN aged 16 years and he shall hereafter be known as ABHIGYAN PANDEY. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री राम लखन अग्निहोत्री, आवासीय भू-खंड संख्या 7, क्षेत्रफल 102 वर्ग मीटर, जो खसरा संख्या 1048 में से स्थित है, विद्या नगर, आनंद विहार के पास, कस्बा दादरी, परगना एवं तहसील दादरी, जनपद गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित, को M/s Landmark से उसके पार्टनर के माध्यम से क्रय करने का आशय रखते हैं। उक्त सम्पूर्ण संपत्ति के मूल स्वामी श्री महेन्दर पाल सिंह थे, जिन्होंने यह संपत्ति श्रीमती भगवती देवी से दिनांक 27.06.2001 को निष्पादित बिक्री विलेख के माध्यम से क्रय की थी। तत्पश्चात दिनांक 12.05.2004 को उक्त संपत्ति का नामांतरण राजस्व अभिलेखों में उनके नाम दर्ज किया गया। दुर्भाग्यवश, श्री महेन्दर पाल सिंह का देहांत दिनांक 24.03.2012 को हो गया, जिनके पश्चात उनके निम्नलिखित वैध उत्तराधिकारी रह गए: (1) श्री ओमपाल सिंह (पुत्र), (2) श्री कृष्ण पाल (पुत्र), (3) श्री इंदर पाल सिंह (पुत्र), (4) श्री यश पाल सिंह (पुत्र), तथा (5) श्रीमती राजबाला (पुत्री)। इसके पश्चात श्री इंदर पाल सिंह का भी देहांत हो गया, जिनके पश्चात उनके निम्नलिखित वैध उत्तराधिकारी हैं:(1) श्रीमती दिनेश कुमारी (पत्नी), (2) श्री जय पाल सिंह रावल (पुत्र), (3) श्री खगेन्द्र पाल सिंह रावल (पुत्र), (4) श्रीमती ममता (पुत्री), तथा (5) श्रीमती मोहिनी (पुत्री)। इसके अतिरिक्त श्री यश पाल सिंह का भी देहांत हो गया, जिनकी एकमात्र वैध उत्तराधिकारी उनकी पत्नी श्रीमती प्रमिला रावल हैं। विभाजन विलेख एवं उपरोक्त सभी उत्तराधिकारियों के नाम पर नामांतरण से संबंधित शृंखला दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं, क्योंकि उक्त विभाजन मौखिक (ओरल पार्टिशन) के माध्यम से किया गया तत्पश्चात, श्री ओमपाल सिंह, श्री कृष्ण पाल तथा श्रीमती दिनेश कुमारी ने अपनी-अपनी हिस्सेदारी वाली संपूर्ण संपत्ति को M/s Landmark को उसके पार्टनर के माध्यम से दिनांक 17.03.2025 को निष्पादित बिक्री विलेख द्वारा विक्रय कर दिया। परिणामस्वरूप, वर्तमान में M/s Landmark उक्त संपत्ति का पूर्ण एवं निर्विवाद स्वामी है। यह भी पुष्टि की जाती है कि उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, मुकदमेबाजी, बंधक, भार, देयता या किसी भी प्रकार के दावे से मुक्त है। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि वर्तमान में उक्त संपत्ति DCB बैंक लिमिटेड, गाजियाबाद शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE

I DIN MOHAMAD S/O NASRU R/O VILLAGE MALUKA PO UTAWAR TEH HATHIN DIATT PALWAL HRY 121102 HAVE CHANGED MY NAME TO DEEN MOHD

NAME CHANGE

I, Rashmi D/o Anil Kumar R/o 24/105, Trilokpuri, Chilla Saroda Khadar, Delhi-110091, have changed my name to Rashmi Gautam for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Ajay Mandal** is the owner of land admeasuring 50 Sq. yards, out of Khewat/Khata no.1272/1485, Mu. no. 145, Kila no. 4(8-0), 5(8-0), 6/2(2-6), 7(8-0), 8/1(4-13), Mu. no. 146, kila no. 1(8-0), residential house, waka moja Bhondsi, Tehsil Sohna , Distt. Gurugram, Haryana vide Sale Deed dated 03.07.2020 which is registered as doc. no. 887, book no.1, vol. no. 2135/1686, Page no. 44.75/17 to 20, on 03.07.2020, SRO- Sohna and Intend to mortgage the said property with **Motilal Oswal Home Finance Limited. That Original Sale Deed** dated 30.10.2009 executed by Mr. Praveen Kumar in favour of by Mrs. Reshmi Gupta and Mr. Sharda Kumar Gupta in respect of the the land admeasuring 50 Sq. yards, out of Khewat/Khata no.1272/1485, Mu. no. 145, Kila no. 4(8-0), 5(8-0), 6/2(2-6), 7(8-0), 8/1(4-13), Mu. no. 146, kila no. 1(8-0) which is registered as doc. no. 3510, on 30.10.2009, SRO- Sohna. & **The Original Sale Deed** dated 17.02.2014 executed by Mrs. Reshmi Gupta and Mr. Sharda Kumar Gupta in favour of Mr. Vivek Kumar in respect of the land admeasuring 50 Sq. yards, out of Khewat/Khata no.1272/1485, Mu. no. 145, Kila no. 4(8-0), 5(8-0), 6/2(2-6), 7(8-0), 8/1(4-13), Mu. no. 146, kila no. 1(8-0) which is registered as as doc. no. 5730, book no.1, vol. no. 2083/648, Page no.39/100 to 102, on 17.02.2014, SRO- Sohna are lost/misplaced . If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 14 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot no. 100, First Floor
Okhla Phase III,
Okhla Industrial Estate,
New Delhi – 110 020
Contact #011-49774545

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

अब नहीं लिखा जाएगा अधीनस्थ अदालत या निचली कोर्ट

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ केंद्र शासित प्रदेश की सभी अदालतों के लिए शब्दावली में बदलाव के निर्देश जारी किए हैं। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि अब आधिकारिक पत्राचार और न्यायिक कार्यवाही में 'अधीनस्थ अदालत', 'अधीनस्थ न्यायाधीश' या 'निचली अदालत' जैसे शब्दों का प्रयोग नहीं किया जाएगा। हाईकोर्ट ने निर्देश दिया कि हाईकोर्ट को छोड़कर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश की सभी अदालतों को जिला न्यायालय, जिला न्यायपालिका या ट्रायल कोर्ट के रूप में संदर्भित किया जाएगा। परिपत्र में कहा गया है कि इन अदालतों को निचली अदालतें कहना संविधान की भावना के अनुरूप नहीं है। मुख्य न्यायाधीश ने यह भी निर्देश दिए हैं कि अदालतों से संबंधित रिकार्ड को अब निचली अदालत का रिकार्ड (एलसीआर) नहीं कहा जाएगा। इसके स्थान पर ट्रायल कोर्ट का रिकार्ड (टीसीआर) शब्दावली का प्रयोग किया जाएगा। हाईकोर्ट की रजिस्ट्री को भी निर्देश दिए गए हैं कि वह अपने सभी दस्तावेजों और पत्राचार में इस बदलाव का पालन सुनिश्चित करें। पिछले वर्ष सुप्रीम कोर्ट की एक खंडपीठ ने भी इसी तरह के निर्देश दोहराते हुए कहा था कि किसी भी अदालत को निचली अदालत कहना हमारे संवैधानिक ढांचे और न्यायपालिका की गरिमा के विरुद्ध है।

गुरु जंभेश्वर विवि के संविदा सहायक प्रोफेसर नहीं होंगे नियमित

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार में वर्षों से संविदा आधार पर कार्यरत सहायक प्रोफेसरों की नियमितीकरण की मांग को खारिज करते हुए कहा कि लंबी अवधि तक सेवा देने मात्र से नियमित नियुक्ति का अधिकार स्वयं उत्पन्न नहीं हो जाता, विशेषकर तब, जब प्रारंभिक नियुक्ति विश्वविद्यालय के वैधानिक नियमों और निर्धारित चयन प्रक्रिया के अनुरूप न हुई हो। जस्टिस त्रिभुवन दहिया ने फैसला सुनाते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों में सहायक प्रोफेसर जैसे अकादमिक पदों पर नियुक्ति एक साधारण प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक पवित्र और अनिवार्य चयन व्यवस्था के तहत की जाने वाली प्रक्रिया है, जिसे नजरअंदाज कर नियमितीकरण का दावा स्वीकार नहीं किया जा सकता। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि वे वर्ष 2010 से 2015 के बीच विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों कंप्यूटर साइंस, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, फार्मास्युटिकल साइंसेज, फूड टेक्नोलाजी, मास कम्युनिकेशन और फिजियोथेरेपी में वाक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से संविदा आधार पर नियुक्त किए गए थे। उन्होंने दलील दी कि वे यूजीसी और एआईसीटीई की सभी आवश्यक शैक्षणिक योग्यताओं को पूरा करते हैं। एक दशक से अधिक समय से लगातार सेवाएं दे रहे हैं और उनका कार्य नियमित सहायक प्रोफेसरों के समान है, इसलिए उन्हें नियमित किया जाना चाहिए।

सीट बेल्ट नहीं लगाई तो रोडवेज चालकों पर होगी कार्रवाई

चंडीगढ़। हरियाणा रोडवेज ने बढ़ती धुंध और यात्रियों की सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाया है। रोडवेज बसों में चालकों को सीट बेल्ट लगाने की सख्त हिदायत दी गई है। यही नहीं, लापरवाही बरतने वाले चालकों के खिलाफ न केवल कार्रवाई होगी, बल्कि जुर्माना भी ठोका जाएगा। हरियाणा रोडवेज के चालकों के लिए यातायात नियम कोई मायने नहीं रखते हैं। रोडवेज के चालक न तो सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य समझते हैं और न ही यातायात नियमों की अनुपालना करने को तरजीह देते हैं। राज्य परिवहन निदेशक ने रोडवेज चालकों की मनमानी पर कड़ा संज्ञान लेते हुए यात्रा के दौरान सीट बेल्ट की अनिवार्यता की है। निदेशक की ओर से सभी जीएम को सख्त हिदायत दी गई है कि जिन बसों में सीट बेल्ट नहीं है, उनमें उपलब्ध कराई जाए। चालकों को व्यक्तिगत रूप से हिदायत देने के निर्देश दिए गए हैं कि सीट बेल्ट लगाए बिना मार्गों पर बसों को संचालित न करें।दरअसल, परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के संज्ञान में हरियाणा रोडवेज बसों में चालक सीट बेल्ट न लगाकर बसों को सरपट दौड़ाते हैं, जिससे वह अपने साथ यात्रियों की सुरक्षा भी जोखिम में डाल रहे हैं। लिहाजा, अतिरिक्त मुख्य सचिव ने इस पर संज्ञान लेते हुए परिवहन निदेशक को कड़ी हिदायत दी है कि यदि कोई चालक बिना सीट बेल्ट लगाए पाया जाता है तो उसके खिलाफ जुर्माना लगाया जाएगा और विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी।

हरियाणा में कंप्यूटर लैब सहायकों को मिलेगी जॉब सिक्योरिटी

चंडीगढ़। हरियाणा में लंबे समय से संघर्ष कर रहे 2100 से अधिक कंप्यूटर लैब सहायकों को अब नौकरी की सुरक्षा मिलने जा रही है। राज्य सरकार ने इस संबंध में स्वीकृति प्रदान कर दी है। अब प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कार्य करने वाले कंप्यूटर लैब सहायकों का डाटा सर्विस सिक्योरिटी एक्ट पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा।हरियाणा सरकार द्वारा हाल ही में एचकेआरएन के माध्यम से काम करने वाले कर्मचारियों को जॉब सुरक्षा प्रदान करने का फैसला किया गया है। इसके लिए सरकार की तरफ से बकायदा एक पोर्टल शुरू किया गया है। कंप्यूटर लैब सहायक वेलफेयर एसोसिएशन के राज्य प्रधान परमजीत संधु, महासचिव मनोज अग्रवाल,प्रदेश कोषाध्यक्ष जसबीर जानी ने बताया कि कंप्यूटर लैब अटेंडेंट हरियाणा के सरकारी स्कूलों में पिछले चौदह वर्षों से अधिक से कार्य कर रहे हैं,जिनका वेतन मात्र 12000 रुपये है। एसोसिएशन की टीम लगातार प्रयास कर रही थी कि कंप्यूटर लैब अटेंडेंट को सर्विस सिक्योरिटी एक्ट के नियमानुसार सीधा एक्ट में कवर करते हुए जॉब सिक्योरिटी प्रदान की जाए।

कांग्रेस शासन ने प्रदेश में गैंग संस्कृति को दिया संरक्षण: बडौली

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली बुधवार को गोहाना पहुंचे। यहां ग्राम जी योजना को लेकर आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने कांग्रेस, नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा और जेजेपी नेतृत्व पर तीखे राजनीतिक हमले किए। बड़ौली ने कहा कि विपक्ष तथ्यहीन आरोप लगाकर जनता को गुमराह कर रहा है, जबकि भाजपा सरकार ग्रामीण, गरीब और मजदूर वर्ग के हित में ठोस काम कर रही है। पत्रकारों से बातचीत में मोहनलाल बड़ौली ने भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर सीधा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासनकाल में प्रदेश में गैंग संस्कृति को संरक्षण मिला। भर्ती से लेकर दंगा फैलाने तक अलग-अलग गैंग खड़े किए गए, जिससे कानून-व्यवस्था कमजोर हुई। आज प्रदेश में अराजकता की जो स्थिति

बताई जा रही है, उसकी जड़ें कांग्रेस के शासन में हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब उसी विरासत का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रही है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा प्रदेश में कई गैंगस्टरों के सक्रिय होने के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए बड़ौली ने कहा कि ऐसे बयान जनता को भ्रमित करने के लिए दिए जा रहे हैं। सच्चाई यह है कि कांग्रेस शासन में ही अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण मिला और आज उसी को छिपाने के लिए नए आरोप गढ़े जा रहे हैं। ग्राम जी योजना को लेकर कांग्रेस के आरोपों पर बड़ौली ने कहा कि योजना के नाम और स्वरूप को लेकर झूठ फैलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्राम जी का पूरा नाम विकसित भारत ग्रामीण रोजगार आजीविका गारंटी है। जेजेपी नेता दिग्विजय चौटाला के आरोपों पर टिप्पणी करते हुए बड़ौली ने कहा कि निराधार सवालों का कोई अर्थ नहीं होता, जबकि अजय चौटाला की स्थिति उनके राजनीतिक आचरण का परिणाम है। उनके साथ प्रभारी डॉ.किरण कलकल,जिला गोहाना भाजपा अध्यक्ष बिजेंद्र मलिक, बरोदा के पूर्व प्रत्याशी प्रदीप सांगवान, डॉ.धर्मवीर नांदल, भलेराम नरवाल, महेंद्र चिड़ाना, रजनी इंद्रजीत विरमानी आदि उपस्थित रहे।

हिसार में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दौरे के मद्देनजर धारा-163 रहेगी लागू

एजेंसी

हिसार। जिलाधीश महेंद्र पाल ने 15 जनवरी को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय तथा अन्य स्थलों के दौरे के दृष्टिगत कार्यक्रम स्थलों पर कानून व्यवस्था एवं शांति बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 में वर्णित प्रदत्त शक्तियों के अंतर्गत कार्यक्रम स्थल को ड्रोन नियम 2021 के तहत रेड जोन घोषित करते हुए निषेधाज्ञा के आदेश पारित किए गए हैं।

जिलाधीश की ओर से बुधवार को जारी आदेशों के अनुसार वीवीआईपी मार्ग के सभी कार्यक्रमों स्थलों तथा आसपास के क्षेत्र में बिना किसी सक्षम अधिकारी की अनुमति के ड्रोन उड़ाने, कार्यक्रम स्थल के 2 किलोमीटर के दायरे में लाठी-डंडे, तलवार, गंडासी, आग्नेय सशस्त्र, किसी भी प्रकार के घातक हथियार लेकर चलने, खुले पेट्रोल-डीजल की बोतल/केन इत्यादि में रखने तथा वीवीआईपी तथा वीआईपी के सभी कार्यक्रम स्थलों तथा उसके आसपास 75 मीटर के दायरेमें सडक़ के दोनों तरफ कोई भी वाहन

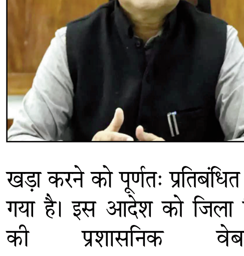

खड़ा करने को पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। इस आदेश को जिला हिसार की प्रशासनिक वेबसाइट https://hisar.gov.in परअपलोड किया गया है। उपरोक्त आदेशों की अवहेलना में यदि कोई व्यक्ति दोषी पाया जाता है तो वह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 223 व अन्य प्रावधानों के तहत दण्ड का भागी होगा।

हिसार को जीरो वेस्ट मॉडल के रूप में विकसित करने की मुहिम को मिली बड़ी कामयाबी

एजेंसी

हिसार। हरियाणा में स्वच्छता के क्षेत्र में अग्रणी स्थान प्राप्त करने के लक्ष्य के साथ नगर निगम की ओर से निरंतर ठोस और योजनाबद्ध प्रयास किए जा रहे हैं। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए शहर को जीरो वेस्ट मॉडल के रूप में विकसित करने की मुहिम को बड़ी कामयाबी मिली है। अब शहर के विभिन्न हिस्सों से प्रतिदिन लगभग 12 टन गीला कचरा अलग-अलग एकत्र किया जा रहा है। इससे न केवल कचरा प्रबंधन प्रणाली को मजबूती

मिली है, बल्कि संपूर्ण व्यवस्था पहले की तुलना में कहीं अधिक प्रभावशाली और सुव्यवस्थित हो गई है। नगर निगम आयुक्त नीरज ने बुधवार को बताया कि नई सोच-नया हिसार के तहत स्वच्छता को ओर बेहतर बनाने के लिए पूरे शहर में डोर-टू-डोर का कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए विशेष रूप से नीले व हरे के प्रतीक चिन्ह बनाए है, जो क्षेत्रवासियों को गीला व सूखा कचरा अलग-अलग करने के लिए प्रेरित कर रहे है। उन्होंने बताया कि स्वच्छता व्यवस्था की बेहतर निगरानी और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए शहर को दो जोनों में विभाजित किया गया है। जोन-1 की जिम्मेदारी अतिरिक्त आयुक्त शालिनी चेतल को सौंपी गई है, जबकि जोन-2 की देखरेख अतिरिक्त निगमायुक्त डॉ. प्रदीप हुड्डा द्वारा की जा रही है। दोनों अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में सफाई, कचरा संग्रहण और पृथक्करण से जुड़े कार्यों पर लगातार नजर बनाए हुए हैं, जिससे जमीनी स्तर पर सुधार स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। इसी प्रकार दोनों जोनों में सीएसआई, एएसआई, एचएसआई और एनजीओ लगातार स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक भी कर रहे है।

प्रदेश सरकार सभी पंजीकृत गौशालाओं को दे रही आर्थिक सहायता : कृष्णलाल

एजेंसी

जींद। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार राज्य की लगभग 687 पंजीकृत गौशालाओं को निरंतर वित्तीय सहायता उपलब्ध करवा रही है। सरकार द्वारा गऊमाता के लिए 20 रुपये, बछड़े के लिए 10 रुपये तथा नंदी के लिए 25 रुपये प्रतिदिन चारा एवं देखभाल हेतु दिए जा रहे हैं।

गऊमाता की सेवा करने से व्यक्ति के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है। गऊमाता का संरक्षण करना केवल धार्मिक कर्तव्य नही बल्कि हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी भी है। जिसे हर व्यक्ति को निभाना चाहिए। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार गांव बुढ़ाखेड़ा लाठर स्थित ओम श्री श्याम विकलांग गऊशाला में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने गऊशाला के विकास हेतु अपने स्वैच्छिक कोष से 11 लाख

रुपये देने की घोषणा की। कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री ने हरियाणवी कलाकार मासूम शर्मा एवं समाजसेवी विकास के पिता बाला राम शर्मा द्वारा स्वर्गीय संदीप लाठर की स्मृति में पशुओं के उपचार के लिए भेंट की गई एंबुलेंस की चाबी गऊशाला समिति को सौंपी गई। कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने बताया कि प्रदेश सरकार ने गऊ संरक्षण के लिए कई ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। जिन गऊशालाओं में 100 या उससे अधिक गौवंश हैं, उन्हें पंचायत विभाग द्वारा पौने एकड़ भूमि तथा चारे के लिए अढाई एकड़ भूमि 20 वर्ष के पट्टे पर दी जाती है। गौवंश की संख्या बढने पर भूमि क्षेत्रफल बढ़ाने का भी प्रावधान है। इसके लिए पंचायत विभाग प्रति एकड़ 5100 रुपये पंचायत को प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि गऊमाता के गौमूत्र से अनेक औषधियों का निर्माण किया जाता है। जिससे मानव की कई बीमारियों में लाभ मिलता है। प्रदेश सरकार द्वारा हिसार, पंचकूला एवं फरीदाबाद में गोबर आधारित फैक्ट्रियां स्थापित की गई हैं। गऊमाता के गोबर का उपयोग प्राकृतिक पेंट में किया जा रहा है। जिससे पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिल रहा है। इस अवसर पर गऊशाला संचालक कृष्णदास, प्रधान डा. सुभाष, संस्थापक कशमीरा, मार्केट कमेटी चेयरमैन मीनू शर्मा, मालवी के सरपंच भोलू, अकालगढ़ के सरपंच कुलदीप दलाल, रोहताश, देवेन्द्र, विजय सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

हिसार में मुख्यमंत्री के दौरे से पहले उपायुक्त ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

एजेंसी

हिसार। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के 15 जनवरी को प्रस्तावित हिसार दौरे को देखते हुए जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। मुख्यमंत्री के दौरे को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से उपायुक्त महेंद्र पाल एवं पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने विभिन्न कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त महेंद्र पाल एवं पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय व गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का दौरा कर वहां किए जा रहे प्रबंधों का निरीक्षण किया। इन स्थलों पर मुख्यमंत्री प्री-

बजट परामर्श कार्यक्रमों को संबोधित करेंगे। उपायुक्त ने प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल, मंच व्यवस्था, पार्किंग, यातायात प्रबंधन, सुरक्षा घेरा एवं अन्य व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री के आगमन से पूर्व सभी तैयारियां समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था नजर न आए। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दौरे के दृष्टिगत सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं।

उन्होंने कहा कि सभी कार्यक्रम स्थलों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जाए, प्रवेश एवं निकास बिंदुओं पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही यातायात पुलिस को विशेष निर्देश देते हुए कहा कि रूट डायवर्जन, ट्रैफिक कंट्रोल एवं पार्किंग व्यवस्था को लेकर पहले से ठोस योजना तैयार की जाए। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त नीरज, एसडीएम ज्योति मित्तल, नगराधीश हरिराम सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

डेरा सच्चा सौदा बधियाकरण केस में न्यूयार्क निवासी की वीसी से होगी गवाही

एजेंसी

चंडीगढ़। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह के खिलाफ चल रहे बधियाकरण (नपुंसक बनाने) मामले में पंचकूला स्थित विशेष सीबीआई अदालत ने आदेश पारित किया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि अमेरिका के न्यूयार्क में रह रहे मुख्य गवाह की गवाही वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से दर्ज की जाएगी, लेकिन गवाही के दौरान गवाह के निजी वकील को दूरस्थ वीसी कक्ष में मौजूद रहने की अनुमति नहीं होगी। अदालत मुख्य गवाह को उसकी स्वास्थ्य स्थिति से अवगत कराने के लिए एक माह का समय दिया है। गवाह की फिटनेस रिपोर्ट मिलने के बाद ही फरवरी 2026 के अंतिम सप्ताह में उसकी गवाही की तिथि तय की जाएगी। मुख्य गवाह ने आंखों के इलाज का हवाला देते हुए पहले से तय गवाही की तिथियों को स्थगित करने का अनुरोध किया था। मुख्य गवाह वर्तमान में न्यूयार्क में रह रहा है और उसकी गवाही भारतीय वाणिज्य दूतावास/महावाणिज्य दूतावास से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से दर्ज की जानी है। इससे पहले, अगस्त 2025 में सुरक्षा कारणों को ध्यान में रखते हुए अदालत ने उसे अमेरिका से वीसी के जरिए जिरह की अनुमति दी थी। इसके लिए सीबीआई द्वारा विदेश मंत्रालय और भारतीय दूतावास से आवश्यक अनुमति भी प्राप्त की जा चुकी है। गवाह ने यह भी दलील दी कि गुरमीत राम रहीम सिंह एक प्रभावशाली व्यक्ति हैं और उनके कई राजनीतिक संपर्क बताए जाते हैं, जिससे उसे भय और दबाव की आशंका है। इसी आधार पर उसने गवाही के दौरान अपने वकील को वीसी कक्ष में साथ बैठने की अनुमति मांगी। हालांकि, आरोपितों के बचाव पक्ष ने पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के वीडियो कान्फ्रेंसिंग नियमों का हवाला देते हुए इस मांग का कड़ा विरोध किया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने स्पष्ट किया कि वीसी के दौरान दूरस्थ स्थल पर केवल अधिकृत समन्वयक की मौजूदगी की अनुमति है। गवाह का वकील गवाही शुरू होने से पहले वीसी कक्ष के बाहर परामर्श कर सकता है, लेकिन रिकार्डिंग के दौरान उसकी मौजूदगी नहीं होगी।

पांच अवैध कॉलोनियों में प्रशासन ने गिराए अवैध निर्माण

एजेंसी

झज्जर। उप मंडल के गांव परनाला व बहादुरगढ़ शहर की भूमि पर जिला नगर योजनाकार की टीम द्वारा अवैध निर्माणों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माणों को गिराया गया। यह कार्रवाई अवैध रूप से विकसित की जा रही पांच कॉलोनियों में विभागीय नियमों के तहत की गई। जिला नगर योजनाकार (डीटीपी) अंजू जून ने बताया कि गांव परनाला व बहादुरगढ़ की भूमि पर राजस्व संपदा में अवैध निर्माण के खिलाफ तोड़फोड़ अभियान चलाया गया। इस दौरान लगभग 17 एकड़ क्षेत्रफल वाली पांच अवैध कॉलोनियों में 13 ढांचें, तीन डीलर के कार्यालय, 60 डीपीसी और 1500 मीटर सड़क नेटवर्क को बुलडोजर की सहायता से तहस-नहस कर दिया गया। इस अवसर पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रूप में एचएसआईआईडीसी बहादुरगढ़ के कार्यकारी अभियंता राजीव डागर और जिला नगर योजनाकार की टीम मौजूद रही। कार्रवाई के दौरान बहादुरगढ़ के एसडीएम अभिनव सिवाच ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी मेहनत की कमाई से अनधिकृत कॉलोनियों में प्लॉट खरीदने से बचें।

अवैध कॉलोनियों में घर बनाने के लिए प्लॉट खरीदने से भविष्य में कानूनी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अवैध निर्माण और मकान तोड़े भी जा रहे हैं। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि प्रशासन का उद्देश्य अवैध निर्माण पर रोक लगाना और नियोजित विकास को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि प्रशासन नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रखेगा। उधर, गांव कुलाना व लुहारी में जिला प्रशासन ने बगैर लाइसेंस व तय प्रक्रिया पूरी किए अवैध कॉलोनी काटे जाने के मामले में गंभीरता से संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की है। लुहारी और कुलाना में भूमाफिया द्वारा सडक़ें बनाकर और नक्शा दिखाकर अवैध कॉलोनी का विज्ञापन करने पर, किसी भी प्रकार के सेल डीड, एग्रीमेंट टू सेल, पावर ऑफ अटॉर्नी या फुल पेमेंट एग्रीमेंट को रजिस्टर्ड, एग्जीक्यूट करना प्रतिबंधित कर दिया है।

एंटी करप्शन ब्यूरो टीम ने जींद नागरिक अस्पताल में की निर्माण कार्यों की जांच

एजेंसी

जींद। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) टीम पंचकूला से एसडीओ कर्म सिंह के नेतृत्व में नागरिक अस्पताल पहुंची। टीम ने यहां 14.91 करोड़ की लागत से करवाया जाए जा रहे रेनोवशन कार्य की जांच की। टीम के साथ शिकायतकर्ता अधिवक्ता सुनील भी रहे। उन्होंने टीम को खामियां गिनवाई। विजिलेंस को शिकायत करवाने वाले एडवोकेट सुनील राज ने विजिलेंस को मुख्य गेट की शीट उखड़ी हुई दिखाते हुए बताया कि यह अंदर से खोखला है, जो तेज हवा आने पर गिर जाएगा। इसमें लगाए गए नट बोल्ट अभी से उखडने शुरू हो गए हैं। इसके बाद अस्पताल की बाउंड्री वाल को दिखाया गया। अस्पताल की तरफ से जो रफ एस्टीमेट भेजा गया था, उसमें नई बाउंड्री वाल नई बनानी थी। टीम ने अस्पताल का निरीक्षण किया और कार्य की गहनता से जांच की। टीम ने कहा कि वह अब तक पूरे हुए कार्य को रिकार्ड के साथ मैच करेगी। इसके बाद जांच रिपोर्ट बना कर मुख्यालय को सौंपी जाएगी।

एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) पंचकूला एसडीओ कर्म सिंह ने बताया कि जिन नियमों के अनुसार कार्य होना था, उसके अनुसार काम हो रहा है या नहीं इसका मिलान किया जाएगा। पूरा रिकार्ड उनके पास है। निर्माण की गहनता से जांच की जाएगी। नागरिक अस्पताल में अब तक जो कार्य पूरा हुआ है, उसका निरीक्षण किया गया है। अस्पताल प्रशासन ने भी कुछ खामियां बताई हैं।

श्रमिकों के हित में विकसित भारत जी राम जी योजना लाई केन्द्र सरकार : रणबीर गंगवा

एजेंसी

हिसार। राज्य के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा है केन्द्र सरकार श्रमिकों व जरूरतमंदों के हित में विकसित भारत जी राम जी योजना लाई है। न केवल काम के दिन बढ़ाए गए हैं बल्कि परिवर्तन करते हुए इसे जरूरतमदों के हित वाली बनाया गया है लेकिन कांग्रेस पार्टी त्थ्यों रहित बात करके दुष्प्रचार कर रही है, जो गलत है। रणबीर गंगवा भाजपा जिला कार्यालय में पत्रकार वार्ता में विकसित भारत जी राम जी योजना पर अपनी बात रख रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में मनरेगा भ्रष्टाचार का पर्याय बन गई थी। उन्होंने कांग्रेस व अन्य विपक्षी पार्टियों द्वारा किए जा रहे दुष्प्रचार का कड़ा जवाब देते हुए कहा कि देश और हरियाणा राज्य की जनता कांग्रेस और इंडी गठबंधन नेताओं का चेहरा और चरित्र भली-भांति पहचान चुकी है। लगातार झूठ बोलने की आदत ने इन दलों को राजनीतिक रूप से अविश्वसनीय बना दिया है और अब जनता उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लेती। कांग्रेस पार्टी और इंडी गठबंधन के नेता मनरेगा श्रमिकों को गुमराह करने के लिए बार-बार झूठे बयान दे रहे हैं। रणबीर गंगवा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी न तो लोकसभा व राज्यसभा में

अपने सकारात्मक सुझाव रख पाती और न ही हरियाणा विधानसभा में। कांग्रेस के पास जब बोलने को कुछ नहीं होता तो वह वाकआउट में विश्वास करती है और इस बार भी यही हुआ। उन्होंने विकसित भारत जी राम जी योजना को पूरे देश के अलावा हरियाणा के लिए खास फायदेमंद बताया और कहा कि हरियाणा में मजदूरी दर देश भर में सर्वाधिक है। नए प्रावधान से प्रदेश में हर श्रमिक को कम से कम 10 हजार रुपये अधिक मिलेंगे। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़, महामंत्री कृष्ण सरसाना, उपाध्यक्ष संजीव रेवड़ी, मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा, चेयरमेन रविंद्र रॉकी, कार्यालय सचिव सुरेन्द्र सैनी, राजकुमार इंदौरा, सोशल मीडिया प्रभारी अमर पातड़ा, विधि प्रकोष्ठ अध्यक्ष अजय बैनीवाल, दीपक अग्रवाल, नरेश नैन, धर्मवीर पानू, महेन्द्र सिंह पानू, रंजीव राजपाल व पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

ट्रकों की टक्कर से लगी भीषण आग, सात घंटे बंद रहा सोहना मार्ग

एजेंसी

पलवल। जिले के सोहना रोड पर धतीर पुलिस चौकी और जैंदापुर गांव के बीच दो ट्रकों की आमने-सामने की टक्कर के बाद भीषण आग लग गई। हादसे के चलते पलवल-सोहना रोड करीब सात घंटे तक पूरी तरह बंद रहा। आग बुझाने और क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने के बाद शामतक यातायात बहाल हो सका। मिली जानकारी के अनुसार, एक ट्रक-ट्राला पलवल से सोहना की ओर जा रहा था, जबकि दूसरा ट्रक लकड़ी के टुकड़े भरकर सोहना से पलवल की तरफ आ रहा था। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि चिंगारी निकलते ही दोनों ट्रकों में आग लग गई। लकड़ी भरी होने के कारण आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया। हादसे के बाद पलवल-सोहना रोड पूरी तरह अवरुद्ध हो गया। दोनों ओर करीब पांच-पांच किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना मिलते ही धतीर पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंची और फायर ब्रिगेड विभाग को बुलाया गया। आग पर काबू पाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। इसके बाद क्रेन की मदद से जले हुए ट्रकों को सड़क से हटाया गया। जाम के दौरान पुलिस ने यातायात को वैकल्पिक मार्गों से डायवर्ट कराया। दुर्घटना में एक ट्रक चालक घायल हो गया, जिसे राहगीरों की मदद से उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं दूसरे ट्रक चालक का अभी तक कोई सुराग नहीं लग पाया है। पुलिस का कहना है कि आशंका है कि वह चालक हादसे के बाद मौके से फरार हो गया।

NAME CHANGE

I hitherto known as MEENAKSHI D/o RAMESH CHAND, and W/o SUMIT KUMAR, R/o H.No. 46, 2nd Floor, Bhim Nagar, Gurgaon, PO: Gurgaon, Dist. Gurgaon, Haryana-122001, have changed my name and shall hereafter be known as MEENAXI, for all future purposes.

कृषि को आर्थिक वृद्धि का इंजन बनाने की मांग पकड़ रही है जोर

नई दिल्ली ।

विशेषज्ञ और उद्योग जगत के जानकार आगामी बजट से पहले कृषि क्षेत्र में डिजिटल अवसंरचना, जलवायु-अनुकूल खेती और नई प्रौद्योगिकियों में निवेश की जोरदार वकालत कर रहे हैं। उनका कहना है कि इससे देश की आधी आबादी को रोजगार देने वाले क्षेत्र में उत्पादकता और आर्थिक योगदान बढ़ाया जा सकता है। भारत में करीब 45 फीसदी कार्यबल कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र में है, लेकिन सकल मूल्यवर्धन में योगदान केवल 18 फीसदी के आसपास है। राष्ट्रीय गोकुल मिशन और डिजिटल पशुधन मिशन के माध्यम से 3,00,000 से अधिक किसानों को संगठित किया गया है। जीएसटी सुधारों ने संगठित दुग्ध क्षेत्र में पनीर, घी और मक्खन जैसी उच्च प्रोटीन उत्पादों की मांग बढ़ाई। उद्योग विशेषज्ञों ने गुणवत्तापूर्ण चारे, पशु चिकित्सकों की कमी को पूरा करने के लिए महाविद्यालयों की क्षमता बढ़ाना और लघु दुग्ध इकाइयों, विशेषकर महिला उद्यमियों के लिए पूंजीगत सब्सिडी की मांग की है।

आरएम ड्रिप नासिक में 12,000 टन क्षमता की नई इकाई लगाएगी

नई दिल्ली ।

आरएम ड्रिप एंड स्प्रिंकलर सिस्टम्स के निदेशक मंडल ने महाराष्ट्र के नासिक जिले के सिन्नर में 12,000 टन प्रति वर्ष की उत्पादन क्षमता वाली नई इकाई स्थापित करने को मंजूरी दी है। यह इकाई कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी, ब्रह्मानंद पाइप्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से स्थापित होगी। नई इकाई के चलते कंपनी की कुल उत्पादन क्षमता में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि होगी। प्रबंध निदेशक ने कहा कि यह विस्तार कंपनी की वृद्धि रणनीति में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और इससे निरंतर राजस्व वृद्धि, बेहतर लाभ और मजबूत निष्पादन क्षमताओं की नींव रखी जाएगी। आरएम ड्रिप एंड स्प्रिंकलर सिस्टम्स सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों और घटकों का निर्माण करती है और डिजाइन, निर्माण और स्थापना सहित संपूर्ण समाधान प्रदान करती है। कंपनी का वितरण नेटवर्क महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश में फैला हुआ है।

एमआरपीएल का मुनाफा बढ़कर 1,445 करोड़

मंगलुरु ।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी मंगलूर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) का 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त तीसरी तिमाही में मुनाफा 1,445 करोड़ रुपये रहा। पिछली वित्त वर्ष की इसी तिमाही में यह लाभ 304 करोड़ रुपये था, यानी लाभ चार गुना से अधिक बढ़ा। कंपनी की परिचालन आय इस तिमाही में 29,720 करोड़ रुपये रही, जो पिछले वर्ष की 25,601 करोड़ रुपये* के मुकाबले लगभग 16 फीसदी अधिक है। एमआरपीएल ने बीती तिमाही में 47 लाख टन कच्चे तेल का प्रसंस्करण किया और मंगलूरू में आईएसपीआरएल कैवर्न इकाई में कच्चे तेल का भंडारण शुरू किया। कंपनी के निदेशक मंडल ने 14 जनवरी 2026 को समेकित वित्तीय नतीजों को मंजूरी दी।

मोबाइल निर्माताओं के लिए सोर्स कोड साझा करना अनिवार्य नहीं- एमएआईटी

नई दिल्ली । सोर्स कोड कंप्यूटर भाषा में लिखा निर्देशों का समूह है, जो बताता है कि मोबाइल फोन, ऐप या सॉफ्टवेयर कैसे काम करेगा। इसके बिना मोबाइल का संचालन, ऐप्स खुलना, भुगतान या डेटा सुरक्षा संभव नहीं है। हाल ही में यह चर्चा सामने आई थी कि सुरक्षा जांच के लिए मोबाइल कंपनियों को सोर्स कोड साझा करना पड़ सकता है। इससे यह गलतफहमी पैदा हुई कि यह अनिवार्य है। सूचना प्रौद्योगिकी विनिर्माण संघ (एमएआईटी) ने स्पष्ट किया कि 18 जून 2025 के मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन में सोर्स कोड साझा करना अनिवार्य नहीं बताया गया है। संगठन में एप्पल, सैमसंग, वनप्लस, नोकिया और लेनोवो जैसी कंपनियां शामिल हैं। मोबाइल सुरक्षा को लेकर मंत्रालय उद्योग के साथ लगातार बातचीत कर रहा है, क्योंकि स्मार्टफोन अब बैंकिंग और निजी डेटा के लिए व्यापक रूप से उपयोग हो रहे हैं।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर वर्चुअल बातचीत फिर शुरू

- दोनों देश समझौते को अंतिम रूप देने के लिए प्रतिबद्ध

नई दिल्ली ।

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर वर्चुअल बातचीत एक बार फिर शुरू हो गई है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के अनुसार साल के अंत में छुट्टियों के कारण यह वार्ता कुछ समय के लिए रोक दी गई थी, लेकिन अब दोनों देशों के मुख्य वार्ताकार आभासी माध्यम से फिर संपर्क में हैं। हालांकि, आमने-सामने की बातचीत या समझौते को अंतिम रूप देने की कोई समय-सीमा अभी तय नहीं की गई है। पिछली बार व्यापार वार्ता दिसंबर में हुई थी, जब अमेरिकी व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भारत आया था। इस दल का नेतृत्व अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय (यूएसटीआर) के उप-प्रतिनिधि रिक स्विट्जर ने किया था। अवकाश के चलते वार्ता आगे नहीं बढ़ पाई, जिससे समझौते को लेकर अनिश्चितता बनी रही। इस बीच भारत में नए अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने भारत-अमेरिका संबंधों को लेकर सकारात्मक रुख जताया है। उन्होंने कहा कि दोनों देश सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं और व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए

प्रतिबद्ध हैं। देर शाम विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बीच फोन पर बातचीत हुई, जिसमें व्यापार, दुर्लभ खनिज, परमाणु ऊर्जा और रक्षा सहयोग पर चर्चा की गई। दोनों देशों ने स्वतंत्र और मुक्त हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई। अधिकारी के अनुसार, भारत और अमेरिका दो समानांतर रास्तों पर काम कर रहे हैं–एक व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौता और दूसरा ढांचागत व्यापार समझौता, जिसमें 50 प्रतिशत जवाबी शुल्क जैसे मुद्दों पर ध्यान दिया जाएगा।

बायोकॉन ने क्यूआईपी के जरिये जुटाए 4,150 करोड़

नई दिल्ली ।

जैव-प्रौद्योगिकी कंपनी बायोकॉन ने पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) प्रक्रिया के जरिये 4,150 करोड़ रुपये जुटाए हैं। बेंगलुरु स्थित कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इस पहल के तहत पात्र संस्थागत खरीदारों को पांच रुपये अंकित मूल्य के 1,12,664,585 शेयर 368.35 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर जारी किए गए। कंपनी के अनुसार 12 जनवरी से 14 जनवरी तक जारी क्यूआईपी में घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों ने काफी रुचि दिखाई जो कंपनी की वृद्धि संभावनाओं में उनके मजबूत विश्वास को दर्शाता है। बायोकॉन ने कहा कि क्यूआईपी से प्राप्त धनराशि का उपयोग मुख्य रूप से बायोकॉन बायोलॉजिक्स लिमिटेड में अपनी शेयरधारिता खरीदने के लिए माइलन इंक (वियाट्रिस) को देय नकद राशि का भुगतान करने के लिए किया जाएगा। इससे इस संबंध में लिए गए ऋण का पुनर्भुगतान भी शामिल है।

प्रेस्टीज एस्टेट्स की बिक्री बुकिंग अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 39 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स की बिक्री बुकिंग चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 39 प्रतिशत बढ़कर 4183.6 करोड़ रुपये हो गई है। बेंगलुरु स्थित कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों के दौरान कंपनी की बिक्री बुकिंग दोगुना होकर 22,327.3 करोड़ रुपये रही। प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीनों (अप्रैल-दिसंबर) में हासिल किया गया रिकॉर्ड प्रदर्शन हमारी परियोजनाओं की बढ़ती मांग का ठोस प्रमाण है, अक्टूबर-दिसंबर 2025 तिमाही में कुल बिक्री क्षेत्रफल 29.9 लाख वर्ग फुट रहा जबकि अप्रैल-दिसंबर में यह 1.695 करोड़ वर्ग फुट तक पहुंच गया।अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में कंपनी ने 1,811 इकाई बेची जिससे वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीनों में बेची गई कुल इकाई की संख्या 8,598 हो गई। प्रेस्टीज ग्रुप भारत के अग्रणी रियल एस्टेट डेवलपर में से एक है। यह कंपनी प्रमुख शहरों में आवासीय, वाणिज्यिक (कार्यालय व खुदरा) और आतिथ्य परियोजनाएं बनाती है। समूह ने सितंबर 2025 तक 20.2 करोड़ वर्ग फुट में फैली 310 परियोजनाएं पूरी कीं। वर्तमान में 19.9 करोड़ वर्ग फुट में फैली 130 परियोजनाएं प्रक्रिया के विभिन्न चरण में हैं।

नगरपालिका चुनाव के लिए शेयर बाजार बंद करना गलत, यह है पूअर प्लानिंग

कामत बोले-ट्रेडिंग रोकना भारत जैसे बढ़ते ग लोबल मार्केट के लिए अच छा मैसेज नहीं

मुंबई, ।

जीरोधा के को-फाउंडर और अरबपति नितिन कामत ने गुरुवार को शेयर बाजार बंद होने पर नाराजगी जाहिर की है। उनका कहना है कि महाराष्ट्र के नगरपालिका चुनाव के लिए शेयर बाजार बंद करना गलत है, किसी स्े थानीय चुनाव की वजह से ट्रेडिंग रोकना भारत जैसे बढ़ते ग्लोबल मार्केट के लिए अच्े छा मैसेज नहीं है। कामत ने एक्स पर लिखा कि भारतीय एक्सचेंज इंटरनेशनल सिस्टम से जुड़े हैं, ऐसे में लोकल लेवल के चुनाव के लिए बाजार बंद करना पूअर प्लानिंग है। यह विदेशी निवेशकों के बीच भारत की गंभीरता पर सवाल खड़ा करती है।

बता दें 15 जनवरी को महाराष्े ट्र में नगरपालिक चुनाव हो रहा है, जिस कारण बीएसई और एनएसई में ट्रेडिंग पूरी तरह से बंद किया है। इसका मतलब है कि बीएमसी चुनाव के कारण पूरे देश में शेयर बाजार बंद किए गए हैं। कामत के मुताबिक ऐसे फैसलेन सिर्फ निवेशकों को प्रभावित करते हैं बल्कि भारत की गे लोबल निवेश में गंभीरता पर सवाल उठाते हैं। उन्होंने कहा कि यह पूअर प्लानिंग और सेकेंड ऑर्डर इफैक्े ट की समझ की कमी दिखाता है। कामत ने तर्क दिया कि भारत एक्े सचेंज अब सिर्फ स्े थानीय प्लेटफॉर्म नहीं रहे, बल्कि ग्लोबल फाइनेंस स्े ट्रक्े चर से जुड़े हुए हैं। ऐसे में स्थानीय लेवल के चुनाव के नाम पर पूरे बाजार को बंद कर देना गलत संदेश देता है। उन्होंने मशहूर निवेशक चार्ली मंगर का कोट भी शेयर किया। कामत ने यह भी कहा

कि मार्केट इसलिए बंद है क्े योंकि इसे कोई रोकने वाला नहीं है।

इस कारण ऐसा सिस्टम चल रहा है।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स हमें कितना सीरियस लेते हैं, इससे अंदाजा लगाइए।

ह्यह्यउन्े होंने आगे कहा कि दुनिया की मार्केट स्थानीय स्े थानीय चुनावों या फिर आंशिक छुट्टियों के कारण बंद नहीं होती हैं।

हॉलिडे होने से ग्लोबल फंड फ्लो और इंटरनेशनल लिंक्े ड प्रोडक्े ट्स पर असर होता है।

थोक महंगाई दिसंबर में 8 महीने के उच्च स्तर पर, मुख्य महंगाई दर भी बढ़ी

- खाद्य महंगाई दर नवंबर में यह -2.6 फीसदी थी

नई दिल्ली ।

कंपनियों और कॉमर्स मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार दिसंबर 2025 में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित महंगाई दर 0.83 फीसदी दर्ज की गई, जो पिछले 8 महीनों में सबसे उच्च स्तर है। यह संकेत है कि लंबे समय से जारी अवस्फीति का दौर धीरे-धीरे समाप्त हो रहा है और महंगाई बढ़ने लगी है। खाद्य महंगाई दिसंबर में 0 फीसदी पर स्थिर रही, जबकि नवंबर में यह -2.6 फीसदी थी। प्राथमिक खाद्य वस्तुओं की अवस्फीति दिसंबर में -0.43 फीसदी रही, जो नवंबर के -4.16 फीसदी से कम है। सब्जियां -3.5, मोटे अनाज -1.18, दलहन

-13.44 और प्याज -54.4 फीसदी रही। इसके विपरीत, धान और फलों पर महंगाई का दबाव देखा गया। इससे पता चलता है कि महंगाई के दबाव अब कुछ वस्तुओं पर धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं। मुख्य महंगाई दर, जिसमें खाद्य और ईंधन शामिल नहीं हैं, दिसंबर में 2 फीसदी पर पहुंच गई, जो 34 महीने में उच्चतम स्तर है। एक वरिष्ठ अर्थशास्त्री ने कहा कि रुपये की कमजोरी और वैश्विक कीमतों में वृद्धि मुख्य कारण हैं। उन्होंने अनुमान लगाया कि जनवरी 2026 में थोक खाद्य महंगाई और बढ़ सकती है।

उन्होंने कहा कि अच्छी कृषि फसल, अनुकूल आधार प्रभाव और पर्याप्त जलाशय के कारण खाद्य महंगाई पर नियंत्रण की उम्मीद है।

एक्स ने ग्रोक एआई में आपत्तिजनक तस्वीरें बनाने पर लगाया प्रतिबंध

- सभी उपयोगकर्ताओं पर लागू होगा नया नियम

नई दिल्ली ।

सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स ने अपने एआई चैटबॉट ग्रोक के माध्यम से आपत्तिजनक कपड़ों में लोगों की तस्वीरें बनाने और संपादित करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह नियम सभी उपयोगकर्ताओं पर लागू होगा, चाहे वे मुफ्त सेवा ले रहे हों या सशुल्क ग्राहक हों। अब केवल पेड सब्सक्राइबर्स ही ग्रोक के जरिए तस्वीर बनाने और एडिट करने की सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगे। कंपनी का कहना है कि यह कदम दुरुपयोग रोकने और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है। एक्स ने कहा है कि वह उन क्षेत्रों में, जहां इस तरह की सामग्री कानूनी तौर पर अवैध है, तस्वीर बनाने की क्षमता को भौगोलिक रूप से ब्लॉक करेगा। कंपनी ने स्पष्ट किया कि इससे उसके मौजूदा सुरक्षा नियमों में कोई बदलाव नहीं होगा। सभी एआई जनरेटेड कंटेंट को प्लेटफ़ॉर्म की नीतियों और स्थानीय कानूनों के अनुसार मॉनिटर किया जाएगा। एक्स ने यह भी कहा कि बाल यौन शोषण, बिना सहमति की नग्नता और अवांछित यौन सामग्री को कभी भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उल्लंघन करने वाले खातों को स्थायी रूप से निलंबित किया जाएगा और जरूरत पड़ने पर उपयोगकर्ताओं की जानकारी कानून प्रवर्तन एजेंसियों को भी दी जाएगी। भारत, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ सहित कई देशों की सरकारें ग्रोक पर डीपफेक और आपत्तिजनक एआई जनरेटेड तस्वीरों को लेकर सवाल उठा रही हैं। भारत के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने भी एक्स को चेतावनी दी थी कि अवैध सामग्री हटाई जाए, अन्यथा कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने हटाया 10 मिनट डिलीवरी का दावा

नई दिल्ली ।

स्विगी इंस्टामार्ट, जेप्टो और ब्लिंकइट जैसे प्रमुख क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने अपने मोबाइल ऐप और विज्ञापन से 10 मिनट में डिलीवरी का दावा हटाना शुरू कर दिया है। उदाहरण के लिए, ब्लिंकइट ने अपनी टैगलाइन बदलकर '10 मिनट में 10,000 से उत्पाद से 30,000 उत्पाद आपके दरवाजे पर कर दिया। जेप्टो और स्विगी इंस्टामार्ट ने अपने ऐप विवरण में 10 मिनट में डिलीवरी के बजाय 'मिनटों में डिलीवरी' शब्द जोड़े। बिगबास्केट और फ्लिपकार्ट मिनट्स ने भी गति-संचालित संदेश हटाए हैं। हालांकि ब्रांडिंग बदल रही है, लेकिन डिलिवरी पार्टनर का कहना है कि जमीन पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। नोएडा के स्विगी इंस्टामार्ट डिलिवरी कर्मी राकेश ने कहा कि कंपनी ने उन्हें कोई औपचारिक आदेश नहीं दिया है और ऑर्डर और डिलीवरी समय-सीमा पहले की तरह ही हैं। जेप्टो के कर्मचारी भी यही पुष्टि कर रहे हैं। यूनियनों का कहना है कि वास्तविक प्रभाव तभी दिखेगा जब

ऐप और प्लेटफॉर्म्स अपने राइडर-फेसिंग ऐप और प्रोत्साहन संरचना में बदलाव लाएंगे। केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने गिग श्रमिकों की सुरक्षा और 10 मिनट डिलीवरी जैसी समय-सीमाओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने ब्लिंकइट, स्विगी इंस्टामार्ट, जेप्टो और अन्य प्लेटफॉर्म्स के प्रतिनिधियों से बैठक की। हालांकि, अभी तक कोई औपचारिक लिखित निर्देश जारी नहीं किया गया है।

भारत की अर्थव्यवस्था बरकरार रखेगी तेज़ रफ्तार

- वर्ल्ड बैंक और डेलॉयट ने बढ़ाया ग्रोथ अनुमान

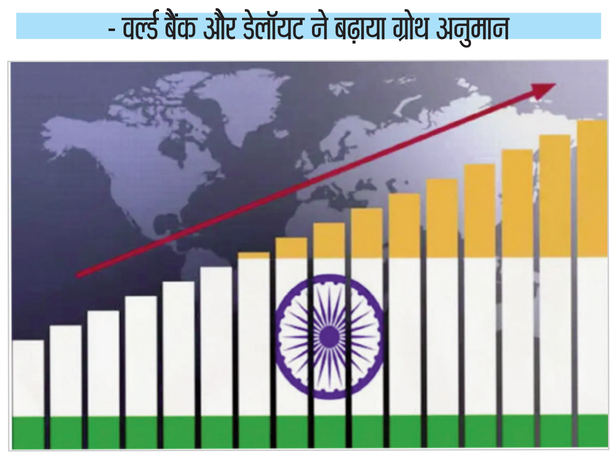

नईदिल्ली।

वर्ल्ड बैंक ने भारत की अर्थव्यवस्था के लिए` वित्त वर्ष 2026 का जीडीपी ग्रोथ अनुमान 6.3 फीसदी से बढ़ाकर 7.2 फीसदी कर दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी टैरिफ के बावजूद मजबूत घरेलू मांग और उपभोग के बेहतर रुझान भारत की वृद्धि को प्रभावित नहीं करेंगे। ग्रामीण आय में सुधार और सरकार द्वारा किए गए टैक्स कटौती ने घरेलू खपत को मजबूती दी है। डेलॉयट ने भी भारत के लिए आशाजनक अनुमान पेश किया है। वित्त वर्ष 2026 में ग्रोथ रेट 7.5 से 7.8 फीसदी रहने का अनुमान है। एजेंसी ने कहा कि मजबूत घरेलू डिमांड और सर्विस सेक्टर की गतिविधियों में मजबूती से भारत की अर्थव्यवस्था रफ्तार बनाए रखेगी। `वित्त वर्ष 2026-27 में वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण ग्रोथ रेट थोड़ी गिरकर 6.6-6.9 फीसदी हो सकती है। डेलॉयट ने भारत के निर्यात में विविधता लाने वाली नई फ्री ट्रेड डील्स को आर्थिक मजबूती का एक कारण बताया। भारत ने ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और ओमान के साथ समझौते किए हैं, जबकि इजराइल के साथ व्यापार और निवेश संबंधों का विस्तार करने की बातचीत जारी है। वैश्विक व्यापार तनाव, विकसित अर्थव्यवस्थाओं में नीतिगत बदलाव और अस्थिर कैश फ्लो जैसी चुनौतियाँ बनी हुई हैं, लेकिन घरेलू सुधार और त्योहारी मांग ने पॉजिटिव आउटलुक को बल दिया है। भारत नॉमिनल जीडीपी में 8त्न की वृद्धि के साथ` वित्त वर्ष 2026 में बेहतर प्रदर्शन करेगा।

तेल कंपनियों का तीसरी तिमाही में प्रदर्शन मजबूत रहने की

पिछली साल की समान तिमाही में यह 3 से 6 डॉलर प्र ति बैरल था

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में भारत की प्रमुख तेलशोधन और विपणन कंपनियों का प्रदर्शन मजबूत रहने की उम्मीद है। सरकारी तेल कंपनियों का जीआरएम इस तिमाही 10 से 13 डॉलर प्रति बैरल रहने की संभावना है, जबकि पिछली साल की समान तिमाही में यह 3 से 6 डॉलर था। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का जीआरएम 13.4 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान है, जो पिछले साल 10.4 डॉलर था। कच्चे तेल की कीमतें कम रहने के कारण पेट्रोल और डीजल जैसे रिफाइंड उत्पादों पर विपणन मुनाफा भी बढ़ा। इस तिमाही में औसत मुनाफा पेट्रोल के लिए 7.38 रुपये और डीजल के लिए 5.25 रुपये प्रति लीटर रहा। ब्रेंट क्रूड की औसत कीमत 63.1 डॉलर प्रति बैरल रही, जो सालाना आधार पर 10.9 डॉलर और तिमाही आधार पर 5 डॉलर कम है। तेल उत्पादों की घरेलू खपत बढ़ने से कंपनियों की बिक्री मजबूत रही। एलपीजी सिलिंडर की बिक्री पर हुए नुकसान की भरपाई के लिए केंद्र सरकार ने 3 सरकारी तेल विपणन कंपनियों को 30,000 करोड़ रुपये का मुआवजा मंजूर किया है। इससे तेल कंपनियों के प्रदर्शन को और समर्थन मिलेगा।

बैंक और एनबीएफसी स्वचालित शिकायत प्रबंधन प्रणाली स्थापित करें

- अस्वीकार की गई शिकायतें स्वतः आईओ के कार्यालय में भेजी जाएंगी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को निर्देश दिया कि वे पूरी तरह स्वचालित शिकायत प्रबंधन प्रणाली स्थापित करें। इस प्रणाली में ग्राहक को शिकायत दर्ज करने और उसकी समीक्षा के लिए आंतरिक लोकपाल (आईओ) और उप-लोकपाल तक पहुंच सुनिश्चित करनी होगी। इसका उद्देश्य शिकायत निवारण प्रक्रिया को तेज़, पारदर्शी और जवाबदेह बनाना है। आरबीआई ने स्पष्ट किया कि बैंक या एनबीएफसी द्वारा आंशिक रूप से हल या पूरी तरह अस्वीकार की गई शिकायतें स्वतः आईओ के कार्यालय में भेजी जाएंगी। आईओ को इन शिकायतों की समीक्षा के लिए कम से कम 10 दिन दिए जाएंगे। जिन मामलों में आरबीआई, एनपीसीआई या कार्ड नेटवर्क के दिशानिर्देशों में समय-सीमा तय है, उनका समाधान उसी के अनुसार किया जाएगा। अन्य मामलों में शिकायत प्राप्ति के 20 दिन के भीतर समीक्षा पूरी करनी होगी। क्रेडिट सूचना कंपनियों से जुड़ी शिकायतों के लिए समय सीमा 25 दिन रखी गई

है। आईओ कार्यालय जनता से सीधे शिकायतें नहीं देखेगा, बल्कि केवल उन शिकायतों पर विचार करेगा जिन्हें बैंक पहले जांच चुका हो और जिन्हें आंशिक समाधान या खारिज किया गया हो। आरबीआई का यह कदम बैंकिंग क्षेत्र में ग्राहक शिकायतों के त्वरित निपटान और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे ग्राहक संतुष्टि बढ़ेगी और बैंक/एनबीएफसी की जवाबदेही मजबूत होगी।

साबरमती से आसमान तक पतंगों की बोली में भारत-जर्मनी की दोस्ती की नई ऊँचाई

कांतिलाल मांडोत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की मुलाकात के बाद यह स्पष्ट संदेश सामने आया कि भारत-जर्मनी साझेदारी बहुआयामी है। यह साझेदारी लोकतांत्रिक मूल्यों, नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और शांतिपूर्ण सहयोग पर आधारित है। रक्षा क्षेत्र में विश्वास, व्यापार में परस्पर लाभ, तकनीक में साझेदारी और संस्कृति में आत्मीयता इन चार स्तंभों पर यह रिश्ता आगे बढ़ रहा है।

साबरमती रिवरफ्रंट से जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने एक साथ पतंग उड़ाई, तो वह दृश्य केवल उत्तरायण के उल्लास का प्रतीक नहीं था, बल्कि भारत-जर्मनी संबंधों की उस उड़ान का संकेत भी था, जो संस्कृति से लेकर रणनीति और व्यापार से लेकर तकनीक तक नए आयाम छू रही है। अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव आईकेएफ-2026 का शुभारंभ एक ऐसे मंच पर हुआ, जहाँ रंगीन पतंगों के साथ-साथ कूटनीति, आर्थिक सहयोग और रक्षा साझेदारी के संदेश भी हवा में घुले हुए थे। अहमदाबाद की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, पोल-हवेलियों की स्थापत्य झलक, पतंग संग्रहालय, संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियाँ इन सबने मिलकर यह बता दिया कि भारत अपनी सांस्कृतिक शक्ति के साथ वैश्विक मित्रताओं को कैसे सशक्त करता है।

उत्तरायण गुजरात की आत्मा से जुड़ा पर्व है। यह केवल पतंगबाजी नहीं, बल्कि सामूहिक उत्सव, लोककला, संगीत और परंपरा का संगम है। जब इसी मंच पर जर्मनी के राष्ट्राध्यक्ष अतिथि के रूप में उपस्थित हुए, तो यह संदेश स्पष्ट था कि भारत अपने मित्र देशों को केवल औपचारिक बैठकों में नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक धड़कन में भी आमंत्रित करता है। पोल और हवेली की प्रतिकृतियाँ, कारीगरों द्वारा पतंग निर्माण का जीवंत प्रदर्शन, गरबा रास, कुचिपुड़ी, भरतनाट्यम और मलखंब जैसी कलाओं की प्रस्तुतियाँ तथा भारतीय और जर्मन धुनों का समन्वय यह सब भारत की सॉफ्ट पावर का प्रभावशाली प्रदर्शन था। ऐसी सांस्कृतिक कूटनीति रिश्तों को केवल समझौतों तक सीमित नहीं रहने देती, बल्कि उनमें भावनात्मक मजबूती भी जोड़ती है।

इसी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के बीच भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी का एक महत्वपूर्ण अध्याय भी सामने आया। रक्षा क्षेत्र में सहयोग को नई ऊँचाई देने वाली प्रोजेक्ट-75 की पनडुब्बी परियोजना इस साझेदारी का प्रतीक बनकर उभरी है। जर्मनी की प्रसिद्ध रक्षा कंपनी थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स और भारत के मझगांव डॉकयार्ड लिमिटेड के बीच पहले से हुए समझौते के तहत छह अत्याधुनिक स्टील्थ पारंपरिक पनडुब्बियों का निर्माण भारत में ही किया जाना प्रस्तावित है। लगभग 8 बिलियन डॉलर, यानी करीब 72 हजार करोड़ रुपये की यह डील भारतीय नौसेना के इतिहास की सबसे बड़ी परियोजनाओं में गिनी जा रही है। इन पनडुब्बियों की खासियत एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन तकनीक है, जो उन्हें लंबे समय तक बिना सतह पर आए समुद्र के भीतर ऑपरेशन करने में सक्षम बनाएगी। कम शोर, अधिक स्टील्थ और लंबी अवधि तक छिपे रहने की क्षमता यही वह गुण हैं, जिनकी भारतीय नौसेना को लंबे समय से तलाश थी।

इस डील का महत्व केवल सैन्य शक्ति तक सीमित नहीं है। इसका सीधा लाभ "मेक इन इंडिया" और "आत्मनिर्भर भारत" अभियानों को मिलता है। निर्माण भारत में होने से देश के रक्षा विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती मिलेगी, कुशल रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और तकनीकी ज्ञान का हस्तांतरण होगा। जर्मनी के लिए यह डील भारत जैसे बड़े और भरोसेमंद साझेदार के साथ दीर्घकालिक सहयोग का अवसर है, जबकि भारत के लिए यह समुद्री सुरक्षा और हिंद महासागर क्षेत्र में रणनीतिक संतुलन को मजबूत करने का साधन बनती है। बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्धा और समुद्री चुनौतियों के दौर में यह साझेदारी भारत की प्रतिरोधक क्षमता को नई धार देती है।

भारत और जर्मनी के रिश्ते केवल रक्षा तक सीमित नहीं हैं। दोनों देशों के बीच आर्थिक और व्यापारिक सहयोग भी निरंतर विस्तार पा रहा है। आज भारत में दो हजार से अधिक जर्मन कंपनियाँ सक्रिय हैं, जो ऑटोमोबाइल, इंजीनियरिंग, रसायन, ऊर्जा, आईटी, नवीकरणीय ऊर्जा और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में काम कर रही हैं। यह संख्या जर्मनी के भारत पर भरोसे और भारत के बढ़ते बाजार सामर्थ्य का प्रमाण है। द्विपक्षीय व्यापार की बात करें तो भारत और जर्मनी के बीच वार्षिक व्यापार लगभग 26 से 30 बिलियन डॉलर के बीच आंका जाता है, और आने वाले वर्षों में इसके और बढ़ने की संभावनाएँ जताई जा रही हैं।

जर्मनी से भारत मुख्य रूप से मशीनरी, औद्योगिक उपकरण, ऑटोमोबाइल और उनके पुर्जे, रसायन, इलेक्ट्रिकल उपकरण, मेडिकल टेक्नोलॉजी और उन्नत इंजीनियरिंग उत्पाद आयात करता है। ये वे क्षेत्र हैं, जहाँ जर्मनी की तकनीकी दक्षता विश्वभर में प्रसिद्ध है। दूसरी ओर भारत जर्मनी को वस्त्र, परिधान, चमड़ा उत्पाद, फार्मास्यूटिकल्स, केमिकल्स, आईटी सेवाएँ, ऑटोमोबाइल कंपोनेंट्स, कृषि-आधारित उत्पाद और इंजीनियरिंग गुड्स का निर्यात करता है। सेवा क्षेत्र में आईटी और डिजिटल समाधान भारत की मजबूत उपस्थिति को दर्शाते हैं, जबकि फार्मा और रसायन क्षेत्र भारत की विनिर्माण क्षमता का उदाहरण हैं।

इस व्यापारिक रिश्ते का लाभ दोनों पक्षों को मिलता है। जर्मनी को भारत जैसे तेजी से बढ़ते बाजार तक पहुँच मिलती है, जहाँ युवा आबादी, बुनियादी ढांचे का विस्तार और औद्योगिक विकास की अपार संभावनाएँ हैं। भारत को जर्मनी से उन्नत तकनीक, गुणवत्ता मानक और नवाचार का लाभ मिलता है, जो घरेलू उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को बढ़ाता है। यही कारण है कि दोनों देश केवल पारंपरिक व्यापार तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि स्टार्टअप्स, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, ग्रीन टेक्नोलॉजी और सस्टेनेबिलिटी जैसे क्षेत्रों में भी साझेदारी को आगे बढ़ा रहे हैं।

कच्छ-सौराष्ट्र जैसे क्षेत्रों में निवेश और व्यापारिक सम्मेलनों के जरिए इस सहयोग को जमीनी स्तर तक ले जाने की कोशिश दिखाई देती है। बी-टू-बी और बी-टू-जी बैठकों में जिस तरह का उत्साह देखने को मिल रहा है, वह बताता है कि स्थानीय उद्यमी, कारीगर, स्टार्टअप्स और तकनीकी विद्यार्थी वैश्विक अवसरों से जुड़ने के लिए तैयार हैं। ऐसे आयोजनों में उद्योग, कृषि, मत्स्य पालन, पर्यटन, पर्यावरण, सस्टेनेबिलिटी और भविष्य की तकनीकों पर संवाद न केवल निवेश को आकर्षित करता है, बल्कि ज्ञान और नवाचार के आदान-प्रदान को भी गति देता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की मुलाकात के बाद यह स्पष्ट संदेश सामने आया कि भारत-जर्मनी साझेदारी बहुआयामी है। यह साझेदारी लोकतांत्रिक मूल्यों, नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और शांतिपूर्ण सहयोग पर आधारित है। रक्षा क्षेत्र में विश्वास, व्यापार में परस्पर लाभ, तकनीक में साझेदारी और संस्कृति में आत्मीयता इन चार स्तंभों पर यह रिश्ता आगे बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव जैसे मंच पर इसका प्रदर्शन इस बात का संकेत है कि भारत अपनी कूटनीति को केवल बंद कमरों तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उसे जन-उत्सवों और सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से जन-जन तक पहुँचाता है।

साबरमती के आसमान में उड़ी पतंगें इस बात की गवाह बनीं कि भारत और जर्मनी के संबंध केवल कागजी समझौतों तक सीमित नहीं हैं। यह एक ऐसी मित्रता है, जो संगीत की लय, नृत्य की मुद्राओं, कारीगरों की कला और रणनीतिक समझौतों आदि सबमें समान रूप से दिखाई देती है। आने वाले वर्षों में जब यह साझेदारी और गहरी होगी, तब शायद इन पतंगों की डोरें नए व्यापारिक मार्गों, नई तकनीकी खोजों और मजबूत रणनीतिक संतुलन से जुड़ी नजर आएँगी। साबरमती से उठा यह दोस्ती का संदेश दूर-दूर तक गया है, और संकेत दे रहा है कि भारत-जर्मनी संबंधों का आकाश अभी और भी विस्तृत होने वाला है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

पाकिस्तान युद्ध के संकेत!

जम्मू-कश्मीर में राजौरी, पुंछ और सांबा के इलाकों में, सीमापार से, 8-10 ड्रोन उड़ते देखे गए। सेना तुरंत हरकत में आई और एंटी ड्रोन सिस्टम सक्रिय किया गया, उतनी ही देर में वे गायब हो गए। सीमा पर भारत की सेना "हाई अलर्ट" की स्थिति में है। हमारे थलसेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को आगाह किया है कि "ऑपरेशन सिंदूर" अब भी जारी है। पाकिस्तान इसके मायने बखूबी जानता है। जनरल द्विवेदी ने यह भी खुलासा किया कि नियंत्रण-रेखा पर 6 और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 2 आतंकी अड्डे सक्रिय देखे गए हैं। उनमें आतंकी गतिविधियां भी देखी गई हैं। यदि पाकिस्तान ने कोई हरकत की, तो इस बार उसका नामोनिशान मिटा दिया जाएगा। यह कोई राजनीतिक बयान नहीं है, बल्कि सेना प्रमुख ने चेतावनी दी है। जनरल ने यह भी बताया कि बीती मई में "ऑपरेशन सिंदूर" के दौरान पाकिस्तान के 100 से अधिक फौजी भी मारे गए थे। हमारी सेना ने पाकिस्तान के 9 लड़ाकू विमान गिराए, 11 एयरबेस तबाह किए और 2 अवॉक्स सिस्टम बर्बाद किए थे। पाकिस्तान का कुल 2.85 अरब डॉलर का नुकसान हुआ था। पाकिस्तान कर्जदार देश है। क्या एक और युद्ध बर्दाश्त कर सकेगा? हमलों में 100 से ज्यादा आतंकी ढेर किए गए और 9 आतंकी अड्डों को "मिट्टी-मलबा" कर दिया था। पाकिस्तान को यह विध्वंस आज भी याद होगा। परमाणु हमले की बातें पाकिस्तान के नेता ही करते हैं, जो पूरी तरह "ब्लफ" है। सिर्फ सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने ही चेतावनी का बयान नहीं दिया है, बल्कि सेना की पश्चिमी कमान के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने भी बीते दिनों युद्ध की आशंका जताई थी। उन्हें पाकिस्तानी फौज की अंदरूनी हलचलों के कुछ "लीड" मिले होंगे, जिनके आधार पर उन्होंने आशंका जताई थी कि पाकिस्तान की तरफ से युद्ध जैसा दुस्साहस किया जा सकता है। बहरहाल हमारी सेनाएं मुस्तैद और सक्रिय हैं, बेशक युद्ध की कैसी भी संभावनाएं बनें। 2025 में कुल 31 आतंकी ढेर किए गए, जिनमें अधिकतर पाकिस्तानी थे। कश्मीर में आज भी "जयचंद" सक्रिय हैं, लिहाजा उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने ऐसे कुल 85 सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से बर्खास्त किया है, जिनके आतंकियों के साथ तार जुड़े थे और यह साबित भी हुआ है। देश का दुर्भाग्य और बुनियादी विडंबना रही है कि कुछ तत्त्व ऐसे सामने आते रहे हैं, जिन्हें पाकिस्तान नाम की खुजली होती रही है।

चिंतन-मनन

जो हो रहा है उसके जिम्मेदार हम खुद हैं

हम मनुष्यों की एक सामान्य सी आदत है कि दु?ख की घड़ी में विचलित हो उठते हैं और परिस्थितियों का कसूरवार भगवान को मान लेते हैं। भगवान को कोसते रहते हैं कि हे भगवान हमने आपका क्या बिगाड़ा जो हमें यह दिन देखना पड़ रहा है। गीता में श्री कृष्ण ने कहा है कि जीव बार-बार अपने कर्मों के अनुसार अलग-अलग योनी और शरीर प्राप्त करता है। यह सिलसिला तब तक चलता है जब तक जीवात्मा परमात्मा से साक्षात्कार नहीं कर लेता। इसलिए जो कुछ भी संसार में होता है या व्यक्ति के साथ घटित होता है उसका जिम्मेदार जीव खुद होता है। संसार में कुछ भी अपने आप नहीं होता है। हमें जो कुछ भी प्राप्त होता है वह कर्मों का फल है। इश्वर तो कमल के फूल के समान है जो संसार में होते हुए भी संसार में लिप्त नहीं होता है। ईश्वर न तो किसी को दुःख देता है और न सुख। इस संदर्भ में एक कथा प्रस्तुत है? गौतमी नामक एक वृद्धा ब्राह्मणी थी। जिसका एक मात्र सहारा उसका पुत्र था। ब्राह्मणी अपने पुत्र से अत्यंत स्नेह करती थी। एक दिन एक सर्प ने ब्राह्मणी के पुत्र को डंस लिया। पुत्र की मृत्यु से ब्रह्मणी व्याकुल होकर विलाप करने लगी। पुत्र को डंसने वाले सांप के ऊपर उसे बहुत प्रोध आ रहा था। सर्प को सजा देने के लिए ब्राह्मणी ने एक सपेरे को बुलाया। सपेरे ने सांप को पकड़ कर ब्राह्मणी के सामने लाकर कहा कि इसी सांप ने तुम्हारे पुत्र को डंसा है, इसे मार दो। ब्राह्मणी ने संपरे से कहा कि इसे मारने से मेरा पुत्र जीवित नहीं होगा। सांप को तुम्ही ले जाओ और जो उचित समझो सो करो। संपेरा सांप को जंगल में ले आया। सांप को मारने के लिए संपेरे ने जैसे ही पत्थर उठाया, सांप ने कहा मुझे क्यों मारते हो, मैंने तो वही किया जो काल ने कहा था। संपेरे ने काल को ढूंढा और बोला तुमने सर्प को ब्राह्मणी के बच्चे को डंसने के लिए क्यों कहा। काल ने कहा ब्राह्मणी के पुत्र का कर्म फल यही था। मेरा कोई कसूर नहीं है। सपेरा कर्म के पहुंचा और पूछा तुमने ऐसा बुरा कर्म क्यों किया। कर्म ने कहा मुझ से क्यों पूछते हो, यह तो मरने वाले से पूछो मैं तो जड़ हूं। इसके बाद संपेरा ब्राह्मणी के पुत्र की आत्मा के पास पहुंचा। आत्मा ने कहा सभी ठीक कहते हैं। मैंने ही वह कर्म किया था जिसकी वजह से मुझे सर्प ने डंसा, इसके लिए कोई अन्य दोषी नहीं है।

ट्रंप के दौर में अमेरिका का लोकतंत्र खतरे में?

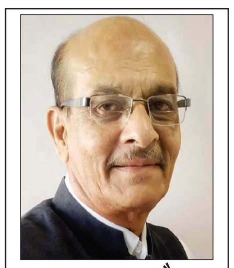

सनत कुमार जैन

यूरोपीय देशों में निराशा, बेरोजगारी और महंगाई...

अमेरिका लंबे समय से स्वयं को दुनिया के सबसे मजबूत आर्थिक एवं लोकतांत्रिक देश के रूप में प्रस्तुत करता रहा है। डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद से उनकी छवि पर गंभीर सवाल सारी दुनिया में खड़े हो गए हैं। ट्रंप ने न सिर्फ अमेरिका की वरन अंतरराष्ट्रीय संस्थागत मयार्दाओं को चुनौती देने का काम किया है। अमेरिका की चुनावी प्रक्रिया, न्यायपालिका, मीडिया और लोकतांत्रिक परंपराओं, वैश्विक व्यापार संधि और वैश्विक संस्थाओं पर सीधा हमला किया है । 2020 का राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद अब वह एक तानाशाह की तरह व्यवहार कर रहे हैं। 6 जनवरी 2021 को कैपिटल हिल पर हुआ हमला इस बात का प्रमाण है। ट्रंप की सत्ता की लालसा उन्हें किस हद तक ले जाकर लोकतंत्र को कमजोर करने का काम कर रही है। उक्त घटना केवल अमेरिका की आंतरिक समस्या नहीं थी। वैश्विक लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए भी यह एक चेतावनी थी। ट्रंप की राजनीति ने अमेरिकी समाज को गहरे अंधेरे में धकेल दिया है। नस्ल, धर्म, प्रवासियों और राष्ट्रवाद के मुद्दों पर उग्र बयानबाजी ने ट्रंप और अमेरिका की असहिष्णुता को बढ़ावा दिया है। अमेरिका फर्स्ट की नीति ने अंतरराष्ट्रीय सहयोग और व्यापार को लेकर अमेरिका को सारी दुनिया में कमजोर करने का काम किया है। बहुपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं पर अमेरिका की विश्वसनीयता लगभग खत्म हो गई है। जब दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश ही लोकतांत्रिक मूल्यों को मानने से इंकार करे, तो उसका असर स्वाभाविक रूप से दुनिया के अन्य देशों पर भी पड़ता है।

अब इसका प्रभाव यूरोप में भी नजर आने लगा है। कई यूरोपीय देशों में दक्षिणपंथी और राष्ट्रवादी ताकतें मजबूत होना शुरू हो गई हैं। जिसके कारण लोकतंत्र और मानव अधिकार को लेकर भरोसा कमजोर हो रहा है। युवा पीढ़ी भविष्य को लेकर गहरी निराशा में है। बेरोजगारी, महंगाई और आर्थिक असमानता ने युवाओं को असुरक्षा की भावना से भर दिया है। कोविड महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध, ऊर्जा संकट ने यूरोप की अर्थव्यवस्था को झकझोर दिया है। इस कारण जीवन-यापन की मुश्किलें बढ़ती चली जा रही हैं। रोजगार के अवसर भी बड़ी तेजी के साथ कम होते जा रहे हैं। यूरोप के युवा सवाल पूछ रहे हैं, क्या लोकतांत्रिक सरकारें उनकी समस्याओं का समाधान कर पाएंगी? आज विश्व के 60 से ज्यादा देशों में अपनी ही सरकार के खिलाफ लोग उग्र प्रदर्शन कर रहे हैं। सरकारें महंगाई रोकने, स्थायी रोजगार देने और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने में असफल साबित हो रही हैं। ऐसी स्थिति में कट्टरपंथी विचार धाराओं का तेजी से विस्तार हो रहा है। यही स्थिति अमेरिका में भी देखी जा रही है। आर्थिक असुरक्षा और असंतोष को ट्रंप राजनीतिक ताकत से दबाने की कोशिश कर रहे हैं। वर्तमान में आवश्यकता है, अमेरिका और यूरोप जैसे देश अपने लोकतांत्रिक संस्थानों को मजबूत करें। आम जनता के प्रति पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाएं। आम लोगों की तथा युवाओं की आर्थिक चिंताओं को प्राथमिकता देकर उनका निराकरण करें।

लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का माध्यम नहीं है। नागरिकों को सम्मान, सुरक्षा और भविष्य की उम्मीद की व्यवस्था लोकतांत्रिक शासन प्रणाली है। यदि यह भरोसा टूटता है, तो खतरे में सिर्फ अमेरिका नहीं, बल्कि पूरी वैश्विक लोकतांत्रिक व्यवस्था खतरे में पड़ सकती है। 1995 में आर्थिक व्यापार संधि के बाद वैश्विक स्तर पर दुनिया के सारे देश एक दूसरे के बहुत करीब आए थे। पूरी सोच बदल गई थी। पिछले दो दशक में दुनिया के सभी देशों में कर्ज को लेकर आर्थिक जरूरतें पूरी करने की जो मुहिम चल रही थी वह अब कर्ज के बोझ से बुरी तरह से दब चुकी है। सारी दुनिया में आर्थिक मंदी का खतरा बड़ी तेजी के साथ फैलता हुआ नजर आ रहा है। ऐसी स्थिति में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से अमेरिका फर्स्ट और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की उपेक्षा करते हुए मनमानी कर रहे हैं, सारी दुनिया के देशों को टैरिफ के भय तथा अमेरिका की ताकत के आगे झुकाने का प्रयास कर रहे हैं। इसका खामीयाजा अमेरिका को भुगतना पड़ सकता है। यही गलती एक समय पर सोवियत रूस ने की थी। वही गलती अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप करते हुए दिख रहे हैं।

शब्द, संवेदना और संस्कृति का संगमः दिल्ली पुस्तक मेला-2026

सुनील कुमार महला

स्वामी विवेकानंद जी ने यह बात कही है कि- पुस्तकें वह दीपक हैं जो अज्ञान के अंधकार को दूर करती हैं।वास्तव में सच तो यह है कि पुस्तकें मनुष्य की सबसे सच्ची मित्र होती हैं, जो बिना कुछ कहे हमें जीवन का सही मार्ग दिखाती हैं। अच्छी किताबें ज्ञान का भंडार होती हैं और अज्ञान के अंधकार को दूर कर सोचने-समझने की शक्ति विकसित करती हैं। वे अनुभवों, विचारों और संस्कारों से हमें समृद्ध बनाती हैं तथा जीवन भर हमारा साथ निभाती हैं। सच ही कहा गया है कि पढ़ने की आदत मनुष्य के व्यक्तित्व को निखारती है और उसे बेहतर इंसान बनाती है। वहीं पर पुस्तक मेला ज्ञान, विचारों और संस्कृति के आदान-प्रदान का जीवंत मंच होता है, जहां पाठकों को नई-पुरानी पुस्तकों, लेखकों और प्रकाशकों से सीधे जुड़ने का अवसर मिलता है। यह पठन-पाठन की रुचि को बढ़ावा देकर समाज में बौद्धिक चेतना को मजबूत करता है। साथ ही, पुस्तक मेला साहित्य, शिक्षा और रचनात्मकता को जन-जन तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाता है। इस क्रम में,हाल ही में नई दिल्ली के भारत मंडपम (प्रगति मैदान) में आयोजित दिल्ली विश्व पुस्तक मेला-2026 (53वां संस्करण) दुनिया के सबसे बड़े पुस्तक मेलों में से एक है। यह भव्य आयोजन 10 जनवरी 2026 से 18 जनवरी 2026 तक, कुल 9 दिनों के लिए आयोजित किया जा रहा है। इस विशाल साहित्यिक उत्सव का आयोजन भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संस्था राष्ट्रीय पुस्तक ट्रस्ट (एनबीटी) द्वारा भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) के सहयोग से किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि न्यू दिल्ली वर्ल्ड बुक फेयर का 53वां संस्करण भी शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय पुस्तक ट्रस्ट की ओर से ही आयोजित किया गया है।पाठकों को बताना चाहूंगा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने 10 जनवरी 2026 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में न्यू दिल्ली वर्ल्ड बुक फेयर 2026 का विधिवत उद्घाटन किया। उद्घाटन अवसर पर उन्होंने पुस्तक 'द सागा ऑफ कुडोपालीः 1857 की अनकही कहानी' का विमोचन किया, जिसे हिंदी सहित कई भारतीय भाषाओं और स्पेनिश भाषा में प्रकाशित किया गया है। यह पुस्तक ओडिशा के संबलपुर क्षेत्र में वीर सुरेंद्र साई के नेतृत्व में हुए ऐतिहासिक विद्रोह और शहीदों के बलिदान को सम्मानित करती है। इस वर्ष का पुस्तक मेला कई मायनों में विशेष है, क्योंकि पहली बार प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है। मेले में 30 से अधिक देशों के 1000 से ज्यादा प्रकाशक और लगभग 3000 स्टॉल शामिल हैं, जहाँ हिंदी, अंग्रेजी सहित अन्य भारतीय और विदेशी भाषाओं की पुस्तकों का विशाल संग्रह उपलब्ध है। इस बार मेले की मुख्य थीम -'भारतीय सैन्य इतिहासः वीरता और बुद्धिमत्ता @75' (इंडियन मिलिट्री हिस्ट्रीःवेलोर एंड विज्डम) रखी गई है, जिसके अंतर्गत भारतीय सशस्त्र बलों के शौर्य, इतिहास और योगदान को साहित्य और प्रदर्शनी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। थीम मंडप लगभग 1000 वर्ग मीटर में फैला एक अत्याधुनिक इमर्सिव (त्रि-आयामी) अनुभव प्रदान करता है, जहाँ भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के 75 वर्षों के गौरवशाली इतिहास को जीवंत रूप में दशार्या गया है। यहाँ अर्जुन टैंक, आईएनएस विक्रांत और एलसीए तेजस के आदमकद मॉडल प्रदर्शित किए गए हैं, जो मेले के प्रमुख आकर्षण हैं। साथ ही, देश के 21 परमवीर चक्र विजेताओं को विशेष श्रद्धांजलि भी दी गई है।इस पुस्तक मेले में 600 से अधिक साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम, लेखक संवाद, कवि सम्मेलन तथा बच्चों के लिए विशेष गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं, जिससे यह मेला लेखकों, प्रकाशकों और पाठकों के लिए एक भव्य साहित्यिक उत्सव बन गया है। आज के डिजिटल, सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में जब पुस्तकों के प्रति रुचि कम होती जा रही है, ऐसे समय में यह मेला विशेष रूप से युवाओं (जेन-जेड) और बच्चों में पठन संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।मेले में कला और संस्कृति, इतिहास, सिनेमा, व्यक्तित्व और जीवनियाँ, भूमि और लोग, गांधीवादी साहित्य तथा बाल साहित्य जैसे विविध विषयों पर पुस्तकें उपलब्ध हैं। प्रीमियम पुस्तकों की श्रेणी में 'राष्ट्रपति भवन श्रृंखला', राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के चयनित भाषण, महात्मा गांधी की रचनाएँ तथा पंडित मदन मोहन मालवीय की रचनाएँ विशेष रूप से शामिल हैं। पुस्तकों के समृद्ध संग्रह के साथ-साथ सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का प्रकाशन विभाग भी मेले में अपनी प्रसिद्ध पत्रिकाएँ योजना, कुरुक्षेत्र, आजकल और बाल भारती प्रदर्शित कर रहा है। इसके अतिरिक्त, आगंतुक यहाँ से रोजगार समाचार की वार्षिक सदस्यता भी खरीद सकते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला एक अत्यंत लोकप्रिय और प्रतिष्ठित आयोजन है, जिसमें देश-विदेश के नामचीन प्रकाशक भाग लेते हैं। यहाँ पुस्तक विमोचन, लेखक से मिलने के कार्यक्रम, युवाओं और बच्चों के लिए विशेष गतिविधियाँ तथा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आयोजित की जाती हैं, जिनका आगंतुक भरपूर आनंद लेते हैं। कालजयी कृतियों से लेकर समकालीन लेखन, बाल साहित्य, अनुवाद और विचारोत्तेजक चचाओं तक, यह मेला प्रकाशकों, लेखकों और पाठकों को एक जीवंत मंच पर एकत्र करता है।वास्तव में, पुस्तकें ज्ञान की वाहक होती हैं, जो पीढ़ियों को जोड़ती हैं, सभ्यताओं की स्मृतियों को संजोती हैं और समाज को दिशा देती हैं। इसी कारण किसी भी पुस्तक मेले का सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व अत्यंत व्यापक होता है। पिछले कई वर्षों से दिल्ली में आयोजित यह पुस्तक मेला विश्वभर के प्रकाशकों के लिए एक प्रतिष्ठित और विश्वसनीय मंच बन चुका है। जानकारी के अनुसार, इस बार मेले में करीब 20 लाख से अधिक पाठकों के आने की उम्मीद है। इस मेले का प्रमुख उद्देश्य ज्ञान का लोकतंत्रीकरण करना है, ताकि निःशुल्क प्रवेश के माध्यम से आर्थिक स्थिति किसी के पठन और शिक्षा के मार्ग में बाधा न बने। साथ ही, डिजिटल और पारंपरिक पठन के संगम को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय के माध्यम से डिजिटल रीडिंग को प्रोत्साहित किया जा रहा है। मेले में लगाए गए डिजिटल कियोस्क से पाठक 6000 से अधिक निःशुल्क ई-बुक्स क्यूआर कोड स्कैन कर सीधे अपने मोबाइल फोन में डाउनलोड कर सकते हैं।इस वर्ष कतर को 'अतिथि देश' (गेस्ट आफ आनर) बनाया गया है, जिसका पवेलियन कतर की पारंपरिक वास्तुकला पर आधारित है, जबकि स्पेन को 'फोकस कंट्री' के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जहाँ स्पेनिश साहित्य और नवाचार पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसके अलावा, 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष और सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में विशेष प्रदर्शनियाँ भी लगाई गई हैं। वहीं पीएम-युवा 3.0 योजना के अंतर्गत 22 भारतीय भाषाओं के युवा लेखकों को मेंटरशिप और अपनी पुस्तकों के प्रदर्शन का अवसर प्रदान किया जा रहा है। अंत में यही कहूंगा कि दिल्ली पुस्तक मेला 2026 साहित्य, संस्कृति और पठन-परंपरा के क्षेत्र में एक सफल, प्रेरक और ऐतिहासिक आयोजन के रूप में उभरा है। भारत मंडपम में आयोजित किए जा रहे इस पुस्तक मेले में देश-विदेश के प्रकाशकों, लेखकों और पाठकों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिल रही है। निःशुल्क प्रवेश की व्यवस्था ने सभी वर्गों के लोगों को पुस्तकों से जोड़ने का अवसर दिया है, जिससे पाठक संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कुल मिलाकर, दिल्ली पुस्तक मेला 2026 न केवल पुस्तक उद्योग को नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है, बल्कि समाज और युवाओं में पठन संस्कृति को सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

थाईलैंड में क्रेन गिरने के कारण पटरी से उतरी ट्रेन, 22 लोगों की मौत ; 30 घायल

बैंकाक, एजेंसी। थाईलैंड में एक बड़ा रेल हादसा हुआ है। दरअसल राजधानी बैंकॉक से थाईलैंड के उत्तर पश्चिमी प्रांत जा रही एक ट्रेन पर निर्माणाधीन साइट की क्रेन गिर गई। इसके बाद ट्रेन भी पटरी से उतर गई। इस हादसे में 22 लोगों की मौत हुई है और करीब 30 लोग घायल हैं। ये दुर्घटना बुधवार सुबह थाईलैंड के सिखियो जिले में हुई। यह क्षेत्र राजधानी बैंकॉक से करीब 230 किलोमीटर दूर है। क्रेन गिरने के चलते ट्रेन पटरी से उतर गई और उसमें आग लग गई। फिलहाल आग को बुझा लिया गया है और बचाव कार्य चल रहा है। हादसे के बाद राहत और बचाव कार्यों का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि बचाव कर्मी हादसाग्रस्ट ट्रेन को काटकर घायल लोगों को निकाल रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, हादसे का शिकार हुई ट्रेन में 195 यात्री सवार थे। हालांकि ये आंकड़ा ट्रेन में सीटों के आधार पर बताया गया है और ट्रेन में असल में कितने यात्री सवार थे, इसका आंकड़ा अलग हो सकता है। थाईलैंड सरकार ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। हादसा बुधवार सुबह 9 बजे के करीब हुआ।

ट्रंप के हमले का दिखने लगा असर, वेनेजुएला ने रिहा किए जेल में बंद अमेरिकी नागरिक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने 2 से 3 जनवरी की दरमियानी रात वेनेजुएला पर एक विस्फोटक हमला किया था। अमेरिकी सेना इस हमले में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोर्स को गिरफ्तार कर स-ले गई थी। अमेरिका के इस हमले के 12 दिन बाद ही वेनेजुएला ने जेल में बंद अमेरिकी नागरिकों को रिहा कर दिया है। ट्रंप प्रशासन ने वेनेजुएला के इस फैसले का स्वागत किया है। अमेरिकी सरकार ने मंगलवार 13 जनवरी को बताया कि वेनेजुएला में हिरासत में लिए गए कई अमेरिकी नागरिकों को रिहा कर दिया गया है। विदेश विभाग ने कहा, हम वेनेजुएला में हिरासत में लिए गए अमेरिकी नागरिकों की रिहाई का स्वागत करते हैं। यह अंतरिम अधिकारियों का सही दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। वेनेजुएला की राष्ट्रीय विधानसभा के प्रमुख जॉर्ज रोड्रिगेज ने अमेरिका के हमले के बाद एक बड़ा एलान किया था। रोड्रिगेज ने कहा था, मादुरो को सत्ता से हटाने वाले सैन्य अभियान के बाद शांति स्थापित करने के प्रयास में देश में कैद वेनेजुएला और अन्य विदेशी नागरिकों की काफी संख्या को रिहा किया जाएगा। वेनेजुएला के मानवाधिकार समूह फोरम पेनाल ने मंगलवार शाम तक बताया कि राजनीतिक कारणों से हिरासत में लिए गए 56 कैदियों को रिहा कर दिया गया है। समूह ने रिहाई को लेकर सरकार की पारदर्शिता की कमी की आलोचना की। वेनेजुएला सरकार ने संगठन के इस आंकड़े को खारिज करते हुए मंगलवार दोपहर को इन कैदियों की संख्या 400 बताई।

विनाशकारी नतीजे..., ईरान में प्रदर्शनकारियों को ट्रंप की मदद के दावे पर रूस की कड़ी चेतावनी

मॉस्को , एजेंसी। ईरान में जारी सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। ट्रंप ने ईरानी प्रदर्शनकारियों से सड़कों पर डटे रहने की अपील करते हुए कहा कि मदद रास्ते में है। इसके तुरंत बाद रूस ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी और कहा कि ईरान के खिलाफ किसी भी नए सैन्य कदम के विनाशकारी नतीजे होंगे। रूस के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका को सख्त शब्दों में आगाह किया कि ईरान के खिलाफ नए सैन्य हमलों की धमकियां पूरी तरह अस्वीकार्य हैं। मंत्रालय ने कहा कि बाहरी ताकतों द्वारा प्रेरित अशांति को बहाना बनाकर अगर फिर से हमला किया गया, तो इससे मध्य पूर्व और वैश्विक सुरक्षा पर गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा। रूस ने इसे ईरान के आंतरिक मामलों में विध्वंसक हस्तक्षेप करार दिया। ईरान में बीते कई हफ्तों से सरकार विरोधी प्रदर्शन चल रहे हैं। रिपोर्टों के अनुसार, सुरक्षाबलों की कार्रवाई में करीब 2,000 लोगों की मौत हो चुकी है। हालात को काबू में रखने के लिए सरकार ने कड़े कदम उठाए हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकारों को लेकर चिंता बढ़ी है। अमेरिका लगातार इन प्रदर्शनों को नैतिक समर्थन देता रहा है। रूस की चेतावनी और ट्रंप के बयान के बाद यह साफ है कि ईरान का मुद्दा सिर्फ एक देश तक सीमित नहीं रहा। मध्य पूर्व पहले ही अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है। अगर अमेरिका सैन्य कदम उठाता है, तो इसका असर सिर्फ ईरान तक नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र और वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था पर पड़ सकता है। आने वाले दिनों में यह देखना अहम होगा कि कूटनीति हावी रहती है या टकराव का रास्ता चुना जाता है।

टैरिफ से बदली अमेरिका की तस्वीर? ट्रंप ने बताया कैसे कुछ महीनों में ही व्यापार घाटे को किया कम

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका की आर्थिक नीतियों को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर आक्रामक रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि टैरिफ नीति के चलते अमेरिका की अर्थव्यवस्था ने तेजी से करवट बदली है। ट्रंप का दावा है कि कुछ ही महीनों में रिकॉर्ड स्तर का व्यापार घाटा घटा है और शेयर बाजार ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच गया है। उनके मुताबिक, यह बदलाव उनकी सरकार की सख्त टैरिफ रणनीति का सीधा नतीजा है।

ट्रंप ने अपने बयान में कहा कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में अमेरिका ने हर साल एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक का व्यापार घाटा झेला। लेकिन चुनाव नतीजों और टैरिफ से होने वाली आय के कारण यह घाटा कम समय में घटाया गया। ट्रंप ने इसे अमेरिका को मजबूत और शक्तिशाली बनाने वाली नीति बताया और कहा कि पिछली पीढ़ियों में भी टैरिफ ने देश को आर्थिक ताकत दी थी।

क्यों टैरिफ को बता रहे हैं कामयाबी की वजह : ट्रंप का कहना है कि टैरिफ लागू होने से विदेशी उत्पादों पर निर्भरता घटी और घरेलू उद्योगों को बढ़ावा मिला। उनके

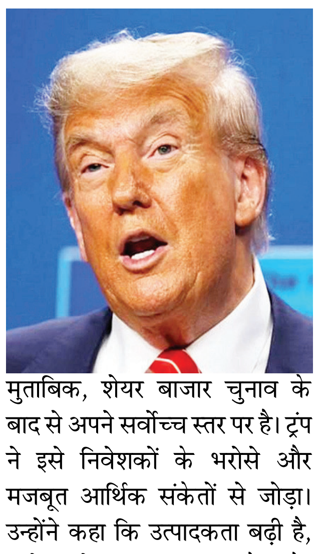

मुताबिक, शेयर बाजार चुनाव के बाद से अपने सर्वोच्च स्तर पर है। ट्रंप ने इसे निवेशकों के भरोसे और मजबूत आर्थिक संकेतों से जोड़ा। उन्होंने कहा कि उत्पादकता बढ़ी है, निवेश में उछाल आया है और आमदनी में सुधार दिख रहा है।

ऑटो सेक्टर पर असर : ट्रंप ने विदेशी ऑटोमोबाइल पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के फैसले को बड़ा कदम बताया। उनका दावा है कि इससे अमेरिकी ऑटो उद्योग में 70 अरब डॉलर से अधिक का नया निवेश आया है। खास तौर पर डेट्रॉयट, जिसे कार निर्माण की राजधानी माना जाता है, वहां निवेश तेज हुआ है। ट्रंप के मुताबिक, कंपनियां अब अमेरिका में कारें बनाना चाहती हैं, न कि बाहर।

व्यापार घाटा घटने का दावा कितना अहम : ट्रंप ने कहा कि व्यापार घाटा घटाना उनकी प्राथमिकता रही है। उनके मुताबिक, टैरिफ से आय बढ़ी और आयात पर निर्भरता कम हुई। इससे अमेरिकी उद्योगों को प्रतिस्पर्धा में फायदा मिला। ट्रंप का यह भी कहना है कि उनकी नीतियों से अमेरिका को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिर से सम्मान मिला है। ट्रंप के बयान ऐसे समय आए हैं, जब वैश्विक व्यापार पर टैरिफ को लेकर बहस तेज है। समर्थकों का मानना है कि टैरिफ से घरेलू उद्योग मजबूत होंगे, जबकि आलोचक महंगाई और व्यापार तनाव की आशंका जता रहे हैं। ट्रंप ने हालांकि साफ किया कि वह अपनी नीति पर कायम रहेंगे और इसे अमेरिका के हित में जरूरी मानते हैं।

आदर्श स्थिति में अमेरिका ईरान में लोकतंत्र देखना चाहता : ईरान में जारी राजनीतिक अस्थिरता और सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बार फिर ईरान को लेकर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने कहा कि आदर्श स्थिति में अमेरिका ईरान में लोकतंत्र देखना चाहता है। उनका कहना है कि ईरानी लोगों को लंबे समय से दमन और भय में जीना पड़ रहा है और अब उन्हें आज़ादी मिलनी चाहिए। ट्रंप से जब पूछा गया कि क्या वह ईरान में लोकतंत्र देखना चाहते हैं, तो उन्होंने साफ कहा कि अमेरिका नहीं चाहता कि वहां लोगों की हत्या हो। ट्रंप के मुताबिक, ईरान के आम लोग लंबे समय से नरक जैसी जिंदगी जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया को यह देखना चाहिए कि ईरानी नागरिकों को थोड़ी आजादी और सम्मान मिले। ईरान के सुरक्षा प्रमुख अली लारीजानी ने ट्रंप पर हमला बोलते हुए कहा कि ट्रंप और नेतन्याहू ईरानी जनता के मुख्य हत्यारे हैं। लारीजानी ने आरोप लगाया कि अमेरिका और इस्राइल की नीतियों की वजह से ईरान में हालात बिगड़े हैं और निर्दोष लोगों की जान जा रही है। उन्होंने ट्रंप के लोकतंत्र संबंधी बयान को पाखंड करार दिया।

ईरान में हालात कितने गंभीर हैं : ईरान में बीते कई हफ्तों से सरकार विरोधी प्रदर्शन चल रहे हैं। रिपोर्टों के अनुसार, सुरक्षाबलों की कार्रवाई में करीब 2,000 लोगों की मौत हो चुकी है। हालात को काबू में रखने के लिए सरकार ने कड़े कदम उठाए हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकारों को लेकर चिंता बढ़ी है। अमेरिका लगातार इन प्रदर्शनों को नैतिक समर्थन देता रहा है।

सिंगापुर का पासपोर्ट दुनिया में सबसे शक्तिशाली, 192 देशों तक पहुँच

सिंगापुर, एजेंसी। 2026 में दुनिया के पासपोर्ट की ताकत का नया आंकड़ा आया है। ये दिखाता है कि ग्लोबल मोबिलिटी की खाई और बड़ी हो गई है। हेन्ली पासपोर्ट इंडेक्स के मुताबिक, कूटनीति, आर्थिक ताकत और राजनीतिक स्थिरता ने इस रैंकिंग को पूरी तरह बदल दिया है। सिंगापुर ने एक बार फिर दुनिया का सबसे मजबूत पासपोर्ट का ताज अपने नाम किया है, जबकि कई यूरोपीय देश पीछे छूटते नजर आ रहे हैं। ये इंडेक्स बताता है कि पासपोर्ट कितनी जगहों पर बिना वीजा के घूमने की आजादी देता है।

सिंगापुर टॉप पर, एशिया की बढ़त बरकरार : सिंगापुर का पासपोर्ट दुनिया में नंबर 1 है। इसके धारक 192 देशों में बिना पहले वीजा लिए जा सकते हैं। ये लगातार कई सालों से टॉप पर बना हुआ है। जापान और साउथ कोरिया संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर हैं, दोनों के पासपोर्ट से 188 जगहों पर वीजा-फ्री एंट्री मिलती है। वहीं तीसरे स्थान पर डेनमार्क, लक्जमबर्ग, स्पेन, स्वीडन और स्विट्जरलैंड हैं, हर एक से 186 डेस्टिनेशन वीजा-फ्री हैं। चौथे नंबर पर 10 यूरोपीय देश टाई हैं। इनमें ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, आयरलैंड, इटली, नीदरलैंड्स और नॉर्वे शामिल हैं। इनके पासपोर्ट से 185 जगहों पर आसानी से घूमा जा सकता है। पांचवें स्थान पर हंगरी, पुर्तगाल, स्लोवाकिया, स्लोवेनिया और यूएई हैं, जहां 184 डेस्टिनेशन वीजा-फ्री हैं। भारत का पासपोर्ट 2026 में 80वें स्थान पर है। भारतीय पासपोर्ट धारक अब 55 देशों में वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-अराइवल जा सकते हैं। पिछले साल यानी 2025 में भारत 85वें स्थान पर था, तो ये पांच पायदानों की बढ़त है। भारत अभी भी ग्लोबल औसत से काफी नीचे है और कई उभरते देशों से पीछे चल रहा है। ज्यादा तर देशों में भारतीयों को पहले वीजा लेना पड़ता है।

दुनिया का सबसे कमजोर पासपोर्ट : इस लिस्ट में सबसे निचले पायदान पर अफगानिस्तान है। इसका पासपोर्ट सिर्फ 24 जगहों पर वीजा-फ्री एक्सेस देता है। सिंगापुर से तुलना करें तो ये गैप 168 डेस्टिनेशन का है। ये अंतर युद्ध, अस्थिरता और कम डिप्लोमैटिक रिश्तों की वजह से है। दुनिया में अमीर और गरीब देशों के बीच यात्रा की आजादी का फर्क लगातार बढ़ रहा है। दुनिया का सबसे भरोसेमंद पासपोर्ट रैंकिंग है। ये बताता है कि किसी पासपोर्ट से कितने देशों में बिना पहले वीजा के जा सकते हैं। ये डेटा इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन से लिया जाता है। 20 साल से ज्यादा का इतिहास होने की वजह से सरकारें, नीति निर्माता और आम लोग इसे ट्रैवल फ्रीडम का बेंचमार्क मानते हैं। ये इंडेक्स हर साल जनवरी में अपडेट होता है।

अमेरिका के बाद इस्राइल ने भी यूएन की कई एजेंसियों से तोड़ा नाता

तेल अवीव , एजेंसी। अमेरिका के बाद इस्राइल ने भी खुद को संयुक्त राष्ट्र की कई एजेंसियों से अलग कर लिया है। इस्राइल ने अपने इस कदम की वजह बताते हुए कहा कि ये एजेंसियां लगातार उसके प्रति पक्षपात कर रहीं थीं और राजनीति कर रहीं थीं। बीते हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों और संधियों से अमेरिका को अलग कर लिया था। इनमें से आधे संगठन संयुक्त राष्ट्र के थे। ट्रंप ने आरोप लगाया कि ये एजेंसियां अमेरिका के हितों के खिलाफ काम कर रही हैं। इस्राइली विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर क्या कहा? इस्राइल के विदेश विभाग ने एक बयान जारी कर कहा, अमेरिका के संयुक्त राष्ट्र के कई संगठनों से हटने के बाद हमने भी समीक्षा की। जिसके बाद इस्राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने तय किया कि इस्राइल तुरंत प्रभाव से संयुक्त राष्ट्र और कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अपने नाते तोड़ रहा है। साथ ही विदेश मंत्री ने मंत्रालय को निर्देश दिया है कि अन्य एजेंसियों के साथ ही संबंधों की समीक्षा की जा रही है और विचार-विमर्श के बाद आगे का फैसला लिया जाएगा। इस्राइल ने यूएन के जिन संगठनों से नाता तोड़ा है, उनमें चिल्ड्रन एंड आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट ऑफिस, यूएन वुमन, यूएन कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रेड एंड डेवलपमेंट, यूएन इकॉनोमिक एंड सोशल कमीशन फॉर वेस्टर्न एशिया, यूएन अलायंस ऑफ सिविलाइजेशन, यूएन एनर्जी और माइग्रेशन एंड डेवलपमेंट ग्लोबल फोरम जैसे संगठन शामिल हैं। इस्राइल सरकार ने बताया कि चिल्ड्रन एंड आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट ने इस्राइली सेना को, हमास, फलस्तीन के साथ काली सूची में डाला हुआ है। ऐसे में इस्राइल ने इस संगठन से हटने का फैसला किया है। इस्राइल ने जून 2024 में इस संगठन से रिश्ते तोड़े हुए थे और अब आधिकारिक रूप से इस संगठन से हटने का एलान कर दिया है। यूएन वुमन संगठन द्वारा इस्राइली महिलाओं के साथ हमास द्वारा किए गए यौन शोषण को नजरअंदाज करने के चलते इस्राइल की सरकार ने इस संगठन से हटने का तय किया है।

कनाडा के पीएम का चीन दौरा बेहद खास, क्या अमेरिका के सहयोगियों को तोड़ने की कोशिश कर रहा बीजिंग?

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री बुधवार चीन दौरे पर पहुंच गए। कनाडा के पीएम का चीन दौरा वैश्विक राजनीति में बदलते परिदृश्य का उदाहरण है क्योंकि कई वर्षों के बाद कनाडा के पीएम चीन दौरे पर पहुंचे हैं। वहीं चीन भी इस मौके को भुनाने की ताक में है और उसने कनाडा को उसके करीबी सहयोगी अमेरिका से दूर करने की कोशिशें शुरू कर दी हैं। चीन के सरकारी मीडिया में क्या लिखा जा रहा है? चीन के सरकारी मीडिया ने कनाडा की सरकार से अपील की है कि वे अमेरिका से स्वतंत्र विदेश नीति अपनाएं, जिसे रणनीतिक स्वायत्ता कहते हैं। चीन के सरकारी अखबार चाइना डेली ने अपने एक संपादकीय में लिखा कि अगर कनाडाई पक्ष पिछले कुछ वर्षों में द्विपक्षीय संबंधों में आई गिरावट के मूल कारणों पर विचार करती है तो

उसे एहसास होगा कि वह चीन से जुड़े मुद्दों को संभालते समय अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए बन सकता है। अगर ओटावा भविष्य में भी अपनी चीन नीति को वॉशिंगटन की मर्जी के हिसाब से चलाता है, तो बीजिंग के साथ रिश्ते सुधारने की उसकी पिछली सारी कोशिशें बेकार हो जाएंगी। वहीं ग्लोबल टाइम्स ने लिखा कि अमेरिका का बिना सोचे-विचारे सहयोग करने और चीन पर उच्च टैरिफ लगाने के बाद अब लगता है कि कनाडा की रणनीतिक स्वायत्ता की समझ जाग रही है। हालांकि कनाडा के अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि कार्नी की चीन यात्रा से दोनों देशों के बीच व्यापार मजबूत होने की उम्मीद है, लेकिन इससे कनाडा द्वारा लगाए गए टैरिफ हटेंगे या नहीं ये अभी तय नहीं है।

अमेरिका से खराब रिश्तों के चलते चीन को दिख रहा अवसर : दरअसल कनाडा, लंबे समय से अमेरिका का करीबी सहयोगी है। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक विदेश नीति और टैरिफ के चलते अमेरिका और कनाडा के रिश्तों में भी इन दिनों थोड़ी तल्खी है। ट्रंप ने कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कही है। जो बाइडन के कार्यकाल में अमेरिका ने यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, भारत, कनाडा और अन्य देशों के साथ मिलकर चीन को घेरने की रणनीति बनाई थी। हालांकि अब ट्रंप के समय में अमेरिका जिस तरह से मनमानी कर रहा है, उसमें चीन को अपने लिए अवसर दिख रहे हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का चीन दौरा व्यापार पर फोकस है और कनाडा भी अब अमेरिका से इतर अपने लिए बाजार ढूंढ रहा है और अमेरिका पर अपनी निर्भरता को कम कर रहा है। यही वजह है कि कनाडा और चीन के रिश्ते फिर से बेहतर हो रहे हैं, जो कि जस्टिन ट्रुडो सरकार में खराब थे।

आपने 40 साल से आतंकवाद पर चुप्पी साध रखी है, भारत ने कनाडा को दिखाया आईना

टोरंटो , एजेंसी। कनाडा में भारत के हाई कमिश्नर दिनेश पटनायक खालिस्तानी आतंकवादियों को लेकर तीखा हमला बोला है। कनाडा के सरकारी चैनल सीबीसीपर मंगलवार को दिए इंटरव्यू पटनायक ने कहा कि कनाडा ने पिछले 40 सालों में अपनी जमीन पर चल रही आतंकी गतिविधियों के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाया, इससे भारत विरोधी चरमपंथ को बढ़ावा मिला है। हरदीप सिंह निज्जर मामले को लेकर सीबीसी के एंकर ने बार-बार कहा कि कनाडाई खुफिया और पुलिस के पास भारतीय एजेंटों से जुड़ी विश्वसनीय जानकारी है, लेकिन पटनायक ने इसे सिरे से खारिज कर

दिया। निज्जर की हत्या को लेकर पटनायक ने पूछा, सबूत कहां हैं? ये सिर्फ आरोप हैं, जिनके पीछे कोई प्रमाण नहीं है। आरोप लगाना आसान है। उन्होंने कनाडा पर उंगली उठाते हुए कहा कि भारत जब कनाडा में सक्रिय आतंकियों की जानकारी देता है, तो कनाडाई पक्ष सबूत की कमी का बहाना बनाता है। लेकिन जब कनाडा भारत पर आरोप लगाता है, तो उम्मीद करता है कि बिना सबूत के ही माने जाएं। हाई कमिश्नर ने 1985 के एअर इंडिया बम विस्फोट का जिक्र किया, जिसमें 329 लोग मारे गए थे। उन्होंने कहा, इस हमले की जांच आज तक कुछ नहीं निकाल पाई। कनाडा में आतंकवाद पर 40 साल से बात हो रही है, लेकिन किसी को सजा नहीं हुई। पटनायक ने कनाडा पर डबल स्टैंडर्ड अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, जब मैं आरोप लगाता हूं और आप कहते हैं सबूत काफी नहीं, तो मैं मानता हूं। लेकिन जब आप मुझे आरोपित करते हैं और मैं सबूत मांगता हूं, तो आपको भी वैसा ही करना चाहिए। इंटरव्यू में एंकर ने भारतीय सरकार पर भरोसे की कमी का मुद्दा उठाया, लेकिन पटनायक ने साफ कहा कि भारत सरकार ऐसी हरकतें नहीं करती। अगर कोई व्यक्ति सबूतों के आधार पर दोषी पाया जाता है, तो भारत खुद कार्रवाई करेगा उन्होंने कहा, हमें आपकी कार्रवाई की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी साफ किया कि भारत को अलगाववादी जनमत संग्रह से समस्या नहीं है, बल्कि उन लोगों से है जो भारत में अपराधी हैं या विदेश में आतंकी गतिविधियां चला रहे हैं।

संघर्ष जारी रखें, इनके जुल्मों का हिसाब करेंगे

तेहरान , एजेंसी। ईरान में जारी विरोध प्रदर्शनों और हिंसा के बीच ईरान के निर्वासित युवराज रेजा पहलवी लगातार केंद्र में बने हुए हैं। वे प्रदर्शनकारियों का समर्थन कर रहे हैं और उन्हें सड़कों पर बने रहने की अपील कर रहे हैं। अब ताजा संदेश में रेजा पहलवी ने प्रदर्शनकारियों से संघर्ष जारी रखने की अपील की। उन्होंने ईरान की सरकार को चेतावनी दी कि जल्द ही इनके जुल्मों का हिसाब किया जाएगा। साथ ही उन्होंने ईरान की सेना से भी अपील की है कि वे प्रदर्शनकारियों का साथ दें क्योंकि उनके पास ज्यादा समय नहीं बचा है। निर्वासित युवराज रेजा पहलवी ने सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में लिखा, मेरे देशवासियों, दुनिया अब आपकी आवाज और हिम्मत को सुन ही नहीं रही बल्कि इसका जवाब भी दे रही है। अभी आपने अमेरिका के राष्ट्रपति का संदेश सुना होगा कि मदद रास्ते में है। संघर्ष जारी रखें, जो आपने अभी तक किया है। इस सरकार को ऐसा भ्रम पैदा न करने दें कि सबकुछ सामान्य है। इस पूरे नरसंहार के बाद हमारे और इस सरकार के बीच खून का दरिया है। इन अपराधियों के नाम बचाकर रखें क्योंकि इन्हें इसकी सजा जरूर दी जाएगी।

ईरान की सेना से की अपील- प्रदर्शनकारियों का साथ दें : रेजा पहलवी ने ईरान की सेना से भी अपील की और कहा कि वे ईरान की सेना हैं न कि इस्लामिक गणराज्य की सेना। उन्होंने सेना से कहा कि अब उनके पास ज्यादा समय नहीं बचा है, इसलिए जितना जल्दी संभव हो सके,

प्रदर्शनकारियों का साथ दें। रेजा पहलवी ईरान के अंतिम शाह के बेटे हैं। साल 1979 में ईरान की इस्लामिक क्रांति के बाद शाह की सत्ता चली गई और उसके बाद से रेजा पहलवी निर्वासन में ही रह रहे हैं। ईरान में दिसंबर के अंतिम दिनों में आर्थिक संकट के चलते शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन जारी है और अब तक इस प्रदर्शन में दो हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने का दावा किया जा रहा है। मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बयान में प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि मदद आ रही है और उन्होंने ईरान में रह रहे अमेरिकियों को तुरंत देश छोड़ने की सलाह दी है। ट्रंप के इस बयान के बाद कयास लग रहे हैं कि अमेरिका जल्द ईरान के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर सकता है। आर्थिक संकट में फंसे ईरान को घेरने के लिए ट्रंप ने एक और बड़ा कदम उठाया है। दरअसल ट्रंप ने घोषणा की कि जो भी देश ईरान के साथ व्यापार करेगा, उसे अमेरिका के साथ व्यापार करने पर 25त्न अतिरिक्त आयात शुल्क चुकाना होगा। इस आदेश का सीधा असर उन देशों पर पड़ेगा जो ईरान से तेल खरीदते हैं, जिससे ईरान की अर्थव्यवस्था पूरी तरह चरमरा सकती है।

150 साल बाद स्पेन को मिलने जा रही पहली रानी, 20 वर्षीय प्रिंसेस लियोनोर रचेंगी इतिहास

मैड्रिड , एजेंसी। स्पेन में 150 साल में पहली बार एक रानी शासन संभालने जा रही है। राजा फेलिप और रानी लेटिजिया की 20 साल की बेटी राजकुमारी लियोनोर अब अपने परिवार की गद्दी संभालने के लिए तैयार हैं। 1800 के दशक से अब तक इसाबेला सेकंड के बाद वे देश की पहली महिला शासक बनने वाली हैं। 1700 के दशक के आरंभ से ही स्पेन का राज बोर्बोन राजवंश के पास रहा है। इन्होंने स्पेन के उत्तराधिकार युद्ध में हैब्सबर्ग राजवंश पर विजय प्राप्त की थी।

स्पेन की रानी बनेंगी लियोनोर : जनरल फ्रेंको की तानाशाही समाप्त होने के बाद, 1975 में राजा जुआन कार्लोस प्रथम के साथ राजशाही बहाल हुई, जिन्होंने स्पेन को लोकतंत्र की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने 2014 में पद त्याग दिया और सिंहासन अपने पुत्र फेलिप को सौंप दिया। अब उनकी बेटी लियोनोर सिंहासन की अगली उत्तराधिकारी हैं। लियोनोर के पिता फेलिप ने 2004 में पूर्व पत्रकार लेटिजिया से शादी की और 42 वर्ष की उम्र में वह रानी बनीं। इस शाही दंपति की दो बेटियां हैं। पहली बेटी राजकुमारी लियोनोर, जिनका जन्म 2005 में हुआ और जो इस समय सिंहासन की उत्तराधिकारी हैं। वहीं दूसरी बेटी इन्फेंटा सोफिया, जिनका जन्म 2007 में हुआ।

20 साल की उम्र में पूरी की ट्रेनिंग : स्पेन के कानून के अनुसार, सिंहासन पर बैठने से पहले उत्तराधिकारी को सेना, नौसेना और वायु सेना में सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त करना जरूरी होता है। लियोनोर ने वेल्स के यूडब्ल्यूसी अटलांटिक कॉलेज से इंटरनेशनल बैकलॉरिएट डिप्लोमा के साथ अपनी उच्च शिक्षा शुरू की। स्पेन की होने वाली रानी ने तब से ही देश की कमांडर-इन-चीफ के रूप में भी सैन्य प्रशिक्षण शुरू कर दिया। लियोनोर ने अगस्त 2023 में

जरागोजा में सेना प्रशिक्षण के साथ सैन्य सफर की शुरुआत की, जहां वह 560 कैडेटों के एक ग्रुप में शामिल हुईं। 2024 में, लियोनोर ने गैलिसिया में नौसेना प्रशिक्षण की शुरुआत की और ट्रेनिंग शिप जुआन सेबेस्टियन डी एल्कानो पर सवार होकर 140 दिनों की 17,000 मील की समुद्री यात्रा पर निकलीं। इस यात्रा के दौरान, उन्होंने चालक दल के सदस्य के रूप में अटलांटिक महासागर, दक्षिण अमेरिका के चारों ओर और न्यूयॉर्क तक की यात्रा की। दिसंबर 2025 में, लियोनोर ने अकेले ही पिलाटस पीसी-21 विमान में अपनी पहली उड़ान पूरी की और ऐसा करने वाली वह स्पेनिश शाही परिवार की पहली महिला सदस्य बनीं। स्पेन की होने वाली रानी लियोनोर ने राज परिवार की गद्दी संभालने के लिए सभी तरह की ट्रेनिंग ले ली है और वह केवल 20 साल की उम्र में सत्ता संभालने के लिए तैयार हैं।

कितने सुरक्षित हैं आपके सौंदर्य प्रसाधन

मेकअप की एक्सपायरी डेट भी होती है। क्या यह पंक्ति आपको चौंकाती है? अमूमन स्त्रियां लंबे समय तक अपने सौंदर्य प्रसाधनों का मोह नहीं छोड पातीं और उनके वैनिटी बॉक्स में कई वर्ष पुराने उत्पाद मिल सकते हैं। संभव है कि कई बार प्रोडक्ट में एक्सपायरी डेट न दी गई हो, लेकिन एक ऐसा समय आता है, जब उनकी चमक फीकी लगने लगती है, वे आकर्षक नहीं लगते और उनके साइड इफेक्ट भी महसूस होने लगते हैं। आइए जानें कैसे करें देखभाल अपने सौंदर्य प्रसाधनों की और कब तक करें उनका इस्तेमाल।

लिपस्टिक

लिपस्टिक को इस्तेमाल करने का सही समय छह माह से एक वर्ष के बीच है, लेकिन यदि उसमें ऑयल या मॉयस्चर-सा निकलता दिखाई दे या उसके रंग या आकार में तब्दीली आने लगे तो उसे बदल दें। हर हफ्ते लिपस्टिक के ऊपरी हिस्से को टिशू से साफ करना न भूलें। अपने लिप ब्रश को भी हफ्ते में एक बार अवश्य साफ करें।

फाउंडेशन

इसे इस्तेमाल करने का उपयुक्त समय है छह महीने से एक वर्ष। वॉटर बेस्ड फाउंडेशन ऑयल बेस्ड की तुलना में कुछ सप्ताह अधिक समय तक चल सकते हैं, पर अगर फाउंडेशन गाढा-सा दिखने लगे तो उसका प्रयोग बंद कर दें। फाउंडेशन क्रीम में बैंटोनाइट केमिकल होता है, जिससे त्वचा को सांस लेने में समस्या होती है। लिक्विड फाउंडेशन में मिनरल ऑयल होता है, जो कार्सिनोजेनिक (ऐसे तत्व जो कैंसर का कारण बन सकते हैं) हो सकता है। इसके अलावा फाउंडेशन में ऐसे बडे अणु (मॉलेक्यूल्स) होते हैं जो त्वचा के रोमछिद्रों को बंद कर देते हैं। इससे स्वेद और तैल ग्रंथियां (स्वीट-ऑयल ग्लैंड्स) ठीक ढंग से कार्य नहीं कर पातीं, जिससे त्वचा में बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। इसके कारण ब्लैक हेड्स, दाग-धब्बे और त्वचा में रूखापन जैसी समस्याएं पैदा होती हैं।

आई लाइनर और आई शैडो

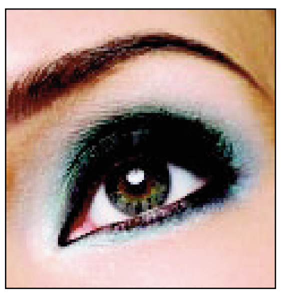

आई लाइनर पेंसिल को भले ही आप हर 2-3 दिन में फ्रेश रखने के लिए शार्प करती हों, लेकिन उसके नुकीले सिरे पर बैक्टीरिया पनप सकते हैं। यदि पेंसिल बनाने में उसकी नोक बार-बार टूट रही हो तो समझिए कि उसे बदलने का समय आ गया है। लिक्विड आई लाइनर को सूखने के बाद कभी इस्तेमाल न करें। आई शैडो को नौ महीने से लेकर एक वर्ष तक चलाया जा सकता है। पुराना होने पर यह चॉक या खडिया जैसा हो जाता है और इसे लगाया नहीं जा सकता। इसका रंग बदल जाता है। आई शैडो और ब्लशर में टैल्क होता है, जो बहुत हद तक एस्बेस्टस से मिलता-जुलता है। इसमें कार्सिनोजेन की काफी मात्रा होती है, जिससे ओवरियन और लंग कैंसर की आशंका हो सकती है।

टेलकम पाउडर

यह सर्वाधिक इस्तेमाल किया जाने वाला प्रसाधन है, लेकिन इनमें कृत्रिम सुगंधों का इस्तेमाल बहुतायत में होता है, जो त्वचा संबंधी एलर्जी का एक प्रमुख कारण बनता है।

मस्कारा

मस्कारा को अमूमन तीन से छह माह तक प्रयोग किया जा सकता है। इसके बाद इसे बदलना जरूरी होता है, क्योंकि हवा के साथ इसके टयूब में बैक्टीरिया का प्रवेश हो जाता है, जिससे आंखों में संक्रमण हो सकता है। यह ऐसा उत्पाद है, जिसमें सबसे ज्यादा बैक्टीरिया पनपते हैं। इसलिए इसका ढक्कन अच्छी तरह बंद रखना चाहिए। मस्कारा में एल्कोहॉल, फॉर्मलडिहाइड और प्लास्टिक रेसिन्स जैसे केमिकल होते हैं। अगर वे आपकी त्वचा को रास नहीं आते तो उनसे आंखों में जलन, लालिमा, सूजन जैसे लक्षण उभर सकते हैं।

ब्लशर

इसे एक से दो वर्ष तक इस्तेमाल किया जा सकता है। अगर क्रीम बेस्ड ब्लशर ब्रेक हो जाए तो उसे इस्तेमाल करना छोड दें।

नेल पॉलिश

नेल पॉलिश को अमूमन तब तक प्रयोग किया जा सकता है, जब तक वह गाढी न हो जाए या सूख न जाए। नेल वॉर्निश को हवा के संपर्क से जितना अधिक बचा सकें, वह उतने लंबे समय तक चलेगी। सप्ताह में एक बार इसकी बॉटल को अच्छी तरह शेक कर लें, ताकि इसका मौलिक रंग बरकरार रह सके।

सावधानियां जो हैं जरूरी

- किसी भी प्रोडक्ट को खरीदने से पूर्व ऑनलाइन सुरक्षित सौंदर्य प्रसाधनों के लिए चल रही मुहिम के बारे में अवश्य जानकारी हासिल करें। इससे आपको यह पता चल सकेगा कि किस कंपनी ने अपने प्रोडक्ट्स में ऐसे हानिकारक तत्वों के इस्तेमाल पर रोक लगाई है।
- प्रोडक्ट खरीदते समय उस पर लगे लेबल को अवश्य पढें, ताकि उसमें इस्तेमाल की गई सामग्री के बारे में पता चल सके, साथ ही एक्सपायरी डेट अवश्य देखें।
- हमेशा अच्छे और जाने-पहचाने ब्रैंड के कॉस्मेटिक्स खरीदें। अब सभी बडी कंपनियों ने अपने उत्पादों की गुणवत्ता को ज्यादा से ज्यादा सुधारने की दिशा में काम किया है।
- कॉस्मेटिक्स प्रोडक्ट्स की बॉटल का ढक्कन हमेशा कसकर बंद रखें। उन्हें अंधेरे और हवादार स्थान पर रखें।
- सौंदर्य प्रसाधनों को कभी दूसरे के साथ शेयर न करें।
- बॉडी डियोडेरेंट या परफ्यूम्स हमेशा किसी अच्छे ब्रैंड का ही लें, पहले यह जांच लें कि वे आपकी त्वचा को माफिक आएंगे या नहीं। सामान्यत: इन्हें तीन या चार वर्ष तक चलाया जा सकता है।
- मॉयस्चर और टोनर सबसे ज्यादा प्रयोग किए जाने वाले उत्पाद हैं, लेकिन यदि इनका रंग बदले तो इन्हें बदल देना चाहिए। इन्हें फ्रिज में नहीं रखना चाहिए।
- ऑयल बेस्ड क्रीम के ऑक्सीडाइज होने की आशंका रहती है। बॉडी क्रीम को दो से तीन वर्ष तक चलाया जा सकता है, लेकिन रंग, सुगंध या किसी भी तरह का परिवर्तन होने पर इनका भी इस्तेमाल रोक देना चाहिए।
- सनक्रीम या टैनिंग क्रीम अमूमन दो वर्ष तक चल सकती हैं, लेकिन जिनमें केमिकल्स ज्यादा हों उन्हें एक वर्ष तक ही प्रयोग करना चाहिए।

काबुली चना विद ग्रीन ग्रेवी

सामग्री: 200 ग्राम उबले हुए काबुली चने, 2 बारीक कटे हुए प्याज, डेढ़ टीस्पून तेल, नमक स्वादानुसार।

ग्रीन ग्रेवी के लिए: डेढ़ कप कटा हुआ पालक, 1 कप मटर, डेढ़ टीस्पून हरी मिर्च का पेस्ट, 1 टीस्पून अदरक का पेस्ट, आधा टीस्पून खानेवाला सोडा।

विधि: काबुली चने को उबालकर अलग रख लें। पालक, मटर व मिर्ची को सोडा डालकर उबाल लें। ठंडा होने पर पीसकर पेस्ट बना लें। एक पैन में थोड़ा-सा तेल डालें और अदरक का पेस्ट व कटे हुए प्याज डालकर भूनें। इसके बाद इसमें ग्रीन पेस्ट डाल दें। 5 मिनट तक भूनें। उबले हुए काबुली चने व नमक डालकर पकाएं। गरमा गरम सर्व करें।

मां की बदलती छवि

एक बच्चा जन्म लेने जा रहा था। उसने भगवान से पूछा, आप मुझे कल नीचे पृथ्वी पर भेज रहे हैं, मैं इतना छोटा और असहाय हूं, वहां जाकर कैसे रहूंगा?

भगवान बोले, बहुत सारी परियों में से एक परी मैंने तुम्हारे लिए चुनी है। वही तुम्हारी देखभाल करेगी। पर मुझे बताइए, मेरे साथ वहां क्या होगा, मैं वहां क्या करुंगा? यहां स्वर्ग में मैं कुछ नहीं करता, हंसने और गाने के सिवाय, इसी से मुझे खुशी मिलती है।

वह परी तुम्हारे लिए हर दिन गाएगी व मुसकराएगी, तुम्हारी हर खुशी का खयाल रखेगी और धीरे-धीरे तुम्हें नया भी बहुत कुछ सिखाएगी।

वहां के लोगों की भाषा व बात मैं कैसे समझूंगा?

वह परी तुम्हें मधुर शब्दों में सब समझाएगी और तुम्हें बोलना भी सिखाएगी। और जब मैं आपसे बात करना चाहूंगा तो क्या करूंगा? वह परी तुम्हें हाथ जोड कर मेरी प्रार्थना करना सिखाएगी, जिससे सीधे न सही, पर भावनात्मक स्तर पर हमारी-तुम्हारी बातचीत होगी जरूर।

मैंने सुना है कि पृथ्वी बुरे आदमियों से भरी पडी है, मेरी रक्षा कौन करेगा?

वह परी अपनी जान पर खेल कर भी तुम्हारी रक्षा करेगी। आपको देख न पाने के कारण, आपके बारे में जान न पाने के कारण मैं उदास हुआ तो..। वह ही मेरे बारे में तुम्हें बताएंगी। सब तरफ से हार जाने पर बच्चा समझ गया कि उसका नीचे जाना तय है। हार कर उसने पूछा कि भगवन, मैं जा रहा हूं, पर जिसके पास जा रहा हूं, आप मुझे उस परी का नाम तो बता दीजिए। उसका नाम बहुत मायने नहीं रखता, पर तुम उसे मां बुला सकते हो। यह है मां बच्चे के बीच की असली कहानी। यह सच है कि एक बच्चे के नजरिए से देखें तो सदियों पहले का बच्चा हो या आधुनिक बेबी, भारत में जन्म लिया हो या अमेरिका जैसे हाई-फाई शहर में या पिछडे हुए किसी गांव में, उसकी जरूरतें समान होती हैं।

मां की भूमिका

बच्चे की पहली सहायक, पहली अध्यापिका, पहली ट्रेनर, पहली दोस्त, पहली मार्गनिर्देशक मां ही होती है। वह ही सब कुछ सिखाती है बच्चे को। अंतर केवल इतना आया है कि बच्चे की जरूरतों व आवश्यकताओं को पूरा करने के तरीके जरूर बदल गए हैं। उन्हें आराम से रखने के तरीके, उनको सुविधाएं देने के तरीकों में बदलाव आया है। मां आज बच्चों के आराम का खयाल दूसरे ढंग से रखती हैं, उनकी सुविधाओं की चिंता का तरीका भी उनका अलग है।

कुछ बातें काम की

- अमरूद का सेवन पेट से संबंधित समस्याओं का समाधान करता है।
- खजूर का सेवन शरीर को दृढ़ता प्रदान करने के साथ-साथ कमर दर्द की समस्या का भी समाधान करता है।
- हरे धनिए का सेवन स्तन व लिवर कैंसर जैसे गंभीर रोगों से लड़ने की क्षमता प्रदान करता है।
- अनार का सेवन गंदी जीभ की समस्या का समाधान करता है।
- लहसुन का सेवन, गैस की समस्या का समाधान करता है।
- भोजन के उपरांत एक कच्चे प्याज का नियमित सेवन कब्ज के रोगी को स्वस्थ करता है।
- कलौंजी का सेवन या फिर इसका पेट पर लेप करने से पेट के कीड़े मर जाते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान की कोशिश करेगा। शुभांक-4-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-1-3-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करे। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-3-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): जीवनसाथी अथवा दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 1958

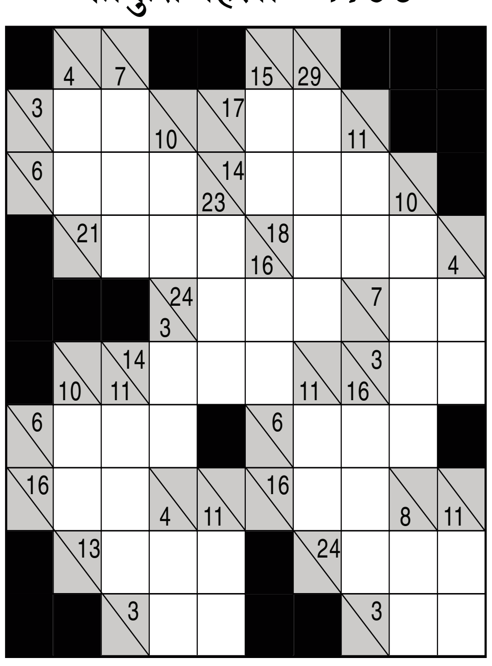

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

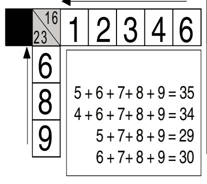

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 1957 का हल

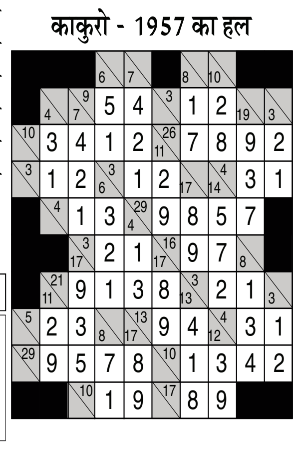

लॉफिंग जोक्स

न्यायाधीश (एक बूढ़े चोर से)- तुम्हारी इतनी हिम्मत कि तुमने दिनदहाड़े चोरी की? तुम्हे पकड़े जाने जरा भी डर नहीं लगा।

कटघरे में खड़ा बूढ़ा चोर बोला- क्या करूँ सरकार! आजकल मुझे रात में बहुत नींद आती है, इसलिए मैंने दिन में दिनदहाड़े चोरी कर ली।

पुलिस इंस्पेक्टर (रमन से)- नालायक...! तुम इते गिरे हुए हो कि केवल पाँच सौ रुपए के लिए इस बुजुर्ग व्यक्ति का सिर फोड़ दिया?

रमन हवलदार- और क्या करता साहब... मजबूरी है! ऐसे ही तो बूँद-बूँद से घड़ा भरता है हुजूर।

न्यूक्लियर फैमिली में रहने वाला चंपू अपने पिता से बोलता है, पापा-पापा मैं भी अपनी शादी में आइटम गर्ल को डाँस करवाऊँगा।

पापा- बेवकूफ क्या बकता है, यह तमाशा किस गधे की शादी में देख लिया?

चंपू- आपकी शादी के वीडियो में।

पापा- अबे नालायक अपनी मौसी और बुआ को नहीं पहचानता!!

फिल्म वर्ग पहेली - 1958

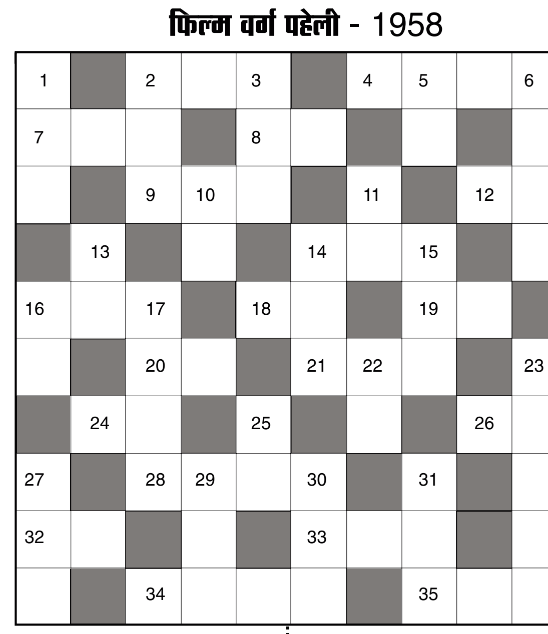

ऊपर से नीचे:-

१.'तुम रूठ के मत जाना' गीतवाली भारत भूषण, मधुबाला की फिल्म-३
२. रवीना, राईमा, संजीव सूरी की 'बहार ही बहार' गीत वाली फिल्म-३
३. 'चोरी चोरी जब नजरें' गीतवाली फिल्म-३
५. अनिल, गोविंद की 'दीवाना मस्ताना' की नायिका कौन थी?-२
६. 'रस्ते में वो खड़ा' गीतवाली सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१०. राकेश रोशन, सिम्मी की 'जब भी ये दिल' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अब चाहे सर फूटे' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजयदत्त, टीना मुनीम की 'क्या यही प्यार है' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'सावन के झूले पड़े' गीतवाली फिल्म-३
१५. 'फूल तुम्हें भेजा है' गीत वाली 'सरस्वतीचंद्र' की नायिका-३
१६. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-२
१७. राजेश खन्ना, हेमा की 'कहानियाँ सुनाती है' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीतवाली फिल्म-२
२३. चंकी, मिथुन, सोमी अली की 'क्या आँखें हैं' गीत वाली फिल्म-३,२
२५. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली फिल्म-२
२७. शबाना आजमी, श्वेता प्रसाद अभिनीत बाल फिल्म-३
२९. 'दिल नहीं देना' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'सपने' की नायिका कौन थी-३
३१. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा की फिल्म-३

बायें से दायें:-

२. अक्षय खन्ना, सोनाली की 'ओ गोरी आजा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'कहाँ से आई रानी' गीत वाली अजय, काजोल की फिल्म-२,२
७. आमिर, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तूने' गीत वाली फिल्म-३
८. राजेश वाली 'हम दोनों' में हेमा के साथ दूसरी नायिका कौन थी?-२
९. अमिताभ, ऋषि, हेमा की 'चल चल मेरे भाई' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हिना' की पाक नायिका?-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा की 'प्यार के इस खेल में' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
१८. जैकी, अनिल, पूनम की 'हर करम अपना' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'फिलहाल' में नायिका 'रेखा' की भूमिका किसने की है?-२
२०. सनीलदत्त, रीनाराय, आशा की 'जलता है जिया' गीतवाली फिल्म-२
२१. 'आ तेरी तसवीर' गीत वाली देवनंद, मधुबाला की फिल्म-३
२४. अनिल कपूर, पद्मिनी की 'वो सात दिन' के निर्देशक कौन थे?-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिल दीवाने का' गीत वाली नसीर, धर्मेन्द्र, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
३२. सनी, शिल्पा शेट्टी की 'आशिकी बनके' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'दिल में जो बातें हैं' गीत वाली देवआनंद, हेमा की फिल्म-३
३४. नसीर, आदित्य, पूनम ढिल्लों, मंदाकिनी अभिनीत एक फिल्म-४
३५. आमिर, ग्रेसीसिंह की 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली - 1957

रि	प्यू	जी		बे	मि	सा	ल		क
शि		न	म्र	ता		या		फ	र्ज
ता	क	त		बी	ना		सु	र	
	र्त		श		स्ति			दी	पा
दि	व्य	श	क्ति		क	न्या	दा	न	
ल		रा		रो			ग		ई
से	ह	रा		श	र्मी	ली		घा	त
	थि		स	नी		ला	रा		का
द	या	वा	न		पॉ		जा	लि	म
स	र		म	न	च	ली		सा	

सूडोकु -1958

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1957 का हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

शब्द पहेली - 1958

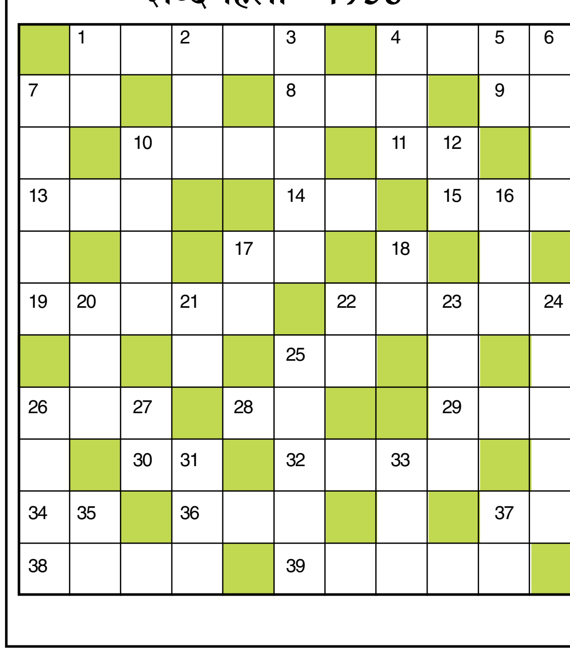

बाएँ से दाएँ

1.महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाकाव्य-5
4.आज्ञापत्र, पतंगा-4
7.शरीर, बदन-2
8.होशियार, हुनरमंद-3
9.नस, नाड़ी-2
10.तीर रखने का पात्र-4
11.गधा, गर्दभ-2
13.जो बंदी हो-3
14.पत्नी, भार्या-2
15.दृष्टि, निगाह-3
17.खैरात, दक्षिणा-2
19.अपने ही घर में कैद होना-5
22.भाग्यवाला-5
25.जी, इच्छा-2
26.तन, काया-3
28.दुनिया, संसार-2
29.वेतन-3
30.भीगा हुआ-2
32.सागौन, एक प्रकार की मूल्यवान लकड़ी-4
34.परिणाम,हल,फ्रूट-2
36.सचेग-3
37.राजकपूर,नरगिस की फिल्म-2
38.चाणक्य के समय मगध की राजधानी-4
39.निरस्त करना-2,3

ऊपर से नीचे

1.आमिर,मनीषा कोइराला की फिल्म-2
2.रवि, सूर्य-3
3.तमाशा देखनेवाले-5
4.परीक्षण,जांच-3
5.सप्ताह का दिन-2
6.जो नापसंद हो (उर्दू-4)
7.गोविंदा व खुशबू की फिल्म-2,3
10.भाग्य,किस्मत-4
12.क्रिकेट में बनते हैं-2
16.नसीरुद्दीन शाह की एक फिल्म -3
17.खुजली-2
18.रस्सी पर अपराधी को लटकाना-2
20.आवश्यक-3
21.कैदी, बंधक-2
22.इसाई साध्वी-2
23.बालकपन-4
24.असावधान-5
25.महासमुद्र-5
26.सज्जनता, भद्रता-4
27.अभिषेक की फिल्म-2
31.मुद्दा (उर्दू-3)
33.वाचन करनेवाला-3
35.उद्देश्य-2
37.आगमन,आने का भाव-2

शब्द पहेली - 1957 का हल

उ	थ	ल	पु	थ	ल		मा	न	व	ता
त	न		ल		ल	म्बा	ई		श	र
रा		आ	क	र्ष	क		न	स		को
धि	क्का	र	ना			अ		च	प	ल
का		क्ष		भा	गी	दा	र		र	
र	म	ण	यो	ग्य		व	ज	न	दा	र
	ह		ग	फ	ल	त		म		ह
द	ल	ना		ल			य	की	न	न
श		का	व्य		त	न	म	न		स
ह	रा		स	ला	मी		रा		रा	ह
रा	ह	ज	न		ज	हा	ज	चा	ल	न

केंद्रीय गृह सचिव ने आतंकवाद विरोधी अभियानों और ड्रोन घुसपैठ पर जम्मू में की समीक्षा बैठक

एजेंसी

जम्मू। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन के साथ एक समीक्षा बैठक में सीमा पर चल रहे आतंकवाद विरोधी अभियानों और ड्रोन घुसपैठ का आकलन किया गया। गणतंत्र दिवस समारोह के लिए सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने के लिए यह बैठक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देश के बाद हुई है। शाह ने 8 जनवरी को सुरक्षाबलों को आतंकवादी ढांचे और आतंकवाद वित्तपोषण को निशाना बनाते हुए अपने अभियानों को मिशन मोड में जारी रखने के निर्देश दिए थे। केंद्रीय अधिकारियों की एक टीम के साथ केंद्रीय गृह सचिव दो दिवसीय दौरे पर आज दोपहर में जम्मू पहुंचे और सीधे कन्वेंशन सेंटर में उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में खुफिया ब्यूरो के निदेशक तपन डेका, बीएसएफ के महानिदेशक प्रवीण कुमार, सीआरपीएफ प्रमुख जी पी सिंह और जम्मू-कश्मीर के डीजीपी नलिन प्रभात के साथ-साथ वरिष्ठ सैन्य, पुलिस, नागरिक और खुफिया अधिकारी उपस्थित थे। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षाबल जम्मू के पहाड़ी इलाकों और वन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर आतंकवाद विरोधी अभियान चला रहे हैं, जहां माना जाता है कि पाकिस्तानी नागरिकों सहित लगभग तीन दर्जन आतंकवादी दो साल से अधिक समय पहले घुसपैठ करने के बाद छिपे हुए हैं।

पशुधन हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत आधारः शिवराज चौहान

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज चौहान ने कहा कि पशुधन हमारे जीवन और गांव की अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार है। भारत के मवेशी नस्लें केवल उत्पादन तक सीमित नहीं बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान और एनडीआरआई के वैज्ञानिकों ने साल 2019 से नस्ल संरक्षण अभियान को नए आयाम दिए हैं। शिवराज चौहान पूसा में आयोजित दो कार्यक्रमों में भाग लेते हुए पशु नस्ल पंजीकरण प्रमाण-पत्र वितरित किए और नस्ल संरक्षण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वैज्ञानिकों, संस्थानों और पशुपालकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर शिवराज चौहान ने भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) में नए छात्रावास और शैक्षणिक भवन का भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया। इस छात्रावास के निर्माण से 300 छात्राओं को आधुनिक और सुरक्षित सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि खेती नवाचार और अवसर का क्षेत्र है। उन्होंने सुझाव दिया कि एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी और कॉलेजों की ग्रेडिंग प्रणाली लागू हो, जिससे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा मिले और एक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का माहौल बने। कृषि मंत्री ने बताया कि बड़ी संख्या में बेटियां अब कृषि शिक्षा में आगे बढ़ रही हैं और नई पीढ़ी के नवाचार से कृषि क्षेत्र को नई दिशा मिल रही है। चौहान ने कहा कि भारतीय संस्कृति, विज्ञान और आधुनिकता का संगम ही कृषि और पशुधन क्षेत्र को सशक्त बनाएगा।

हजारीबाग के हबीब नगर में विस्फोट, तीन लोगों की मौत, एक व्यक्ति घायल

हजारीबाग। झारखंड के हजारीबाग जिले के हबीब नगर इलाके में हुए एक जोरदार विस्फोट में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई और पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट हो गया है। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान रशीदा परवीन (पति मुस्ताक), सद्दाम (पिता यूनुस) और नन्ही परवीन (पति सद्दाम) के रूप में की गई है। मृतकों में दो महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। घायल व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। यह विस्फोट बड़ा बाजार ओपी क्षेत्र के अंतर्गत एक खुले स्थान पर हुआ। विस्फोट की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, धमाका अचानक हुआ, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। स्थानीय लोगों ने घायलों की मदद करने का प्रयास किया और तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस की ओर से दी गई प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, झाड़ी साफ करने के दौरान विस्फोट होने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस ने अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। विस्फोट किस प्रकार का था और इसके पीछे कारण क्या रहे, इसका पता फिलहाल नहीं चल सका है।

सेना प्रमुख ने एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर में युवाओं को बताया 'नए भारत का चेहरा'

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने दिल्ली कैंट में नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) के गणतंत्र दिवस शिविर (आरडीसी) का दौरा किया। सेना प्रमुख ने युवाओं को 'नए भारत का चेहरा' बताते? हुए इस बात पर जोर दिया कि वे देश की सबसे शक्तिशाली आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो अनुशासन, उद्देश्य और संकल्प के माध्यम से राष्ट्रीय परिवर्तन लाने में सक्षम हैं। सेना प्रमुख ने एनसीसी कैडेट्स के महत्वपूर्ण योगदान के बारे में बताते हुए ऑपरेशन सिंदूर का उदाहरण दिया, जो भारत की सशक्तता का सबूत है। उन्होंने कहा कि 75 हजार से अधिक एनसीसीकैडेट्स ने पूरे देश में सिविल डिफेंस, हॉस्पिटल मैनेजमेंट, राहत सामग्री बांटने और सामुदायिक सेवा के क्षेत्र में स्वयंसेवक की भूमिका निभाई। आधुनिकीकरण पर जोर देते हुए उन्होंने बताया कि 35 हजार से भी अधिक कैडेट्स ने देशभर में सैन्य इकाइयों और सैनिक अस्पतालों के साथ प्रशिक्षण हासिल किया है।

गांवों को बचाकर रखना बड़ा सांस्कृतिक जागरण है : डॉ. सच्चिदानंद जोशी

एजेंसी

नई दिल्ली। मकर संक्रान्ति पर जब सूर्यदेव धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करते हैं और पूरा देश इस पर्व को मकर संक्रान्ति, उत्तरायण, बिहू, पोंगल और खिचड़ी जैसे विविध रूपों में उत्साहपूर्वक मनाता है, उसी पावन बेला में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के राष्ट्रीय सांस्कृतिक मानचित्रण मिशन प्रभाग (एनएमसीएम) ने अपना प्रतिष्ठा दिवस सांस्कृतिक वैभव से परिपूर्ण कार्यक्रम के साथ मनाया। यह आयोजन आईजीएनसीए के समवेत सभागार नई दिल्ली में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्यातिथि रहे केंद्रीय पंचायती राज मंत्रालय के संयुक्त सचिव राजेश कुमार सिंह, जबकि विशिष्ट अतिथि रहे केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के उप सचिव डॉ. शाह फैसल। कार्यक्रम की अध्यक्षता

आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने की और स्वागत भाषण दिया कला निधि प्रभाग के प्रमुख एवं एनएमसीएम के प्रभारी प्रो. (डॉ.) आरसी. गौड़ ने। इस अवसर पर एनएमसीएम के निदेशक डॉ. मयंक शेखर भी उपस्थित रहे। अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने कहा कि मकर संक्रान्ति पर्व पूरे देश में मनाया जाता है। अलग-अलग नाम से मनाया जाता है। कहीं बिहू होता है, कहीं पोंगल होता है, कहीं संक्रांति होता है, कहीं उत्तरायण होता है। यह पर्व अलग-अलग तरह से मनाया जाता है, उसके बावजूद एक ही समय पर पूरे देश में इस पर्व को मनाता है। इस त्योहार को मनाने की परंपरा अलग अलग प्रदेशों में, अलग अलग क्षेत्रों में कैसी है? वहां खानपान कैसा है, वहां वेशभूषा कैसी है? वहां कौन कौन से रिचुअल्स हैं? कौन कौन सी परम्पराएं हैं, इन सबका भी एक डॉक्यूमेंटेशन हो सकता है। उन्होंने नेशनल मिशन फॉर कल्चरल मैपिंग प्रभाग से आग्रह किया कि जब अगले साल अपना वार्षिक उत्सव मनाएं तो संक्रान्ति पर एक पब्लिकेशन लेकर आएं कि पूरे भारत में मकर संक्रांति का पर्व अलग-अलग जगह पर कैसे मनाया जाता है। उन्होंने एनएमसीएम की चुनौतियों और उपलब्धियों के बारे में बताया कि जब शुरू में यह काम हमको दिया गया था, तो अपने आप में यह बहुत बड़ी चुनौती थी। 6 लाख 50 हजार गांवों का डॉक्यूमेंटेशन करना कोई बहुत आसान बात नहीं होती।

स्टार्टअप इंडिया के 10 साल पूरे, प्रधानमंत्री मोदी 16 जनवरी को कार्यक्रम में होंगे शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 16 जनवरी को स्टार्टअप इंडिया पहल के 10 वर्ष पूरे होने के पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेंगे। यह कार्यक्रम यहां भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री देश के जीवंत स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़े सदस्यों के साथ संवाद करेंगे। इस अवसर पर चयनित स्टार्टअप प्रतिनिधि अपनी उद्यमिता यात्रा से जुड़े अनुभव और विचार साझा करेंगे। उल्लेखनीय है कि स्टार्टअप इंडिया की शुरुआत 16 जनवरी 2016 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक परिवर्तनकारी राष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में की थी। इसका उद्देश्य नवाचार को प्रोत्साहित करना, उद्यमिता को बढ़ावा देना और निवेश आधारित विकास को सक्षम बनाते हुए भारत को रोजगार मांगने वाले देश से रोजगार देने वाला देश बनाना रहा है। बीते एक दशक में स्टार्टअप इंडिया भारत की आर्थिक और नवाचार

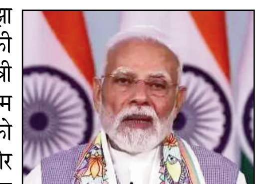

संरचना का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभरा है। इस पहल के तहत संस्थागत ढांचे को मजबूती मिली, पूंजी और मार्गदर्शन तक पहुंच का विस्तार हुआ तथा स्टार्टअप्स के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हुआ। इस अवधि में देशभर में 2 लाख से अधिक स्टार्टअप्स को मान्यता दी जा चुकी है, जो रोजगार सृजन, नवाचार आधारित आर्थिक विकास और विभिन्न क्षेत्रों में घरेलू मूल्य श्रृंखलाओं को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभा रहे

तेलंगाना में महिला अधिकारी के खिलाफ खबर प्रकाशित करने पर टीवी चैनल के तीन पत्रकार पुलिस हिरासत में

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में एक तेलुगु टीवी चैनल के तीन पत्रकारों को एक महिला अधिकारी के खिलाफ कथित मानहानिकारक खबर प्रसारित करने के मामले में पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। तेलंगाना में पत्रकारों की गैर-कानूनी गिरफ्तारी पर केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि तेलंगाना सरकार जिस तरह से पत्रकारों और पत्रकारिता, जो लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है, के साथ बर्ताव कर रही है, वह गलत है और यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि राज्य सरकार ने बिना कोई नोटिस दिए पत्रकारों के घरों पर हमला किया, उनके दरवाजे तोड़े और उन्हें हिरासत में लिया। तेलंगाना के वीडियो जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने सीनियर पत्रकारों डोंथु रमेश, परिपूर्णाचारी, दसारी सुधीर को आधी रात को अपराधियों की तरह गिरफ्तार करने की कड़ी निंदा की। एसोसिएशन ने एक बयान जारी कर कहा कि अगर खबर इस तरह से लिखी या दिखाई जाती है, जिससे दूसरे लोगों की छवि खराब होती है, तो बेहतर होता कि पुलिस नोटिस देकर उनसे सही तरीके से जवाब मांगती। हम जांच के नाम पर पत्रकारों के साथ पुलिस के बर्ताव की

कड़ी निंदा करते हैं। एसोसिएशन ने कहा कि हम झूठी कहानियां फैलाने और गैर-कानूनी गिरफ्तारियों के पूरी तरह खिलाफ हैं।

इस बीच हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सज्जनार ने कहा कि मामले की जांच के लिए पुलिस ने 12 जनवरी को एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया है।हैदराबाद पुलिस आयुक्त के अनुसार एक महिला अधिकारी को लेकर झूठी और बेबुनियाद खबरें प्रकाशित और प्रसारित करने के आरोप में तेलंगाना आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन की शिकायत पर तीन पत्रकारों को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और जांच चल रही है पुलिस आयुक्त ने इस मामले में मीडिया प्रतिनिधि डोंथु रमेश और सुधीर की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मीडिया वालों को जांच में सहयोग करना चाहिए। हम आरोपित को जहां भी होंगे, गिरफ्तार करेंगे। टेलीविजन चैनल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को अगर बुलाया जाए, तो उन्हें जांच के लिए आना चाहिए।

हिमाचल में विक्रमादित्य सिंह की पोस्ट से आईएएस-आईपीएस एसोसिएशन नाराज

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह की एक सोशल मीडिया पोस्ट से राज्य की अफसरशाही में भारी रोष फैल गया है। मंत्री ने यूपी और बिहार से आए कुछ आईएएस तथा आईपीएस अधिकारियों पर निशाना साधते हुए कहा था कि वे 'हिमाचलियत की धज्जियां उड़ा रहे हैं' तथा हिमाचल के हितों से उन्हें कोई सरोकार नहीं है। इस टिप्पणी को अधिकारियों ने अपनी निष्ठा, निष्पक्षता तथा संवैधानिक भूमिका पर सीधा हमला माना है। इसके जवाब में बुधवार शाम इंडियन पुलिस सर्विसेज एसोसिएशन (हिमाचल प्रदेश) तथा हिमाचल प्रदेश आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन ने अलग-अलग सार्वजनिक बयान जारी कर मंत्री के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज किया है। इंडियन पुलिस सर्विसेज़ एसोसिएशन (हिमाचल प्रदेश) ने हुई बैठक के बाद औपचारिक प्रस्ताव पारित करते हुए कहा कि मंत्री विक्रमादित्य सिंह का बयान हिमाचल में तैनात हिमाचली और गैर-हिमाचली अधिकारियों के बीच 'कृत्रिम और अवांछित विभाजन' पैदा करने वाला है। एसोसिएशन ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अखिल भारतीय सेवाएं संविधान द्वारा स्थापित संस्थाएं हैं, जिनका मूल उद्देश्य राष्ट्रीय एकता को मज़बूत करना और देशभर में निष्पक्ष, पेशेवर और एकीकृत प्रशासन उपलब्ध कराना है। ऐसे में किसी अधिकारी की नीयत, प्रतिबद्धता या वैधता पर केवल उसके मूल राज्य के आधार पर सवाल उठाना न सिर्फ़ तथ्यात्मक रूप से ग़लत है बल्कि अत्यंत हतोत्साहित करने वाला भी है।

आईपीएस एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि इस तरह के बयान पुलिस सेवा के मनोबल को नुकसान पहुंचा सकते हैं, पुलिस तंत्र के भीतर अविश्वास पैदा कर सकते हैं और संस्थागत एकजुटता को कमजोर कर सकते हैं। एसोसिएशन का कहना है कि इसका सीधा असर सार्वजनिक प्रशासन और सेवा वितरण पर पड़ सकता है। इसी पृष्ठभूमि में एसोसिएशन ने सरकार से आग्रह किया है कि इस पूरे मामले को गंभीरता से लिया जाए, भविष्य में ऐसे बयान दोहराए न जाएं और सिविल सेवाओं की गरिमा, एकता और तटस्थता को बनाए रखा जाए। प्रस्ताव में यह मांग भी शामिल है कि मंत्री विक्रमादित्य सिंह के साथ किसी भी आईपीएस अधिकारी की तैनाती न की जाए। इसी विवाद पर हिमाचल प्रदेश आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन ने भी आज शाम एक विस्तृत सार्वजनिक बयान जारी किया। इसमें कहा गया कि हाल के दिनों में एक सेवारत कैबिनेट मंत्री द्वारा दिए गए बयान, जिनमें अन्य राज्यों विशेष रूप से यूपी और बिहार से आए अधिकारियों पर राज्य हित में काम न करने के आरोप लगाए गए, गहरी चिंता का विषय हैं। एसोसिएशन ने यह माना कि निर्वाचित प्रतिनिधियों को प्रशासन की जवाबदेही तय करने और आलोचना करने का अधिकार है, लेकिन अधिकारियों को उनके मूल राज्य के आधार पर चिन्हित करना अनुचित है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर बस-ट्रक की टक्कर, दो की मौत, राजस्थान के बालाजी से दिल्ली जा रही थी बस

एजेंसी

नूंह। नूंह जिले के फिरोजपुर झिरका थाना क्षेत्र में दिल्ली-मुंबई-बड़ोदरा एक्सप्रेसवे पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। गांव गुजर नंगला के पास एक प्राइवेट बस और तेज रफ्तार ट्रक की जोरदार टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 10 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि टक्कर के बाद बस के शीशे टूट गए और वाहन का बायां हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना के बाद एक्सप्रेसवे पर अफरा-तफरी मच गई और कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। सूचना मिलते ही फिरोजपुर झिरका थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। स्थानीय लोगों और राहगीरों की मदद से घायलों को बस से बाहर निकाला गया।

मृतकों की पहचान

हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान भवानी सिंह पुत्र बाबू राम,

निवासी खेड़ा मंगल, जिला अलवर के रूप में हुई है। वह बस का परिचालक था। दूसरे मृतक मोहर सिंह पुत्र रमेश चंद मीना, निवासी खेगरिया, जिला दौसा हैं, जो दिल्ली पुलिस में जवान थे।

कोहरा और तेज रफ्तार बनी वजह

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह करीब सवा सात बजे एक्सप्रेसवे पर घना कोहरा छाया हुआ था। इसी दौरान एक तेज रफ्तार ट्रक ने अचानक साइड दबा दी। ट्रक को ओवरटेक कर रही प्राइवेट बस का संतुलन बिगड़ गया और वह लेफ्ट साइड से ट्रक से टकरा गई। टक्कर के बाद ट्रक आगे निकल गया।

अल आफिया अस्पताल में इलाज

हादसे में घायल यात्रियों को एम्बुलेंस की मदद से अल आफिया अस्पताल मांडी गखेड़ा और आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने दो लोगों को मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों का इलाज जारी है।

पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हादसे के कारणों की गहन जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर कोहरा और तेज रफ्तार को दुर्घटना की वजह माना जा रहा है।

जयपुर-बीकानेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर ट्रक-कार की टक्कर में छह महिलाओं की मौत

एजेंसरी

सीकर। जिले में सड़क हादसे में छह महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा जयपुर-बीकानेर राष्ट्रीय राजमार्ग पर फतेहपुर के हरसवा गांव के पास शाम बाद हुआ। पुलिस के अनुसार तेज रफ्तार ट्रक और अर्टिगा कार के बीच आमने-सामने की जबरदस्त भिड़ंत हो गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि अर्टिगा कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई और कार में सवार लोग उसमें बुरी तरह फंस गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत कार्य शुरू करते हुए कार में फंसे शवों और घायलों को बाहर निकाला। घायलों को फतेहपुर के ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। थाना अधिकारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि अर्टिगा कार लक्ष्मणगढ़ (सीकर) से फतेहपुर की ओर आ रही थी, जबकि ट्रक सीकर की तरफ जा रहा था। कार में सवार सभी लोग लक्ष्मणगढ़ में आयोजित एक शोकसभा में शामिल होकर घर लौट रहे थे।

परिवार के सदस्य दो वाहनों में सफर कर रहे थे, जिनमें अर्टिगा कार आगे चल रही थी। हादसे में संतोष पत्नी सत्यनारायण, तुलसी देवी पत्नी ललित, मोहनी देवी पत्नी महेश कुमार, इंद्रा पुत्री महेश कुमार, आशा पत्नी मुरारी और चंदा पत्नी सुरेंद्र की मौत हो गई।

वहीं, सोनू, वसीम और बरखा गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनका इलाज हायर सेंटर में जारी है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात को सुचारु कराया।

मस्कट पहुंचा आईएनएसवी कौंडिन्य, सर्बानंद सोनोवाल ने किया स्वागत

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना का पारंपरिक नौकायन पोत आईएनएसवी कौंडिन्य गुजरात के पोरबंदर से अपनी पहली समुद्री यात्रा पूरी कर ओमान की राजधानी मस्कट पहुंच गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर मस्कट स्थित पोर्ट सुल्तान काबूस में पोत और उसके चालक दल का स्वागत केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने किया। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अनुसार यह यात्रा भारत और ओमान के बीच लगभग 5,000 वर्ष पुराने समुद्री संबंधों को पुनर्जीवित करने का प्रतीक है। यह अभियान भारत और ओमान के बीच गहरे समुद्री, सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों को रेखांकित करता है, जो सहस्राब्दियों से व्यापार और समुद्री संपर्क के माध्यम से विकसित हुए हैं। इस यात्रा का विशेष महत्व इसलिए भी है, क्योंकि भारत और ओमान के इस सालकूटनीतिक संबंधों के 70 साल पूरे हो रहे हैं। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि यह यात्रा केवल एक नौकायन अभियान नहीं, बल्कि भारत और ओमान के बीच गहरे सभ्यतागत संबंधों का उत्सव है। मस्कट में इस पारंपरिक सिले हुए पोत का आगमन उस ऐतिहासिक मित्रता का प्रतीक है, जो समय की कसौटी पर

खरी उतरी है। आईएनएसवी कौंडिन्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का जीवंत उदाहरण है, जिनके संकल्प से भारत की प्राचीन जहाज निर्माण परंपरा को पुनर्जीवित कर विश्व के समक्ष प्रस्तुत किया गया।सोनोवाल ने भारत के तेजी से विस्तार कर रहे पत्तन और समुद्री क्षेत्र में ओमानी कंपनियों के लिए निवेश के अवसरों को बताते हुए कहा कि भारत की पत्तन आधारित बुनियादी ढांचा परियोजनाएं सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के तहत आकर्षक निवेश अवसर प्रदान करती हैं। इनमें महाराष्ट्र की वधावन पत्तन परियोजना, जिसकी अनुमानित लागत 9 अरब डॉलर और क्षमता 23 मिलियन टीईयू है, तथा तमिलनाडु की तूतीकोरिन बाह्य बंदरगाह परियोजना, जिसकी लागत 1.3 अरब डॉलर और क्षमता 4 मिलियन टीईयू है, शामिल हैं। केंद्रीय मंत्री ने भारत के 8.4 अरब डॉलर के समुद्री विकास पैकेज की जानकारी भी दी, जिसका उद्देश्य जहाज निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करना है। इसमें जहाज निर्माण समूहों की स्थापना, अनुसंधान एवं विकास को प्रोत्साहन तथा समुद्री विकास कोष की स्थापना शामिल है। साथ ही उन्होंने भारत और ओमान के बीच ग्रीन शिपिंग कॉरिडोर स्थापित करने का प्रस्ताव भी रखा। उन्होंने भारत और ओमान के बीच समुद्री विरासत और संग्रहालयों से संबंधित समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर का स्वागत करते हुए कहा कि इससे दोनों देशों के साझा समुद्री इतिहास को संरक्षित और समृद्ध करने में सहयोग मिलेगा।

तालाब में मिले घर से लापता चार बच्चों के शव, मुख्यमंत्री ने जांच के निर्देश

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के अहमदपुर पावन गंगा में मंगलवार से गायब चार बच्चों के शव आज घर से लगभग एक किलोमीटर दूर एक तालाब में मिले हैं। दो सगे भाइयों सहित चार बच्चों के शव मिलने से पूरे गांव में शोक व्याप्त हो गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना पर शोक जताया और जांच के निर्देश दिए हैं। जिले के पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के हुसैनपुर पावन गांव निवासी प्रदीप सोनकर के दो बेटे प्रतीक सोनकर 12 वर्ष, प्रिंस 10 वर्ष, इनके पड़ोसी प्रियांशु सोनकर 11 वर्ष पुत्र स्वर्गीय संदीप सोनकर एवं राजेश सोनकर का 19 वर्षीय बेटा करन सोनकर मंगलवार से गायब थे। उनके घर से एक किलोमीटर दूर एक तालाब में चारों बच्चों के शव मिले।

चार बच्चों के एक साथ शव मिलने की सूचना पर पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने चारो शवों को तालाब से निकलवा कर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया।

उज्जैन में महाकाल महोत्सव का भव्य शुभारंभ, शंकर महादेवन के भजनों की सुमधुर प्रस्तुति

एजेंसी

उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकाल की नगरी उज्जैन में मकर संक्रांति पर्व की पावन संध्या पर श्री महाकाल महालोक परिसर में पांच दिवसीय महाकाल महोत्सव की भव्य शुरुआत हुई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार देर शाम दीप प्रज्ज्वलन और पूजन अर्चन कर श्री महाकाल महोत्सव का शुभारंभ किया। महोत्सव में पार्श्व गायक शंकर महादेवन ने भजनों की सुमधुर प्रस्तुति दी।इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्री महाकाल की नगरी काल गणना के साथ अब यह नगरी उत्?सव और आनंद की नगरी के रुप में पहचानी जा रही है। श्री महाकाल महोत्सव से उज्जैन की सुंदरता को स्वर्ग के समान बना दिया है। यहां पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा श्री महाकाल महालोक का शुभारंभ किया गया था। शुभारंभ के बाद पहली बार बाबा श्री महाकाल के आंगन में श्री महाकाल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। श्री महाकाल की इस पवित्र नगरी में भगवान श्री राम, भगवान श्री कृष्ण के साथ ही भगवान श्री गुरुनानक देव महाराज ने भी यहां आकर इस धरती को धन्य किया है। उन्होंने कहा

कि आज की उज्जैन नगरी महाकवि कालिदास की रचनाओं की अवंतिका के समान हो गई है। सम्राट विक्रमादित्य और राजा भोज के काल से अवंतिका नगरी न्याय और प्रशासनिक दक्षता की वाहक है। सम्राट विक्रमादित्य, राजा भोज और अवंतिका नगरी की अन्य महान विभूतियों और प्रेरक कहानियों को श्री महाकाल महालोक में मूर्ति कला और दीवारों पर चित्रों के माध्यम से बड़ी सुंदर तरीके से दर्शाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा किबाबा श्री महाकाल के डमरू की कल्पना भी बहुत सुंदर है। जिसमें बारिश की बूंद गिरते हुए तालाब नदी पर जो आवाज करती है उसी आवाज से मिलकर डमरू वादन का सृजन हुआ है। बाद के सारे यंत्र उससे जुड़ते चले गए जिसके माध्यम से संगीत की बहुत समृद्ध परंपरा हमारे शास्त्रीय संगीत के माध्यम से नाना प्रकार से दुनिया ने सीखी है। महाकाल महोत्सव श्रद्धालुओं को आध्यात्म, धर्म और प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक परम्परा से जोड़ने का माध्यमउन्होंने कहा कि श्री महाकाल की नगरी काल की नगरी है। श्री महाकाल की कृपा से हमारी प्रत्येक सांस है और प्रेरणा से यह जीवन मानव सेवा के लिए समर्पित है। प्रदेश ने धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर अपनी नवीन पहचान स्थापित की है। श्री महाकाल महोत्सव श्रद्धालुओं को आध्यात्म, धर्म और प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा से जोड़ने का माध्यम है। इससे श्रद्धालुओं को बाबा का आशीर्वाद भी मिलेगा और उज्जैन की जानकारी भी मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में दो ज्योतिर्लिंग है और दोनों ज्योतिर्लिंग की कनेक्टविटी सड़क, वायु और रेल मार्ग से बढ़ाकर श्रद्धालुओं को सुविधा प्रदान की जा रही है।

उज्जैन में तो शक्ति पीठ माता गढ़ कालिका भी है, साथ ही यहाँ शिप्रा के किनारे गुरुद्वारा है जहां श्री गुरु नानक जी आए और उज्जैन का उल्लेख अपने पदों में किया है। उज्जैन की विविधता और समरसता निराली है। उन्होंने कहा कि उज्जैन में सावन महोत्सव 2003 के बाद शुरू किया गया। अब शिवरात्रि से लेकर गुड़ी पड़वा तक उज्जैन में मेलों का आयोजन हो रहा है।

रेलवे ने माल परिवहन में बनाया नया रिकॉर्ड, एक दिन में 892 ट्रेनों का इंटरचेंज

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने माल परिवहन के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए परिचालन दक्षता का नया मानदंड तय किया है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) नेटवर्क पर एक ही दिन में रिकॉर्ड 892 ट्रेनों का इंटरचेंज किया गया, जो अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है।डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) के अनुसार रविवार, 5 जनवरी को डीएफसी नेटवर्क और भारतीय रेलवे के पांच जोनों के बीच कुल 892 इंटरचेंज ट्रेनों का संचालन किया गया। इससे पहले 4 जनवरी को 865 ट्रेनों का इंटरचेंज किया गया था, जो अब तक का रिकॉर्ड था।

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक इस रिकॉर्ड मालवाहक इंटरचेंज से पारंपरिक रेल लाइनों पर दबाव कम हुआ है, जिससे यात्री ट्रेनों का संचालन अधिक समयबद्ध और सुविधाजनक बन सका है। साथ ही आवश्यक वस्तुओं की तेज डिलीवरी और लॉजिस्टिक्स लागत में कमी से अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है। यह उपलब्धि डीएफसीसीआईएल की बढ़ती परिचालन क्षमता, सुदृढ़ योजना प्रणाली और मजबूत ट्रैफिक प्रबंधन को दर्शाती है। ट्रेन गति के प्रभावी नियमन, सुरक्षित हेडवे बनाए रखने और पड़ोसी स्टेशनों के बीच बेहतर समन्वय के जरिए भारी लोड वाले खंडों पर भी सुरक्षित, ईंधन-कुशल और निर्बाध संचालन सुनिश्चित किया गया। आधुनिक ट्रेन शेड्यूलिंग टूल्स, रियल-टाइम ट्रैफिक मॉनिटरिंग, स्वचालित सिग्नलिंग और डिजिटल कंट्रोल रूम्स ने इस प्रदर्शन को और मजबूत किया। सेंट्रल कंट्रोल द्वारा नेटवर्क स्तर पर निगरानी और योजना के जरिए पूरे डीएफसी नेटवर्क में निर्बाध संचालन सुनिश्चित किया गया। उच्च क्षमता वाले शक्तिशाली इंजनों ने लंबी और भारी मालगाड़ियों को अधिक औसत गति से खींचने में अहम भूमिका निभाई। वहीं, लोको पायलटों, सहायक लोको पायलटों और ट्रेन प्रबंधकों के बेहतर समन्वय से पूरे दिन सुरक्षित और अनुशासित संचालन संभव हो सका।

मजबूत फीडर रूट्स और कुशल यार्ड प्रबंधन के चलते ट्रेनों की आवाजाही तेज हुई और माल की समय पर निकासी सुनिश्चित हुई।

अंडर-19 वर्ल्ड कप : भारत की जीत के साथ शुरूआत, अमेरिका को 6 विकेट से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के खिलाफ आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 में भारत ने जीत के साथ शुरूआत की है। बुलावेयो के क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में वर्षा प्रभावित मैच में भारत ने अमेरिका को 6 विकेट से हराया। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया और हेनिल पटेल के पारी में 5 विकेट की बदौलत भारत ने अमेरिका की 107 रन पर ढेर कर दिया। अमेरिका की तरफ से नितीश सुदिनी ने सबसे ज्यादा 36 रन बनाए। बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने भी गेंदबाजी की और एक विकेट झटका। भारत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 3 विकेट के नुकसान पर 53 रन बना लिए हैं।

इसके जवाब में उतरी भारतीय टीम ने खराब शुरुआत की क्योंकि वैभव सूर्यवंशी मात्र 2 रन पर बोल्ड हो गए। इसके बाद बारिश आ गई जिस कारण मैच को रोक दिया गया। भारत का औसत शानदार था जिस कारण कुछ देर के बाद जब बारिश रूकी तो ओवर कम करके लक्ष्य 96 का कर दिया गया। कप्तान आयुश महात्रे और वेदांत त्रिवेदी टिकने की कोशिश में थे कि त्रिवेदी (2) आउट हो गए। इसके बाद विहान मल्होत्रा क्रीज पर आए। लेकिन टीम का स्कोर 25 था जब कप्तान महात्रे (19) आउट हो गए। इसके बाद मल्होत्रा और अभिज्ञान कुंडू के बीच 45 रन की साझेदारी हुई। टीम का स्कोर 70 था जब मल्होत्रा (18) आउट हो गए और कुंडू (42) कनिष्क चौहान (10) के साथ जीत दर्ज कर वापस लौटे।

इंडिया ओपन: लक्ष्य ने केंटा को सीधे मैचों में हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के टॉप रैंक वाले पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने गुरुवार को यहां इंदिरा गांधी स्टेडियम में योनेक्स सनराइज इंडिया ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए जापान के निशिमोटो केंटा को हराया। पेरिस ओलंपिक के सेमी फाइनलिस्ट लक्ष्य सेन पहले गेम में शुरुआत में थोड़ा घबरा गए और पीछे हो गए लेकिन बाद में उन्होंने लय पकड़ी और आखिर में शानदार जीत हासिल की।

पहले गेम में 14-18 से पीछे होने के बाद लक्ष्य ने वापसी करते हुए पहला गेम 21-19 से जीत लिया। एक बार जब उन्होंने लय पकड़ ली, तो दुनिया के नंबर 13 खिलाड़ी ने दूसरा गेम 21-10 से जीत लिया। क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य एकमात्र भारतीय एकल खिलाड़ी होंगे। इससे पहले भारत की उम्मीद एच एस प्रणय और किदांबी श्रीकांत इंडिया ओपन के दूसरे दौर में गुरुवार को तीन गेमों के संघर्षपूर्ण मुकाबले में हार कर बाहर हो गए। प्रणय को आठवीं सीड सिंगापुर के लोह कीन यियू ने 18-21, 21-19, 21-14 से हराया। प्रणय पहला गेम जीतने का फायदा नहीं उठा पाये और अगले दो गेम हारकर मुकाबले से बाहर हो गए। श्रीकांत को पांचवीं सीड फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव ने 21-14, 17-21, 21-17 से हराया। पूर्व नंबर एक श्रीकांत ने पहला गेम हारने के बाद दूसरे गेम में संघर्ष दिखाते हुए जीत हासिल की, लेकिन निर्णायक गेम हारकर वह भी टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

टी20 विश्वकप को देखते हुए फिटनेस हासिल करने में लगे हैं हेजलवुड

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड अगले माह होने वाले टी20 विश्कप को देखते हुए फिटनेस हासिल करने का प्रयास कर रहे हैं। हेजलवुड को 7 फरवरी से होने वाले विश्वकप के लिए टीम में शामिल किया गया है पर उनके खेलने का फैसला फिट होने पर ही लिया जाएगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम विश्वकप में अपना अभियान 11 फरवरी को कोलंबो में आयरलैंड के खिलाफ मुकाबले से करेगी। हेजलवुड टीम के प्रमुख गेंदबाजों में शामिल हैं, ऐसे में टीम को उनके फिट होने का इंतजार है। हेजलवुड ने हाल ही में एशेज सीरीज में काफी अच्छी गेंदबाजी की थी पर अब उन्हें ब्रेक मिला हुआ है। इसी कारण वह बिग बैश लीग (बीबीएल) से भी बाहर हैं। इस तेज गेंदबाज ने कहा कि आजकल वह अपनी गेंदबाजी, रनिंग और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग पर काम कर रहे हैं और ट्रैक पर वापस आने को लेकर सकारात्मक हैं। हेज़लवुड ने कहा, सब कुछ प्लान के हिसाब से चल रहा है। पिछले हफ़्ते मैंने हाफ-रन से कुछ गेंदबाजी की। रनिंग अच्छी चल रही है, स्ट्रेंथ की सभी चीजें अच्छी चल रही हैं, तो हां, सब ट्रैक पर है। हेजलवुड का मानना है कि इस सत्र में लगातार फिटनेस संबंधी परेशानियों के कारण उनके लिए अपने शरीर को लय में बनाये रखना एक चुनौती रही है। इस सीजन में लगातार चोटों के बारे में हेजलवुड ने कहा, कभी-कभी, जब एक चीज ठीक होती है, तो दूसरी सामने आ जाती है। मुझे लगता है कि जब आप फिर से अभ्यास शुरू करते हैं, तो कभी-कभी आपके शरीर को रुकना और फिर से शुरू करना पसंद नहीं आता। इसलिए अब वह इन परेशानियों पर ज़्यादा ध्यान नहीं दे रहे।

शुभमन ने हार के लिए गेंदबाजी को जिम्मेदार बताया

–बीच के ओवरों में नहीं निकाल पाये विकेट

राजकोट(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में 7 विकेट से हार पर निराशा जताते हुए इसके लिए गेंदबाजी को जिम्मेदार बताया और कहा कि वे बीच के ओवरों में विकेट नहीं ले पाये। वहीं न्यूजीलैंड ने डेरिल मिचेल की शतकीय पारी 131 रनों की सहायता से ये मुकाबला आसानी से जीत लिया। कीवी टीम ने जीत के लिए मिले 285 रनों के लक्ष्य को 47.3 ओवर में ही हासिल कर लिया। शुभमन ने कहा, 'हम बीच के ओवरों में कोई विकेट नहीं ले पाये। साथ ही कहा कि अगर आप 5 फील्डर अंदर होने के बाद भी बीच के ओवरों में विकेट नहीं निकाल पाते हैं तो काफी कठिन स्थिति हो जाती है। ऐसे में अगर हमने कुछ अधिक रन भी बनाये होते तो भी हम अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पाते। किसी भी टीम को रोकने के लिए विकेट लेना जरुरी होता है। अगर ऐसा नहीं होता है तो जीत दर्ज करना संभाव नहीं होता।' उन्होंने कहा कि हमने मेहमान टीम को एक चुनौतीपूर्ण लक्ष्य दिया था। पहले 10 ओवरों में हमारी गेंदबाजी कसी हुई थी पर बाद में हम उसे बरकारार नहीं रख पाये। हम विरोधी टीम पर दबाव बनाने का प्रयास कर रहे थे पर सफल नहीं हुए। इसके अलावा जैसे-जैसे खेल आगे बढ़ा, बल्लेबाजी आसान होती गई जिसका भी लाभ् मेहमान टीम को मिला। इसका कारण है कि विकेट अच्छी तरह से जम गया था. मुझे लगता है कि हमें बीच के के ओवरों में हमें जोखिम लेते हुए आक्रामक गेंदबाजी करनी चाहिये थी।'इसके अलावा कप्तान ने टीम की कमजोर फील्डिंग को भी हार के लिए जिम्मेदार माना है। उन्होंने

कहा कि हमने कई अवसर खोये अगर ऐसा नहीं होतो तो परिणाम कुछ और होता।

वोलवाड्र्ट को मिला दिसंबर महीने का प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड

दुबई । दक्षिण अफीका की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान लौरा वोलवाड्र्ट को दिसंबर 2025 में किये अच्छे प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड दिया गया है । वोल्वाड्र्ट ने इस अवार्ड की दौड़ में साथी सुने लुस और भारत की शैफाली वर्मा को भी पीछे छोड़ा । आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में वोलवाड्र्ट ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था । उन्होंने इसके अलावा एक महीने में सभी फॉर्मेट में तीन शतक लगाकर साल का समापन किया था । वोलवाड्र्ट ने पहले टी20 में 205.35 के शानदार स्ट्राइक रेट से नाबाद 115 रन बनाए जिसमें 15 चौके और चार छक्के शामिल थे । इसके बाद एकदिवसीय सीरीज में भी उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की । उन्होंने लगातार दो शतक लगाए जिसमें दूसरे एकदिवसयीय में 111 गेंदों में 124 रन और आखिरी मैच में नाबाद 100 रन थे । वोलवाड्र्ट ने तीनों एकदिवसीय में 127.50 के शानदार औसत और 111.84 के स्ट्राइक रेट से 255 रन बनाए । वहीं टी20 सीरीज में उन्होंने 190.27 के शानदार स्ट्राइक रेट से 137 रन बनाए और सिर्फ एक बार आउट हुईं । यह वोलवाड्र्ट का दूसरा प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड है, उन्होंने इससे पहले अक्टूबर 2025 में यह अवॉर्ड जीता था । अवार्ड दूसरी बार मिलने पर इस खिलाड़ी ने खुशी जतायी है । साथ ही कहा कि अब उनका ध्यान टी20 विश्वकप पर रहेगा ।

प्रणय और श्रीकांत इंडिया ओपन के दूसरे दौर में हारे

नई दिलली । भारत की उम्मीद एच एस प्रणय और किदांबी श्रीकांत इंडिया ओपन के दूसरे दौर में गुरुवार को तीन गेमों के संघर्षपूर्ण मुकाबले में हार कर बाहर हो गए । प्रणय को आठवीं सीड सिंगापुर के लोह कीन यियू ने 18–21, 21–19, 21–14 से हराया । प्रणय पहला गेम जीतने का फायदा नहीं उठा पाये और अगले दो गेम हारकर मुकाबले से बाहर हो गए । श्रीकांत को पांचवीं सीड फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव ने 21–14, 17–21, 21–17 से हराया । पूर्व नंबर एक श्रीकांत ने पहला गेम हारने के बाद दूसरे गेम में संघर्ष दिखाते हुए जीत हासिल की, लेकिन निर्णायक गेम हारकर वह भी टूर्नामेंट से बाहर हो गए । इस बीच महिला एकल में मालविका बंसोड़ को भी हार का सामना करना पड़ा । बंसोड़ को पांचवीं सीड हान युई ने 21–18, 21–15 से हराया । महिला एकल में भारत की सबसे बड़ी उम्मीद पीवी सिंधु बुधवार को पहले ही दौर में बाहर हो गई थी ।

सिराज रणजी ट्रॉफी के बचे हुए मुकाबलों में हैदराबाद की कप्तानी करेंगे

मुम्बई । तिलक वर्मा की जगह पर मोहम्मद सिराज को रणजी ट्रॉफी के बचे मुकाबलों के लिए हैदराबाद का कप्तान बनाया गया है। हैदराबाद की टीम को इस सत्र के अपने बचे हुए दो मैचों में 22 और 29 जनवरी को अपने घरेलू मैदान पर मुंबई और छत्तीसगढ़ से खेलना है। वहीं शुरुआती सत्र में कप्तान रहे तिलक को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए शामिल किया गया है। इसी कारण उनकी जगह सिराज को कप्तानी की जिम्मेदारी दी गयी है। तिलक हालांकि सजरी के कारण पहले तीन टी20 मैचों से बाहर रहेंगे । सिराज को पहली बार कप्तानी दी गयी है । सिराज मुंबई के खिलाफ बतौर कप्तान अपना डेब्यू मैच खेलेंगे। इससे पहले वह राष्ट्रीय टीम में होने कोरण उपलब्ध नहीं थे । चयन समिति ने कहा , हमने सिराज बात की है और वह बाकी सत्र के लिए उपलब्ध हैं । वह एक फाइटर हैं और हमेशा जीतना चाहते हैं, और हमें भरोसा है कि इसका असर दूसरों पर भी पड़ेगा । हाल में विजया हजारे ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करने वाले अमन राव पेराला को भी टीम में शामिल किया गया है ।

हैदराबाद की टीम : मोहम्मद सिराज (कप्तान), जी राहुल सिंह (उप कप्तान), सीवी मिलिंद, तनय त्यागराजन, के रोहित रायुडू, के हिमातेजा, ए वरुण गौड़, एम अभिरथ रेड्डी, राहुल रादेश (विकेटकीपर), अमन राव पेराला, सीटीएल रक्षण रेडी, एन नितिन साई यादव, कनाला नितेश रेड्डी, साई प्रगनय रेड्डी (विकेटकीपर) और बी पुन्नैया ।

स्टैंडबाय : मिकिल जयसवाल, ए अवनीश राव (विकेटकीपर), कार्तिकेय काक, प्रणव वर्मा और पी नीतीश रेड्डी ।

विजय हजारे ट्रॉफी के सेमीफाइनल में आज होगा पंजाब और सौराष्ट्र का मुकाबला

बेंगलुरु (एजेंसी)। पंजाब की टीम शुक्रवार को विजय हजारे ट्रॉफी क्रिकेट 2025-26 के सेमीफाइनल में सौराष्ट्र से खेलेगी। मुंबई के खिलाफ मैच में मिली जीत से पंजाब की टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। जिससे अब उनका लक्ष्य इस मैच को जीतकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाना रहेगा। जैसी मजबूत घरेलू टीम के खिलाफ आखिरी ग्रुप मैच में एक रन की रोमांचक जीत के बाद पंजाब का आत्मविश्वास सातवें आसमान पर है। वहीं इससे पहले क्वार्टरफाइनल में उसने मध्य प्रदेश को आसानी से हराया था।

इस मैच में कप्तान अभिषेक शर्मा के नहीं होने से प्रभुसिमरन सिंह टीम की कप्तानी करेंगे। क्वार्टरफाइनल में प्रभुसिमरन, अनमोलप्रीत सिंह और नेहाल वढेरा ने अर्धशतक लगाये थे जिससे तय है कि ये खिलाड़ी अच्छी लय में है। ऐसे में टीम को इनसे सेमीफाइनल में भी बड़े स्कोर की उम्मीद रहेगी। इन बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना सौराष्ट्र के गेंदबाजों के लिए काफी कठिन रहेगा। वहीं गेंदबाजी में भी पंजाब का आक्रमण अच्छा है। उसके पास तेज गेंदबाज गुरनूर बरार के अलावा तेज गेंदबाज संवीर सिंह भी है। इन दोनो का अब तक का प्रदर्शन अच्छा रहा है।

वहीं सौराष्ट्र की टीम की उम्मीदें सलामी बल्लेबाज हरविक देसाई पर रहेंगी। इस सत्र में उन्होंने तीन शतक और दो अर्धशतक लगाए हैं और टीम की बल्लेबाजी उनपर आधारित है। उसने पिछले मैच में उत्तर प्रदेश को हराया है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। उसके पास तेज गेंदबाज के तौर पर चेतन साकारिया हैं, जिन्होंने लगातार पिछले तीन मैचों में तीन-तीन विकेट लिए हैं। इसके अलावा अनुभवी तेज गेंदबाज चिराग जानी भी अहम भूमिका निभा सकते है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

सौराष्ट्र: रुचित आहिर, पार्थ भूट, युवराज चूड़सामा, हरविक देसाई, सम्मर गज्जर, अंश गोसाई, विश्वराज जडेजा, धर्मेंद्रसिंह जडेजा, चिराग जानी, जय गोहिल, हितेन कंबी, प्रणव करिया, हेत्विक कोटक, प्रेरक मांकड़, अंकुर पंवार, पारस्वराज राणा, चेतन साकारिया, तरंग गोहिल

पंजाब: अभिषेक शर्मा, अनमोलप्रीत सिंह, सलील अरोड़ा, अर्शदीप सिंह, सुखदीप सिंह बाजवा, गौरव चौधरी, गुरनूर ब्रार, हरनूर सिंह, हरप्रीत ब्रार, जशनप्रीत सिंह, कृष्ण भगत, नामन धीर, प्रब्सिमरन सिंह, रमणदीप सिंह, उदय सहारण, संवीर सिंह, रघु शर्मा, शुभमन गिल।

19 साल की कनाडाई खिलाड़ी म्बोको ने मेडिसन कीज को हराया

एडिलेड । 19 साल की कनाडाई खिलाड़ी विक्टोरिया म्बोको ने गुरुवार को एडिलेड इंटरनेशनल में मैडिसन कीज के टाइटल डिफेंस को 6–4, 4–6, 6–2 से हराकर खत्म कर दिया । यह इस हफ्ते डब्ल्यूटीए 500 इवेंट में खेले गए उतने ही मैचों में उनकी तीसरी तीन–सेट वाली जीत थी । एक सेट और एक ब्रेक से आगे होने के बाद, कीज के खिलाफ म्बोको के लिए चीजें मुश्किल हो गईं जिन्होंने 2022 में एडिलेड से एक ट्रॉफी भी जीती थी । लेकिन मौजूदा ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन आखिरी सेट में थक गईं और म्बोको ने आखिरकार 1 घंटे और 53 मिनट में अपने छोटे से करियर की दूसरी टॉप 10 जीत हासिल की । कनाडाई खिलाड़ी ने कीज के आखिरी सेट की शुरुआत में सर्व होल्ड करने के बाद लगातार पांच गेम जीते और जीत हासिल की । उन्हें डिफेंडिंग चैंपियन के उतार–चढ़ाव वाले प्रदर्शन का फायदा मिला, जिन्होंने कुल 41 अनफोर्स्ड एरर किए और – नौ ऐस मारने के बावजूद – 12 ब्रेक पॉइंट का सामना किया और छह बार सर्व गंवाई । म्बोको ने बाद में कहा, 'मुझे पता है कि उसने पिछले साल यह टूर्नामेंट जीता था, और बेशक, ऑस्ट्रेलियन ओपन भी, और मुझे इस मैच में आने से पहले पता था कि यह एक बड़ी लड़ाई होगी ।' आठवीं सीड अब सेमीफाइनल में पसंदीदा स्थिति में होंगी क्योंकि वह डब्ल्यूटीए टूर पर अपने तीसरे करियर फाइनल की तलाश में हैं जो सभी पिछले अगस्त में मॉन्ट्रियल में अपने घरेलू मैदान पर डब्ल्यूटीए 1000 टाइटल जीतने के बाद से आए हैं । उस टूर्नामेंट के पहले राउंड में, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की किम्बर्ली बिररेल को हराया था और यह जोड़ी इस बार फिर खेलेगी, जिसमें बिना सीड वाली बिररेल को अब घरेलू दर्शकों का फायदा मिलेगा । 27 साल की गोल्ड कोस्ट की रहने वाली खिलाड़ी ने अपने करियर में पहली बार डब्ल्यूटीए 500–लेवल के सेमीफाइनल में जगह बनाई, जिसमें उन्होंने तीन सेट में जीत हासिल की – रोमानिया की जैकलिन क्रिस्टियन के खिलाफ 5–7 6–1, 7–5 का एक शानदार मैच जो 3 घंटे और 4 मिनट तक चला ।

खिलाड़ियों के विरोध के बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के निदेशक नजमुल हटाये गये

ढाका (एजेंसी)। खिलाड़ियों के भारी विरोध को देखते हुए बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के निदेशक एम नजमुल इस्लाम को पद से हटा दिया गया है। नजमुल से खिलाड़ी बेहद नाराज थे और उन्होंने धमकी दी थी कि अगर नजमुल नहीं हटाये गये तो वे हड़ताल कर देंगे। खिलाड़ियों ने नजमुल के बयानों पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा था कि उन्होंने हद पार कर दी है। लिया है।

क्रिकेटर्स वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ बांग्लादेश ने नजमुल इस्लाम के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए कहा था कि वह अपने पद से इस्तीफा नहीं देते हैं, तो खिलाड़ी सभी प्रारुपों का बहिष्कार करेंगे। खिलाड़ी इसलिए नाराज थे क्योंकि नजमुल ने पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को भारतीय एजेंट कहा था। खिलाड़ियों ने इसे अपना अपमान बताया। इस मामले को सुलझाने के लिए एसोसिएशन और बीसीबी के अधिकारियों के बीच बातचीत भी हुई पर कोई हल नहीं निकला।खिलाड़ियों ने अपने फैसले पर बरकरार रहते हुए तय समय से कई घंटे पहले तक मैदान पर न आने का फैसला किया। इसके चलते बांग्लादेश प्रीमियर लीग का शुरुआती मैच भी शुरु नहीं हो पाया।

नीरज चोपड़ा को मिली मंजूरी, ट्रेनिंग के लिए पोटचेफस्ट्रूम रवाना

नई दिल्ली(एजेंसी)। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भारतीय भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने अपने चुने हुए स्थल दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में सत्र पूर्व ट्रेनिंग शुरू कर दी है। खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल (स्ब्सष्ट) ने नए कोच जय चौधरी के साथ उनके 32 दिवसीय शिविर को मंजूरी दे दी है। नीरज ने पिछले हफ्ते चेक गणराज्य के दिग्गज जान जेलेजनी से कोच के तौर पर अलग होने का फैसला किया और चौधरी के साथ जुड़ने का फैसला किया जो उनके शुरुआती कोच थे और इस सुपरस्टार के गृहनगर पानीपत में भाला फेंक के खिलाड़ियों को ट्रेनिंग देते हैं।

भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया कि

यह 28 वर्षीय खिलाड़ी पांच फरवरी तक पोटचेफस्ट्रूम में रहेगा जो दुनिया भर के भाला फेंक के खिलाड़ियों के लिए एक प्रमुख ट्रेनिंग स्थल है और उनके लिए कुल स्वीकृत सहायता राशि 11 लाख 80 हजार रुपए है। टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) में शामिल एलीट खिलाड़ियों को वित्तीय और साजो-सामान से जुड़ी सहायता पर फैसला करने वाला एमओसी ने बुधवार को यहां बैठक की थी। ट्रेनिंग शिविर में नीरज की सहयोगी टीम में लंबे समय से उनके फिजियोथेरेपिस्ट इशान मारवाहा भी शामिल हैं।

सूत्र ने कहा, 'इस ट्रेनिंग शिविर का लक्ष्य इस साल होने वाली प्रमुख प्रतियोगिताओं जिसमें एशियाई खेल और राष्ट्रमंडल खेल शामिल हैं, से पहले उनकी शारीरिक अनुकूलनता, ताकत और तकनीकी निरंतरता को बेहतर बनाना है। स्वीकृत प्रस्ताव के अनुसार वित्तीय सहायता में उनके ट्रेनिंग शिविर का खर्च, जिम और ट्रेनिंग मैदान तक पहुंच, हवाई अड्डे से आना-जाना और जेब खर्च शामिल होगा।'

हरियाणा के इस खिलाड़ी को पिछले साल एडक्टर मांसपेशी में खिंचाव की समस्या थी लेकिन इसके बावजूद वह दोहा डाइमंड लीग में 90 मीटर का आंकड़ा पार करने में कामयाब रहे थे। हालांकि उनके लिए एक बड़ी निराशा पिछले साल सितंबर में तोक्यो विश्व चैंपियनशिप में आठवें स्थान पर रहना था जिसके बाद उन्होंने अपनी फिटनेस समस्याओं को ठीक करने के लिए ब्रेक लेने का फैसला किया। वह तोक्यो में गत चैंपियन थे लेकिन पूरे मुकाबले के दौरान साफ तौर पर असहज दिखे। उम्मीद है कि नीरज मई में दोहा डाइमंड लीग में अपने 2026 सत्र की शुरुआत करेंगे। एमओसी की 167वीं बैठक में विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों के प्रस्तावों के लिए कुल एक करोड़ 40 लाख रुपये मंजूर किए गए। सूत्र ने बताया, 'इसमें दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में सचिन यादव के लिए विशेष भाला फेंक उपकरण का आग्रह भी शामिल है।' यादव पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में चौथे स्थान पर रहकर सुर्खियों में आए थे। उन्होंने विश्व चैंपियनशिप में पदार्पण करते हुए नीरज से बेहतर प्रदर्शन किया था। एमओसी की अगली बैठक फरवरी के बीच में होने की उम्मीद है और सूत्रों के अनुसार उस बैक में कोर और डेवलपमेंट समूल के खिलाड़ियों की मौजूदा सूची की कड़ी समीक्षा की जाएगी।

सूत्र ने कहा, 'बुधवार को बैठक ऑनलाइन हुई थी और हालांकि इसी में समीक्षा की जानी थी लेकिन हमने फैसला किया कि खिलाड़ियों की समीक्षा आमने-सामने की बैठक में की जानी चाहिए। इसलिए फरवरी की बैठक महत्वपूर्ण होगी।' कोर समूह के खिलाड़ियों की संख्या अभी 118 है जिसमें 57 सामान्य और 61 पैरा खिलाड़ी शामिल हैं।

अगस्त में बीडब्लयूएफ विश्व चैंपियनशिप में शामिल होंगे एंटोनसन, वायु प्रदूषण के कारण इंडिया ओपन सुपर से नाम वापस लिया

नई दिल्ली। डेनमार्क के स्टार खिलाड़ी एंडर्स एंटोनसन ने कहा है कि वह अगस्त में होने वाली बीडब्लयूएफ बैडमिंटन (बीडब्लयूएफ) विश्व चैंपियनशिप में भाग ले सकते हैं। एंटोनसन के अनुसार वह दिल्ली में वायु प्रदूषण के कारण इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शामिल नहीं हुए हैं। एंटोनसन ने गत सप्ताह ही इंडिया ओपन से नाम वापस लेने पर फैसला कर लिया पर तब कारणों का खुलासा नहीं किया था। वहीं अब विश्व के इस दूसरे नंबर के खिलाड़ी ने सोशल मीडिया में अपने इस फैसले का कारण बताया है। इस खिलाड़ी को एंटोनसन ने कहा, 'उम्मीद है कि जब दिल्ली में विश्व चैंपियनशिप होगी तो हालात बेहतर होंगे। एंटोनसन ने इंडिया ओपन का ड्रॉ निकाले जाने से पहले ही प्रतियोगिता से नाम वापस ले लिया था पर पर फिर भी प्रतियोगिता से हटने के कारण बैडमिंटन की विश्व संचालन संस्था (बीडब्ल्यूएफ) ने उन पर पांच हजार अमेरिकी डॉलर का जुर्माना लगाया था। एंटोनसन पिछली बार 2023 में इंडिया ओपन में खेले थे जहां वह दूसरे दौर में हार गए थे।

हक देखने के बाद आलिया भट्ट बनीं यामी गौतम की फैन

आलिया भट्ट ने हाल ही में फिल्म हक देखी। आलिया को हक बेहद पसंद भी आई। जिसे लेकर आलिया ने आज अपने सोशल मीडिया हैंडल पर यामी के बारे में कुछ खास लिखा है और साथ ही यह भी बताया है कि वह अब उनकी फैन बन गई हैं। नेटफ्लिक्स पर आने के बाद कई बॉलीवुड सितारों ने हक को देखा और अपनी राय दी। आलिया से पहले कियारा आडवाणी ने भी यामी की तारीफ की थी। उन्होंने लिखा था, अभी नेटफ्लिक्स पर हक देखी, यामी गौतम, क्या शानदार परफॉर्मेंस थी। आलिया भट्ट ने यामी गौतम के अभिनय की बहुत तारीफ की है। आलिया ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, क्वीन यामी गौतम, हक में आप कला, दिल और सोने की तरह चमक रही हैं। यह मेरे अब तक के सबसे अच्छे महिला किरदारों में से एक है... जैसा मैंने फोन पर भी कहा था... मैं यामी की बहुत बड़ी फैन हूं और आपके आने वाले सभी कामों का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।

किसके बारे में है फिल्म हक?

फिल्म में यामी गौतम ने शाजिया बानो का किरदार निभाया है और इमरान हाशमी ने वकील की भूमिका की है। इसके अलावा वर्तिका सिंह, दानिश हुसैन, शीबा चड्ढा और परिधि शर्मा जैसे कलाकार भी हैं। निर्देशक सुपर्ण वर्मा हैं। फिल्म हक बॉक्स ऑफिस पर अच्छी चली। वहीं अब ओटीटी पर भी फिल्म को काफी पसंद किया जा रहा है। यह फिल्म 2025 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह एक कोर्टरूम ड्रामा है, जो सुप्रीम कोर्ट के एक बड़े फैसले से प्रेरित है। दर्शकों और समीक्षकों को यह फिल्म बहुत पसंद आई।

विवेक ओबेरॉय के साथ सुर्खियों में आईं श्रेया शर्मा

अभिनेत्री श्रेया शर्मा, जिन्होंने हाल ही में मस्ती 4 में अपने अभिनय से दर्शकों का ध्यान खींचा, अब अपने करियर की एक बड़ी छलांग के लिए तैयार हैं। श्रेया जल्द ही फिल्म मिस्टर एंड मिसेज ग्रे में फीमेल लीड के रूप में नजर आएंगी, जहां वह पहली बार विवेक ओबेरॉय के साथ स्क्रीन साझा करेंगी। इस घोषणा के साथ ही फिल्म को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है, जो श्रेया के अभिनय सफर में एक नए और रोमांचक अध्याय की शुरुआत मानी जा रही है। अपनी दमदार स्क्रीन प्रेज़ेंस और लगातार बदलते, चुनौतीपूर्ण किरदारों के चयन के लिए पहचानी जाने वाली श्रेया की मिस्टर एंड मिसेज ग्रे में कास्टिंग इस बात का संकेत है कि वह अब और अधिक गहराई व परफॉर्मेंस-ड्रिवन प्रोजेक्ट्स की ओर बढ़ रही हैं। यह फिल्म जटिल रिश्तों और भावनात्मक उतार-चढ़ाव की पड़ताल करने वाली बताई जा रही है, जिसमें श्रेया का किरदार अनुभवी अभिनेता विवेक ओबेरॉय के साथ एक अहम भूमिका निभाएगा। प्रोजेक्ट को लेकर बात करते हुए श्रेया शर्मा ने इस फिल्म की अपने लिए अहमियत पर एक भावुक और विस्तार से भरा नोट साझा किया।

मिस्टर एंड मिसेज ग्रे मेरे पास उस समय आई, जब मैं जानबूझकर ऐसा किरदार तलाश रही थी जो मुझे भावनात्मक और रचनात्मक रूप से चुनौती दे। विवेक ओबेरॉय के साथ काम करना एक अद्भुत सीखने का अनुभव है—वह हर सीन में गहराई और सच्चाई लेकर आते हैं। कहानी तीव्र, वास्तविक और बेहद परतदार है, और मेरा किरदार एक शक्तिशाली भावनात्मक सफर से गुजरता है। मैं निर्माताओं की आभारी हूं कि उन्होंने मुझ पर इतना मजबूत किरदार निभाने का भरोसा किया, और मुझे पूरा विश्वास है कि दर्शक इस फिल्म से गहराई से जुड़ेंगे। इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का मानना है कि मिस्टर एंड मिसेज ग्रे श्रेया शर्मा के करियर का टर्निंग पॉइंट साबित हो सकती है, जो उन्हें एक उभरती हुई प्रमुख अभिनेत्री के रूप में स्थापित करेगी। मस्ती 4 ने जहां उन्हें लोकप्रियता दिलाई, वहीं यह नई फिल्म उनके अभिनय को ठोस आधार देने वाली है। जैसे-जैसे मिस्टर एंड मिसेज ग्रे को लेकर उत्सुकता बढ़ रही है, सभी की नजरें अब श्रेया शर्मा पर टिकी हैं—एक ऐसी अभिनेत्री जो साफ तौर पर अपने करियर के अगले स्तर में कदम रखने के लिए पूरी तरह तैयार है।

प्यार में धोखे मिलने के बाद रिश्तों को लेकर क्या सोचती हैं रश्मि देसाई?

टीवी सीरियल उतरन में तपस्या ठाकुर बनकर फेमस होने वाली रश्मि देसाई अपने नए चैट शो रश्मि दिल से दिल तक को लेकर छाई हुई हैं। अभिनेत्री का शो टीवी स्टार्स के निजी जीवन के बारे में दर्शकों को गहराई से बताएगा, लेकिन असल जिंदगी में खुद इतने सारे धोखे खाने के बाद प्यार और शादी के बारे में रश्मि की राय काफी अलग है। अभिनेत्री का कहना है कि अगर वो किसी के साथ इमोशनली इंवॉल्व होती हैं, तो अपना सब कुछ दे सकती हैं। एक्टर नंदीश संधू से टूटी शादी और कई लड़कों को डेट करने के बाद भी रश्मि देसाई आज भी सही पार्टनर की तलाश में हैं। अभिनेत्री ने खास बातचीत में प्यार, शादी और रिश्ते पर चर्चा की। कपल के बीच के इमोशंस पर बात करते हुए रश्मि देसाई ने कहा कि मैं बहुत प्रैक्टिकल इंसान हूं और मुझे क्रैक कर पाना बहुत मुश्किल है। अगर मैं किसी के साथ इमोशनल पार्ट पर जुड़ी तो उसे अपना दिल, जायदाद, घर और पैसा सब कुछ दे दूंगी क्योंकि मेरे लिए इंसान मैटर करता है, लेकिन अब इतने धोखे खाने के बाद मैंने किसी को अपनी तरफ आने की इजाजत नहीं दी है, लेकिन कहते हैं कि भगवान कोई न कोई रास्ता दिखा ही देता है। इस शो के दौरान मैंने समझा है कि रिश्ता दो लोगों के बीच का होता है, सबका नहीं होता है। रश्मि देसाई ने कहा कि उन्होंने ये भी सीखा कि काम और पर्सनल लाइफ को हमेशा अलग रखना चाहिए। अब मैंने अपने इमोशन को काम में शिफ्ट कर दिया है और मुझे काम करना बहुत पसंद है और ये मुझे हील करने का काम करता है और मेरा हैप्पी प्लेस है।

आने वाली फिल्म के जरिए संवेदनशील मुद्दों को सामने ला रही हैं श्वेता त्रिपाठी

समाज को आईने की तरह दिखाने वाली फिल्मों की एक अलग ही अहमियत होती है। ऐसी फिल्मों में केवल मनोरंजन ही नहीं, बल्कि समाज के उन मुद्दों को सामने लाने की हिम्मत होती है, जिन पर आम तौर पर लोग चुप रहते हैं। अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अपनी आने वाली फिल्म पलकों पे के जरिए इन संवेदनशील मुद्दों को सामने ला रही हैं। श्वेता त्रिपाठी ने शूटिंग के अनुभव को साझा किया और उसे चुनौतीपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, शूटिंग लगातार कई दिनों तक चली। यह लंबा शेड्यूल था। इस थकान भरे सफर ने पूरी टीम को और करीब ला दिया। कलाकारों और तकनीकी टीम के बीच जो समझ और भरोसा बना, वह फिल्म में दिखाई देगा। शूटिंग के दौरान एक-दूसरे की मदद करना सभी के लिए एक नई ऊर्जा बन गया। पलकों पे को लेकर श्वेता ने कहा, मुझे फिल्म की कहानी ने सबसे ज्यादा आकर्षित किया। फिल्म उन सवालों का सामना करती है जिनसे समाज अक्सर आंखें मूंद लेता है। तलाक, लैंगिक समानता, यौन पहचान और मानसिक स्वास्थ्य जैसे मुद्दे इस फिल्म में सीधे और ईमानदारी से उठाए गए हैं। ये वे विषय हैं जिन पर लोग आमतौर पर बात करना पसंद नहीं करते। इस फिल्म में बिना झिझक इन मुद्दों को प्रभावशाली तरीके से पेश किया गया है।

उन्होंने कहा, फिल्म के निर्देशक निधिश पुझक्कल ने इसे और भी खास बनाया है। उनका अंदाज अलग है। वह हर सीन, हर खामोशी और हर भावना को एक मनोवैज्ञानिक नजरिए से देखते हैं। ऐसे निर्देशन में काम करना एक अभिनेता का सपना होता है। इससे कलाकार अपने किरदार की गहराई में उतर सकता है और हर सीन में पूरी सच्चाई ला सकता है। उनका यह दृष्टिकोण फिल्म को केवल कहानी नहीं, बल्कि अनुभव बनाता है। श्वेता के अलावा फिल्म में अभिषेक चौहान और ईशान नकवी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

श्वेता ने सह कलाकारों के साथ काम करने के अनुभव के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, अभिषेक और ईशान दोनों ही बेहद ईमानदार और समर्पित कलाकार हैं। इस समर्पण ने मुश्किल और लंबे दिनों को भी सार्थक बना दिया। सभी ने पूरी मेहनत और दिल से काम किया, जिससे फिल्म का हर सीन प्राकृतिक और प्रामाणिक नजर आता है।

5 करोड़ की एलिमनी पर माही विज ने तोड़ी चुप्पी

हाल ही में टीवी के फेमस कपल में शुमार जय भानुशाली और माही विज ने अपने तलाक की घोषणा की। कपल ने एक ज्वाइंट स्टेटमेंट जारी कर फैंस को सेपरेट होने की बात बताई थी। ज्वाइंट स्टेटमेंट के बाद भी दोनों के फैसले, तलाक की एलिमनी और बच्चों को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। अब माही विज ने इन सभी सवालों के जवाब दिए हैं। एक्ट्रेस ने अपने हालिया यूट्यूब व्लॉग में इन पर बात की है। माही ने अपने इस व्लॉग को 'प्लीज स्टॉप इट' कैप्शन दिया है। वो कहती हैं- 'हां, मैं जय से अलग हो गई हूं। हमारा तलाक हो गया है लेकिन हम अच्छे दोस्त रहेंगे। हम दोनों ऐसे बने हैं कि हमें पीसफुल लोग हैं। हमें ड्रामा, झगड़े या गंदगी पसंद नहीं है। हमने आपसी सहमति से यह फैसला किया और अलग-अलग रास्ता अपनाया। हमारे लिए यही सही था।'

नफरत भरे कमेंट्स पर रिएक्शन देते हुए माही ने कहा- मैं कमेंट सेक्शन में बहुत कुछ पढ़ रही हूं। लोग पूछ रहे हैं कि हमने बच्चे क्यों गोद लिए, हमारे बच्चे क्यों पैदा किया? हमारा बैंक अकाउंट खाली नहीं है। हम अपने बच्चों की देखभाल कर सकते हैं। और ऐसा भी नहीं है कि जय अपनी जिम्मेदारियों से भाग गया हो या मेरे पास कुछ भी न हो। हमारे तीनों बच्चे पहले की तरह ही अपनी जिंदगी जीते रहेंगे। ये बच्चों के लिए अच्छी बात है। वो देखेंगे कि अगर कोई चीज काम नहीं कर रही तो इसका ये मतलब नहीं है कि तोड़ने के समय गंदगी फैलाएं। या कोर्ट-कचहरी में एक-दूसरे को घसीटो। मुझे लगता है कि मेरे बच्चे मुझे पर और जय पर प्राउड फील करेंगे। वहीं, तलाक की घोषणा के बाद दावा किया जा रहा था कि माही ने 5 करोड़ की तलाक एलिमनी मांगी है। इस दावे पर बात करते हुए माही ने कहा- 'मैं इंस्टाग्राम पर देख रही थी कि लोग लाइक और कमेंट के लिए कह रहे हैं कि माही ने 5 करोड़ की एलिमनी ले ली। ये बहुत दुखद है। आधी जानकारी में कुछ भी मत करिए। हमारे पुराने वीडियो निकालकर, कयास लगाए जा रहे हैं। हमने तो कुछ किया नहीं, आप लोगों ने पूरी गंदगी फैला दी। इसकी जरूरत नहीं। माही ने अपने व्लॉग में उनलोगों को भी लताड़ लगाई है, जो उनके फैसले के ड्रामा बता रहे हैं। एक्ट्रेस ने कहा- 'कोई ड्रामा नहीं है। किसी को तलाक लेना अच्छा नहीं लगता है। ऊपर वाला ना करें कि तुमलोगों के घर में ऐसा हो। जिस पर बीतती है, उसे पता है। हमारी इंडस्ट्री में तलाक लेना कोई मजाक नहीं बना है। बाहर भी तलाक हो रहा है। हर जगह तलाक हो रहा है। हमने ने इज्जत के साथ रिश्ते से निकलने का फैसला किया है, छोटे शहरों की लड़कियां बॉयफ्रेंड के लिए मर्डर कर दे रही हैं। आपलोग क्या बात कर रहे हैं?'

शादी मेरे लिए तीन दिन की पार्टी थी और वो हो गई

इस साल शादी के रिश्ते में बंधी यूट्यूबर टर्न ऐक्ट्रेस प्राजक्ता कोली अपनी फिल्म जुग जुग जियो से लेकर वेब सीरीज मिसमैच्ड और अब सिंगल पापा तक में वुड बी ब्राइड यानी होने वाली दुल्हन के किरदार में दिखीं। ऐसे में, स्क्रीन वाली शादी से लेकर असल जिंदगी में शादी के रिश्ते को लेकर प्राजक्ता से हमने की ये बातचीत

वेब सीरीज मिसमैच्ड की डिंपल के रूप में ऐक्टिंग करियर शुरू करने वाली यूट्यूबर टर्न ऐक्ट्रेस प्राजक्ता कोली फिल्म जुग जुग जियो से लेकर हालिया सीरीज सिंगल पापा तक में शादी की तैयारी में जुटी दुल्हन के किरदार में दिखाई दीं। वहीं, इस साल वह असल जिंदगी में भी लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड वृशांक खलान की दुल्हनिया बन गईं। ऐसे में, स्क्रीन पर बार-बार लहंगा पहनने के अनुभव पर प्राजक्ता ने बताया कि वैसे तो उन्हें लहंगे में रेडी होने में बड़ा मजा आता है, लेकिन एक शो की शादी वाले लहंगे से उन्हें इतनी नफरत हो गई थी कि वह उसे जला देना चाहती थीं।

उस लहंगे से नफरत हो गई थी

बकौल प्राजक्ता, मुझे लहंगे से दिक्कत नहीं है। लहंगा पहनकर मजा ही आता है, मगर सिंगल पापा वेब सीरीज हमने जहां शूट की, वहां थोड़ी दिक्कत हुई। यह सीरीज हमने रणथंभौर में मई की गर्मी में 48 डिग्री तापमान में शूट किया। हालांकि, इसमें भी मेरा लहंगा बहुत सुंदर है पर आखिर तक मुझे उससे इतनी नफरत हो गई थी कि मैंने हमारे कॉस्ट्यूम डिजाइनर को बोला था कि क्या पैकअप के बाद मैं इसे जला सकती हूं। मुझे इसे इतनी नफरत है कि मुझे इसे जलाकर इसके इर्द गिर्द नाचना है, वरना बाकी सब मजेदार था।

शादी बहुत खूबसूरत अहसास

वहीं, असल जिंदगी में शादी के बाद क्या खास और अलग महसूस कर रही हैं? इस बारे में वह बताती हैं, शादी मेरे लिए तीन दिन की पार्टी थी और वो हो गई। मैं मेरे पार्टनर वृशांक के साथ पिछले 14 साल से हूं तो पहले 13 साल हमने जिस चीज को बिल्ड किया था, अब उसे इंजॉय कर पा रहे हैं क्योंकि इतने सालों में पहली बार हम साथ रहे रहे हैं। मेरे लिए तो शादी के बाद के ये पिछले नौ-दस महीने बहुत खूबसूरत रहे हैं। मेरे लिए शादी एक खूबसूरत अहसास है क्योंकि मुझे ऐसा शख्स मिला जिसके साथ मैं बहुत खुश हूं। हमने साथ में समय लिया, फिर इस साल की शुरुआत में हमने शादी की।

पैरंट्स के साथ न रहना खलता है

वहीं, शादी के बाद के बदलावों पर प्राजक्ता आगे कहती हैं, शादी के बाद अगर किसी बदलाव से मैं जूझ रही हूं तो वो यह है कि मैं अपने मम्मा-पापा के साथ नहीं रहती। मेरे लिए वह सबसे मुश्किल बात थी। बाकी के बदलावों को तो वृशांक ने मेरे लिए बहुत आसान बना दिया लेकिन अपने पैरंट्स से अलग रहना मेरे लिए बहुत मुश्किल रहा है। वहीं, शादी को पुरानी संस्था करार देने के सवाल पर उनका कहना है, यह हर इंसान के निजी अनुभव और सोच पर निर्भर करता है। मुझे नहीं लगता कि कोई यंग लड़का या लड़की यह सोचता/सोचती होगी कि मुझे इसलिए शादी नहीं करनी क्योंकि यह एक पुरानी संस्था हो चुकी है। यह बेशक हो सकता है कि उसने अपने घर पर ऐसा कुछ देखा हो, जिससे वह इस रिश्ते में न पड़ना चाहे या उसे ऐसा कोई मिला नहीं, मगर मुझे लगता है कि इस सोच को जनरलाइज करना सही नहीं है।

मराठी फिल्म करने का सपना हुआ पूरा

नए साल में प्राजक्ता की एक पुराना सपना भी सच होने जा रहा है, जिसे लेकर वह खासी उत्साहित हैं। वह बताती हैं, 12 साल पहले जब मैं कॉलेज में थी, तब मराठी थिएटर करती थी। मैंने महाराष्ट्र और पूरे देश में करीब 150 शोज किए थे। इजरायल में भी हमने शो परफॉर्म किया था, लेकिन रेडियो में काम शुरू करने के बाद मैंने वह बंद कर दिया था। हालांकि, मेरा तब से मन था कि मैं कभी मराठी फिल्म करूं क्योंकि वो मेरी मातृभाषा भी है। इस साल के पहले दिन ही मेरी पहली मराठी फिल्म रिलीज हो रही है, जिसके लिए मैं बहुत एक्साइटेड हूं।

..बहुत जरूरी है बच्चों को यह सिखाना

अगर आप भी उन पेरेंट्स में से हैं, जो यह मान कर बैठे हैं कि बच्चों को सब कुछ सिखाने की जिम्मेदारी स्कूल की है, तो अपने को थोड़ा दुरूस्त कर लें। अगर बच्चों को सुनहरे कल के लिए तैयार करना है, तो कुछ बातें आपको भी उन्हें सिखानी होंगी...

सवाल पूछना

हम बच्चों से क्या चाहते हैं? यही न कि वे चीजों को खुद ब खुद सीखना और समझना जानें। इसके बाद हमें उन्हें हर चीज सिखाने की जरूरत नहीं होगी। जो कुछ उन्हें भविष्य में जानना-सीखना होगा, वे अपने आप उन चीजों को कर पाएंगे। बच्चे ऐसा कर सकें, इसका सबसे बेहतर तरीका यही है कि आप उन्हें सवाल पूछना सिखाएं। हालांकि ज्यादातर बच्चे ऐसा करते भी हैं, ऐसे में पेरेंट्स होने के नाते आपकी यह जिम्मेदारी है कि आप बच्चों के हर सवाल का जवाब यथा-संभव देने की कोशिश करें। वैसे भी बच्चों की आदत होती है कि वे जब भी कुछ नया देखते हैं, उसके बारे में सवाल पूछना शुरू कर देते हैं। लिहाजा जब बच्चे सवाल पूछें तो उन्हें डांटें या दुत्कारें नहीं, बल्कि इनाम दें।

पैशन खोजना

आपको क्या चीज आगे बढ़ाती है? आपका लक्ष्य, अनुशासन, बाहरी प्रेरणा, इनाम? नहीं, इनमें से एक भी चीज आपको आगे नहीं बढ़ाती। आपको आगे बढ़ाता है आपका पैशन। आप किसी चीज को लेकर इतने उत्साहित रहते हैं, कि हर वक्त उसी के बारे में सोचते रहते हैं। आपको कोई भी चीज करने में मजा आता है और जब वह चीज आकार लेती है तो आपको भीतर से खुशी होती है, यह है आपका किसी भी काम को करने का पैशन। अपने बच्चे की मदद उसका पैशन खोजने में कीजिए। किस काम को करने में उसे बहुत मजा आता है। उसकी रूचियों, उसके काम को हतोत्साहित मत कीजिए और न ही किसी चीज का मजाक उड़ाइए।

प्रोजेक्ट संभालना

एक किताब लिखना, उसे बेचना, घर का कोई भी काम करना एक प्रोजेक्ट जैसा ही है। आप किसी भी एक प्रोजेक्ट पर अपने बच्चे के साथ काम कीजिए और उसे देखने दीजिए कि कोई भी चीज कैसे पूरी की जाती है। इसके बाद कोई भी काम उसे अपने-आप ज्यादा से ज्यादा करने दीजिए। उसमें आत्मविश्वास बढ़ेगा। उसके बाद उसके सीखने की प्रक्रिया एक प्रोजेक्ट के समान ही होगी।

समस्याएं सुलझाना

यदि एक बच्चा कोई समस्या सुलझा सकता है तो वह दुनिया का कोई भी काम कर सकता है। कोई भी काम हमें डराने वाला हो सकता है, लेकिन देखा जाए तो वह महज एक समस्या है, जिसका हल होना है। एक नई स्किल, नया वातावरण, एक नई जरूरत किसी भी समस्या की वजह बन सकती हैं। इसलिए अपने बच्चे को समस्याएं सुलझाना सिखाइए। आप बच्चे के सामने साधारण समस्याएं रखिए और उसे कहिए कि वह इन्हें अपने हिसाब से सुलझाए। अगर वह उस समस्या को सुलझा नहीं पा रहा है तो आप तुरंत उसका हल मत बताइए, उसे थोड़ा जूझने दीजिए, उसे उस समस्या के सभी संभावित हल निकालने दीजिए और उसके प्रयासों के लिए उसे पुरस्कृत भी कीजिए। धीरे-धीरे बच्चे में किसी भी समस्या को लेकर आत्मविश्वास पैदा हो जाएगा और फिर शायद ऐसा कुछ नहीं बचेगा, जिसे वह हल नहीं कर सकता हो और आपकी समस्या भी बड़ी आसानी से हल हो जाएगी।

अपने आप में खुश रहना

सभी पेरेंट्स अपने बच्चों को बहुत लाड़ करते हैं और यह मानकर चलते हैं कि बच्चों की खुशी के लिए उनका बच्चों के साथ होना बहुत जरूरी है। जब बच्चे बड़े हो जाते हैं तो उन्हें पता ही नहीं होता कि खुश कैसे रहा जाए और वे दोस्तों, शॉपिंग, वीडियो गेम्स, इंटरनेट जैसी बाहरी चीजों में अपनी खुशी ढूंढते हैं। जबकि एक बच्चे को आसानी से अपने-आप में खुश रहना सिखाया जा सकता है। वह खुद खेल सकता है, पढ़ सकता है, अपनी कल्पनाओं में खो सकता है। अपने बच्चे को शुरू से थोड़ी निजता की आदत डालें। उसे अकेले थोड़ा वक्त बिताने दें, वह खुद-ब-खुद खुश रहना सीख जाएगा।

सहनशक्ति

घर में बच्चों के चारों ओर सुरक्षित वातावरण होता है, लेकिन जब वे बाहरी दुनिया के संपर्क में आते हैं तो कई बार यह अनुभव उनके लिए डराने वाला, तकलीफदेह हो सकता है। इसलिए अपने बच्चों को शुरू से ही हर तरह के लोगों से मिलने की आदत डालें। उन्हें बताएं कि दुनिया में अलग-अलग तरह के लोग होते हैं और अलग होना कोई बुरी बात नहीं है।

बदलाव स्वीकार करना

दुनिया हर क्षण बदलती रहती है और जो इस बदलाव को स्वीकार करके उसके साथ-साथ चलता है, वह हमेशा सुखी रहता है। जो लोग बदलाव नहीं चाहते या उससे डरते हैं, वे जिंदगी में बहुत ज्यादा आगे नहीं बढ़ पाते। चार्ल्स डार्विन का सिद्धांत भी यही कहता है। किसी चीज पर अडिग होना अच्छा है, लेकिन उस पर अड़ जाना खराब है, जिंदगी में चीजों को लेकर थोड़ी नरमाई या लोच होना चाहिए। यदि आप बदलाव के अनुकूल बन जाते हैं तो आपको नए-नए अवसर मिलते हैं। ये नए अवसर आपकी प्राथमिकता बन जाते हैं, जबकि ये पहले आपके आस-पास भी नहीं थे। तो बच्चों को सिखाएं कि यदि वे किसी भी तरह के बदलाव को स्वीकार करेंगे तो जिंदगी रोमांच से भरपूर बनी रहेगी।

आप किसी चीज को लेकर इतने उत्साहित रहते हैं, कि हर वक्त उसी के बारे में सोचते रहते हैं। आपको कोई भी चीज करने में मजा आता है और जब वह चीज आकार लेती है तो आपको भीतर से खुशी होती है....

कैसे सजाएं आशियाना

अपने घर को ज्यादा सजाने के चक्कर में हम कभी-कभी इतना मशगूल हो जाते हैं कि वह बनावटी लगने लगता है। हमें लगता है कि हम हर तरह के सामान से अपने घर को सजाएं, परंतु वह सही नहीं है। कोई एक थीम लें और उसी पर कायम रह कर अपने घर को संवारें। हम आपको बता रहे हैं कुछ सामान्य गलतियां जो हम अपने नए घर को सजाने के वक्त कर बैठते हैं।

कमरे को हद से ज्यादा ना सजाएं

एक कमरे को फर्नीचर और दूसरे सामानों से भरने में वक्त नहीं लगता, वकत लगता है उसके सही प्लेसमेंट में। कमरे को खचाखच ना भरें। उसमें आराम से आने-जाने की और कुछ खाली जगह हो। साज-सज्जा सोबर रखें और सफाई पर ध्यान दें, क्योंकि कमरा भरा-भरा होगा तो साफ सफाई नहीं हो पाएगी।

जगह ना होने पर जबरदस्ती सामान जमाना

इसके लिए सबसे पहले अपनी बेकार की खरीददारी पर रोक लगाएं। बाजार में जो अच्छा दिख गया खरीद लाए, यह आदत गलत है। अगर कोई सामान कमरे के लिए फिट नहीं है तो उसे जमाने की कोशिश में समय ना बरबाद करें। एक व्यवस्थित और साफ कमरा ही दिखने में सुन्दर लगता है।

अव्यवस्था फैलाना

घर में अधिक अव्यवस्था की जरूरत नहीं है। अव्यवस्था से आसानी से बचा जा सकता है, इसके लिए तीन बातें याद रखें -

- चीजें जो महत्वपूर्ण हैं
- चीजें जिनके बिना काम नहीं चल सकता
- अनावशयक चीजों को बाहर निकाल दें

ये तीन बातें अव्यवस्था को रोक देंगी

कमरों में रोशनी के स्त्रोत कम होना

प्रकाश एक जरूरत है। यह सजावट के सबसे महत्वपूर्ण तत्वों में से एक है। सबसे पहले तो घर में प्राकृतिक प्रकाश आना चाहिए। पर्दे और सामान के गलत प्लेसमेंट से प्राकृतिक प्रकाश स्त्रोतों को ब्लॉक मत होने दें। अपने कमरे में एक से अधिक प्रकाश के स्त्रोत लगाएं।

वेराइटी पर ध्यान ना देना

एक ही दुकान से अपना सारा सामान ना खरीदें। अलग-अलग दुकानों पर जाएं, इससे आपको भाव भी समझ आएगा और सामान की वेराइटी भी मिलेगी।

बजट के महत्व को कम समझना

बहुत उत्सुक ना बनें और बहुत ज्यादा खरीदी ना करें। थोड़ा-थोड़ा कर के खरीददारी करें। सबकुछ एक बार में खरीदने की जल्दबाज़ी सही नहीं है। वही खरीदें जिसकी हाल-फिलहाल में ज़रूरत हो। एक बजट बनाएं और उस पर कायम रहें।

चेहरे की झाइयों का कैसे होता है उपचार

झाइयां एक ऐसी अवस्था है जिसमें चेहरे पर भूरे व काले रंग के धब्बे पड़ जाते हैं। यह दोनों गालों से शुरू होकर, बाद में बटर फ्लॉय शेप में होने लगते हैं। कभी-कभी यह नाक और आंख के ऊपरी हिस्से (भौंहे) में भी होते हैं। पिगमेंटेशन कितनी गहराई तक है, उसके अनुसार झाइयों को चार भागों में विभाजित किया गया है, पढें अगले पेज पर ...

एपीडर्मल झाइयां

इस अवस्था में केवल ऊपरी सतह ही प्रभावित होती है। इस तरह की झाइयों को ठीक करना आसान होता है।

डर्मल झाइयां

इसमें पिगमेंटेशन त्वचा की गहराई तक होता है। इसका ट्रीटमेंट कठिन होता है।

मिश्रित – इस तरह की झाइयों का ट्रीटमेंट काफी कठिन होता है। इसमें लेज़र और पील उपचार आदि को संयुक्त रूप में दिया जाता है।

अस्पष्ट झाइयां

इस तरह की झाइयां बहुत गहरे रंग की त्वचा में पाई जाती हैं। ऐसी अवस्था में त्वचा की स्थिति के बारे में जानना आसान नहीं होता।

हार्मोनल असंतुलन

यह झाइयों का मुख्य कारण होता है। गर्भधारण करने की स्थिति में हो सकता है या गर्भ निरोधक गोलियां लंबे समय तक लेने से हो सकता है।

अनुवांशिक कारण

अनुवांशिक कारणों से। धूप की किरणों से बचाव न करने की वजह से।

एलर्जी – कुछ कॉस्मेटिक उत्पाद जिनसे एलर्जी होने के बाद भी उपयोग करने के कारण।

थायरॉइड – झाइयां थायरॉइड बीमारी के मरीजों में भी देखी जा सकती है।

रजोनिवृत्ति – रजोनिवृत्ति के समय बढ़ जाती हैं। हार्मोनल असंतुलन होने की वजह से झाइयों का उपचार करना कठिन होता है। सही ढंग से उपचार कराने पर यह ठीक हो जाती है।

गोरेपन की क्रीम

झाइयां दूर करने के लिए हायड्रोक्विनोन, ट्रेटिनोइन, रेटिनॉइड्स, कोजिक एसिड और विटामिन-सी आदि कई तरह की क्रीम्स का त्वचा की प्रकार व पिगमेंटेशन के अनुसार उपयोग किया जाता है।

लेजर उपचार–

लेज़र उपचार से भी काफी मदद मिलती है। लेसर में क्यू-स्विच्ड लेज़र का उपयोग करते हैं जिससे मिलेनोसाइट कम हो जाते हैं। यह उपचार लेने के लिए कई बार क्लिनिक पर जाना पड़ता है यानी यह कई सीटिंग्स में किया जाता है। यह सीटिंग्स महीने में एक बार होती हैं।

केमिकल पील उपचार–

इसमें ग्लाइकोपील, टीसीए पील, मेंडेलिक एसिड पील आदि विभिन्न पील का उपयोग होता है। पील उपचार के लिए कई सीटिंग होती हैं, इनमें 10 दिनों का अंतराल होता है।